जबलपुर शनिवार 18 जुलाई 2026 > शक संवत 1948, अषाढ़ शुक्ल पक्ष चतुर्थी
वर्ष 32 अंक 23 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96
www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

अब हर रोज दर्पण ⏩ 3

मौसम
अधिकतम तापमान 30.4°C
न्यूनतम तापमान 24.7°C
सूर्योदय - 5.35 | सूर्यास्त - 6.58

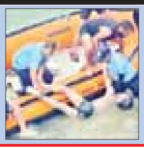

24 घंटे बाद डैम में डूबे युवक की मिली लाश... ⏩ 4

अर्जेंटीना के राष्ट्रपति अंधविश्वास के कारण विश्व कप... ⏩ 7

विद्यार्थी निजी विद्यालयों से निकलकर शासकीय सांदीपनि... ⏩ 9

5 जिलों में ढाई लाख हेक्टेयर सिंचाई का रकबा बढ़ाएगी स्लीमनाबाद टनल

1600 करोड़ रुपये से अधिक की राशि से बनी है 12 किलोमीटर लंबी टनल परियोजना

कटनी (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विंध्य क्षेत्र हर प्रकार के संसाधनों से समृद्ध है, लेकिन कुछ स्थानों पर पानी की कमी की चुनौती सामने आती है। स्लीमनाबाद टनल कटनी, रीवा, सतना, मैहर और पन्ना जिलों के लिए अमृतधारा बनेगी। भगवान श्रीराम के आशीर्वाद से चित्रकूट क्षेत्र और विंध्य की वैली के इन पांच जिलों के कुल ढाई लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई का रकबा बढ़ेगा। लोगों के लिए पेयजल की समस्या का समाधान होगा। कई स्थानों पर इसमें बिजली भी बनाई जाएगी। यह परियोजना राज्य में सिंचाई का रकबा बढ़ाने के संकल्प की पूर्ति में निर्णायक भूमिका निभाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों की ओर से टनल परियोजना के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि परियोजना के लिए 1600 करोड़ रुपए की राशि में केंद्र सरकार ने लगभग 275 करोड़ की राशि प्रदान की। राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के बलबूते आज यह चुनौतीपूर्ण टनल परियोजना पूरी होने की ओर बढ़ रही है। किसानों और क्षेत्र के व्यापारियों के लिए यह टनल एक वरदान की तरह है। लगभग 12 किलोमीटर लंबी यह परियोजना भविष्य में इंजीनियरिंग के क्षेत्र में केस स्टडी सिद्ध होगी। भीषण भूकंप आने पर भी टनल 100 साल तक सुरक्षित रहेगी। कई स्थानों पर टनल की गहराई जमीन से नीचे 120 फीट तक भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्लीमनाबाद टनल के अवलोकन के बाद मीडिया से चर्चा में यह जानकारी दी।

मां नर्मदा, गंगा बेसिन में भी हरियाली लाएगी

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि नर्मदा नदी तो खंभात की खाड़ी में जाकर मिलती है, लेकिन यह विज्ञान का चत्मकार ही है कि अब मां नर्मदा इस ऐतिहासिक टनल के माध्यम से गंगा बेसिन में सोन नदी के आसपास के अंचल में भी हरियाली लाएगी। एक समय ऐसा भी आया जब लगा कि टनल तैयार होना असंभव जैसा है। लेकिन जब संकल्प बड़ा होता है और पवित्र मन से कार्य किया जाए तो सफलता निश्चित रूप से मिलती है। आगामी तीन माह में रबी की फसल के लिए किसानों को एक लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो जाएगा।

जमीन न बेचें किसान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सोन कछार का 152 क्यूबिक डिस्चार्ज से सतना जिले में 1 लाख 4 हजार 970 हेक्टेयर, मैहर जिले में 54 हजार 227 हेक्टेयर, कटनी जिले में 21 हजार 823 हेक्टेयर, रीवा जिले में 3 हजार 532 हेक्टेयर और पन्ना जिले में 448 हेक्टेयर सहित कुल 1 लाख 85 हजार हेक्टेयर कमांड एरिया में सिंचाई की सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही नहरों के निर्माण का कार्य तेजी से हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि टनल परियोजना में एक ओर जहां टनल के माध्यम से नर्मदा नदी बहेगी तो दूसरी ओर ऊपर से कटनी नदी प्रवाहित होगी।

जींद से दौड़ी भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन

पीएम मोदी बोले- 'मेक इन इंडिया' की बड़ी सफलता

चंडीगढ़।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को हरियाणा के जींद रेलवे स्टेशन से जींद-सोनीपत रेलखंड पर देश की पहली हाइड्रोजन-चालित ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही भारत उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल हो गया, जहां हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेनें परिचालन में हैं। प्रधानमंत्री ने इसे 'मेक इन इंडिया' अभियान की बड़ी सफलता बताते हुए कहा कि यह भारतीय रेलवे और देश के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह हाइड्रोजन ट्रेन जींद और सोनीपत के बीच 89 किलोमीटर की दूरी करीब दो घंटे में तय करेगी और रास्ते में 12 स्टेशनों पर रुकेगी।

ट्रेन को रवाना करने के बाद प्रधानमंत्री ने करीब 14,700 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसके बाद एकलव्य स्टेडियम में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे ने आज बड़ा कदम उठाया है और जींद से शुरू हुई यह हाइड्रोजन ट्रेन दुनिया की सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन-चालित ट्रेनों में शामिल है। प्रधानमंत्री ने जींद से अपने पुराने जुड़ाव का जिक्र करते हुए कहा कि यहां आकर उनकी पुरानी यादें ताजा हो गईं। उन्होंने कहा, जींद का घी और घेवर वर्षों से नहीं बदले हैं, लेकिन इसके तेवर बदल गए हैं। उन्होंने कहा कि जींद अब भाजपा के सुशासन और विकास मॉडल की पहचान बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिस तरह भारत की पहली ट्रेन के लिए मुंबई और ठाणे का नाम याद किया जाता है, उसी तरह भविष्य में जब भी हाइड्रोजन ट्रेन की बात होगी, जींद, सोनीपत और हरियाणा का नाम भी गर्व से लिया जाएगा।

क्या है हाइड्रोजन ट्रेन की खासियत?

इस अत्याधुनिक ट्रेन में हाइड्रोजन से बिजली बनाई जाती है, जिससे ट्रेन संचालित होती है। इस प्रक्रिया में केवल जलवाष्प निकलती है और कार्बन उत्सर्जन शून्य रहता है। यह ट्रेन डीजल ट्रेनों की तुलना में पर्यावरण के लिए अधिक अनुकूल है। इससे न तो प्रदूषण होता है और न ही जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता बढ़ती है। साथ ही, इसे पूरी रेल लाइन पर ओवरहेड विद्युतीकरण की आवश्यकता भी नहीं होती।

दुनिया की शक्तिशाली ट्रेनों में शामिल

भारत की इस हाइड्रोजन ट्रेन में 10 डिब्बे हैं, जिससे यह दुनिया की सबसे लंबी हाइड्रोजन-चालित यात्री ट्रेनों में शामिल हो गई है। इसका 3,200 हॉर्सपावर (एचपी) का प्रणोदन तंत्र इसे वर्तमान में परिचालन में मौजूद सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन-चालित यात्री ट्रेनों में से एक बनाता है। यह परियोजना भारत के हरित और टिकाऊ परिवहन मिशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

पश्चिम एशिया के हालात का भी जिक्र

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते बड़ी मात्रा में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और उर्वरकों की आपूर्ति होती है। पिछले कुछ महीनों से यह क्षेत्र संघर्ष का केंद्र बना हुआ है, लेकिन इसके बावजूद भारत की विकास यात्रा और रेलवे की रफ्तार नहीं रुकी। उन्होंने कहा कि यदि ऐसी स्थिति वर्ष 2014 से पहले पैदा होती, तो भारतीय रेलवे का कामकाज पूरी तरह प्रभावित हो जाता।

पेपर लीक से टूट जाती है पूरे परिवार की कमर

देहरादून।

देहरादून के बन्नू स्कूल ग्राउंड में कांग्रेस का 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम आयोजित किया गया। मूसलाधार बारिश के बावजूद करीब 10 हजार छात्र-युवा कार्यक्रम स्थल पर मौजूद रहे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भीषण जाम में करीब 30 मिनट फंसने के बाद कार्यक्रम स्थल पहुंचे। मंच से युवाओं को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने मीडिया पर निशाना साधते हुए कहा कि मीडिया शादी और चीते की बात करेगी, लेकिन पेपर लीक जैसे युवाओं के मुद्दों पर चर्चा नहीं करेगी। कार्यक्रम की सबसे खास बात यह रही कि राहुल गांधी के अलावा मुख्य मंच पर कोई भी कांग्रेस नेता या कार्यकर्ता मौजूद नहीं रहा। वरिष्ठ नेताओं के लिए मुख्य मंच के बगल में अलग व्यवस्था की गई। उधर, राहुल गांधी के दौरे को लेकर दोपहर में भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम स्थल के बाहर जमकर हंगामा किया। जिसके बाद पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। राहुल गांधी ने कहा कि देश के करोड़ों युवा प्रतियोगी परीक्षाओं को पास करने के लिए अपनी सामान्य सामाजिक जिंदगी और खुशियों से दूरी बनाकर कई सालों तक लगातार कड़ी मेहनत करते हैं। छात्र परीक्षाओं की तैयारी के लिए दिन-रात एक कर देते हैं और रोजाना आठ से दस घंटे तक पढ़ाई करते हैं, जिसमें उनका पूरा परिवार हर कदम पर उनका साथ देता है। बच्चों की पढ़ाई और कोचिंग का भारी खर्च उठाने के लिए देश के कई परिवारों को अपनी क्षमता से बाहर जाकर दूसरों से कर्ज तक लेना पड़ता है। राहुल गांधी ने कहा एक युवा अकेले तैयारी नहीं करता, उसके साथ उसका पूरा परिवार तैयारी करता है। उन्होंने कहा मिडिल क्लास के लिए सरकारी नौकरी मायने रखती है। ऐसे में अगर पेपर लीक हो जाये तो परिवार की कमर टूट जाती है। राहुल गांधी ने कहा हिंदुस्तान में मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर बिल्कुल बंद है। एंटरप्रेन्योर हमारे देश में है। कॉरपरेट नौकरियां भी कम हैं। इसके साथ ही दूसरी नौकरी भी आसानी से नहीं मिलती है। इसलिए युवाओं के हाथ में केवल सरकारी नौकरी का रास्ता रह जाता है।

10 हजार स्टूडेंट्स से राहुल गांधी ने किया संवाद

बांधवगढ़ में मिला मादा बाघ शावक का शव

सर में फ्रैक्चर, शव पर नाखून-दांत के भी निशान

उमरिया (स्वतंत्र मत)।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के धमोखर रेंज में शुक्रवार को एक मादा बाघ शावक मृत अवस्था में मिलने से वन विभाग में हड़कंप है। बीटीआर के वन्यजीव स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश तोमर द्वारा किए गए प्राथमिक परीक्षण में शावक के सर की हड्डियों में फ्रैक्चर होना पाया गया है, इसके साथ ही मृत शरीर पर नाखून और दांत के निशान भी मिलने की बात कही जा रही है।

इन प्रारंभिक तथ्यों ने शावक की मौत को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जाता है कि शुक्रवार को धमोखर रेंज अंतर्गत बीट धमोखर की सीमा से लगभग 500 मीटर दूर ग्राम चापर के राजस्व क्षेत्र में मिले शावक के शव की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र को सुरक्षा घेरे में लेकर जांच शुरू कर दी गई।

घटना की गंभीरता को देखते हुए बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक डॉ. अनुपम सहाय स्वयं घटनास्थल पहुंचे और निरीक्षण किया। वन्यजीव स्वास्थ्य अधिकारी के मौके पर पहुंचने से पहले डॉग स्क्वाड द्वारा इलाके की सघन सर्चिंग कराई गई तथा मेटल डिटेक्टर से भी पूरे क्षेत्र की जांच की गई।

वन विभाग की माने तो जांच के दौरान कोई भी संदिग्ध या अस्वाभाविक वस्तु घटना स्थल पर बरामद नहीं हुई। शनिवार को शावक का विधिवत पोस्टमार्टम कराया जाएगा। इसके बाद राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार शव का दाह संस्कार किया जाएगा। फिलहाल वन विभाग हर पहलू से मामले की जांच में जुटा हुआ है।

ट्रैक्टर में पीछे से घुसी स्कूटी, 4 की मौत

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में शुक्रवार सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग-53 पर सड़क किनारे खड़े ऑक्सीजन सिलेंडरों से लदे एक ट्रैक्टर में पीछे से आ रही स्कूटी जा भिड़ी। भिलाई-3 निवासी 28 वर्षीय अमृता निर्मलकर अपने परिवार के चार अन्य सदस्यों के साथ स्कूटी से रायपुर के बसंत विहार जा रही थीं। सुबह करीब 10 बजे के बीच उनकी स्कूटी दुर्ग से रायपुर जाने वाली सड़क पर ऑक्सीजन सिलेंडरों से लदे एक ट्रैक्टर के पीछे जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर ही चार लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में जान गंवाने वालों में दो महिलाएं और दो मासूम बच्चियां शामिल हैं। वहीं, आठ वर्षीय एक बच्चा गंभीर रूप से घायल है।

नागरिकता तय नहीं कर सकता चुनाव आयोग

सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने एसआईआर पर खींच दी स्पष्ट लाइन

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मौखिक तौर पर यह बात दोहराई है कि स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन में मतदाता सूची से नाम कटने भर से किसी की नागरिकता अपने आप खत्म नहीं हो जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि वह बिहार एसआईआर पर अपने फैसले में ही यह बात स्पष्ट कर चुका है।

सुप्रीम कोर्ट में भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना ने प्रसेनजीत बोस नाम के याचिकाकर्ता की याचिका पर सुनवाई के दौरान यह बात कही। लाइवलॉ के अनुसार वे कई याचिकाओं के माध्यम से एसआईआर के बाद वोटर लिस्ट से बाहर हुए लोगों के लिए कई तरह की राहत चाहते हैं। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन ने अदालत के सामने कहा कि बंगाल में जिनके नाम एसआईआर में कटे हैं, उनकी अपील पर सुनवाई की प्रक्रिया बहुत ही धीमी चल रही है। लेकिन, फिर भी पश्चिम बंगाल सरकार ऐसे लोगों का नाम कल्याणकारी योजनाओं से काट रही है और उन्हें इसके लाभ से वंचित किया जा रहा है। इन दलीलों पर जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने कहा कि बिहार एसआईआर जजमेंट में ही अदालत ने कहा है कि नागरिकता तय करने के लिए चुनाव आयोग संवैधानिक अथॉरिटी नहीं है। उन्होंने कहा, हम इससे वाकिफ हैं। बिहार एसआईआर जजमेंट में हमने साफ किया था कि जैसे ही (चुनाव आयोग का) कोई फैसला हो, चुनाव आयोग की यह जिम्मेदारी है कि नागरिकता कानून के तहत फैसला लेने के लिए उसे इसे मंत्रालय को भेजना होगा। जबतक यह नहीं होता, यथास्थिति बनी रहे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- हमारा जजमेंट स्पष्ट है, आर्टिकल 9, 10, 11 और 12 के संबंध में चुनाव आयोग संवैधानिक अथॉरिटी नहीं है..चुनाव आयोग का नियंत्रण वोटर लिस्ट पर है। वह किसी को नहीं शामिल करने का फैसला ले सकता है। लेकिन, इससे नागरिकता का दर्जा अपने आप खत्म नहीं हो जाता।

वांगचुग को कांग्रेस ने भी दिया समर्थन

नई दिल्ली (वार्ता)। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के आमरण अनशन को विपक्षी दलों के समर्थन के बीच कांग्रेस की ओर से संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने शुक्रवार को यहां उनसे मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और उनकी मांगों के प्रति समर्थन जताया। खेड़ा ने आज सुबह जंतर मंतर पहुंचकर वांगचुक से उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और उनसे विचार विमर्श किया। वांगचुक पिछले 20 दिनों से विभिन्न परीक्षाओं के पेपर लीक होने और परीक्षाओं में गडबड़ियों को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे और पूरी शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग करते हुए अनशन पर बैठे हैं। मुलाकात के बाद खेड़ा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि हम सभी सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं। हम एक ऐसी बेहद असंवेदनशील सरकार का सामना कर रहे हैं, जो लोकतांत्रिक विरोध की भाषा नहीं समझती। ऐसी सरकार के सामने विरोध के तरीकों में बदलाव लाने की जरूरत है। इस सरकार के खिलाफ अपनी जान जोखिम में डालने से कोई नतीजा नहीं निकलेगा।

12 दिन से 500 घरों में नहीं जला चूल्हा

छतरपुर। मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले में विभिन्न विकास परियोजनाओं के कारण बेघर हुए लोगों की लड़ाई अब बेहद गंभीर रूप ले चुकी है। केन-बेतवा लिंक परियोजना, एनटीपीसी, मझगांव, रूंज और नैगुवा जैसी बड़ी परियोजनाओं में हुए कथित भ्रष्टाचार और विस्थापितों के सही पुनर्वास की मांग को लेकर 'जय किसान संगठन' के बैनर तले पिछले 15 दिनों से चल रहा 'चिता' आंदोलन दिन-ब-दिन और तेज होता जा रहा है। इस क्रम में आंदोलन का नेतृत्व कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता अमित भटनागर का आमरण अनशन शुक्रवार को 12वें दिन भी जारी रहा, जिससे स्थिति संवेदनशील बनी हुई है और स्वास्थ्य को लेकर चिंताए भी बढ़ गई है। मिली जानकारी के अनुसार लगातार भूख हड़ताल पर बैठे अमित भटनागर की सेहत में तेजी से गिरावट आ रही है। आंदोलनकारियों के मुताबिक, 12 दिनों में उनका वजन करीब 6 किलोग्राम तक घट चुका है। सामाजिक कार्यकर्ता के समर्थन में आंदोलन स्थल पर मौजूद प्रभावित परिवारों ने भी अपना विरोध जताने के लिए अनोखा तरीका अपनाया। शुक्रवार को भी प्रदर्शन स्थल पर चूल्हा नहीं जलाया गया, जिसके कारण लगभग 500 बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग भूखे रहने को मजबूर हुए। प्रभावित ग्रामीणों का कहना है कि वे पिछले चार सालों से अपनी जायज मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। उनका आरोप है कि प्रशासन द्वारा न तो सही तरीके से ग्राम सभाएं बुलाई गईं और न ही पारदर्शी सर्वे किया गया। इसके साथ ही जनसुनवाई और लोगों की आपत्तियों का भी कोई निपटारा नहीं किया गया। इसके अलावा गौर करने वाली बात यह है कि ग्रामीणों का सबसे गंभीर आरोप मुआवजे को लेकर है। मामले में ग्रामीणों का कहना है कि जिन परिवारों की जमीनें गईं और जो वाकई हकदार थे, उन्हें पर्याप्त मुआवजा नहीं मिला। वहीं दूसरी तरफ, कई गलत लोगों को मोटी रकम बांट दी गई। ग्रामीणों का कहना है कि पुनर्वास प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है और मुआवजे का पैसा बिचौलियों के बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिया गया।

मुआवजा-पुनर्वास की मांग को लेकर विस्थापितों का 'चिता' आंदोलन

इन लोगों का मिला समर्थन

इस बीच बढ़ते आंदोलन को देखते हुए समाजवादी पार्टी ने भी इसका समर्थन किया। सपा जिला अध्यक्ष कपूर सिंह यादव, महिला सभा की प्रदेश अध्यक्ष रानी रैकवार, प्रदेश महासचिव विनोद पटेल, जिला उपाध्यक्ष महेंद्र यादव समेत अन्य पदाधिकारी आंदोलन स्थल पहुंचे। उन्होंने प्रभावितों की मांगों का समर्थन करते हुए प्रशासन और सरकार पर जनता के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया। दूसरी ओर आंदोलन को समाज के विभिन्न वर्गों का समर्थन भी मिल रहा है। गांधी स्मारक निधि के अध्यक्ष और वरिष्ठ गांधीवादी विचारक संतोष कुमार द्विवेदी ने आंदोलन स्थल पहुंचकर ग्रामीणों के साहस की तारीफ की। उन्होंने कहा कि जल, जंगल और जमीन जैसे बुनियादी अधिकारों की रक्षा के लिए शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाना हर नागरिक का अधिकार है।

कृषि विभाग ने पकड़ा डीएपी से भरा मिनी ट्रक, नकली होने की आशंका

मझौली क्षेत्र का मामला, जांच के लिए भेजे गए नमूने

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

जिले में चलाए जा रहे सघन जांच अभियान के तहत कृषि विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नकली होने की आशंका पर 60 बोरी डीएपी जब्त की है। जब्त खाद के नमूने परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद संबंधित उर्वरक विक्रेता, वाहन मालिक एवं क्रेता के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की जाएगी। उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास उमेश कुमार कटहरे के अनुसार कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार चल रहे अभियान के तहत गुप्त सूत्रों से मिली सूचना पर अनुविभागीय कृषि अधिकारी

जबलपुर प्रतिभा गौर के नेतृत्व में कृषि विभाग की टीम ने शुक्रवार को मझौली चौराहा कटनी रोड पनागर में फैमिली रेस्टोरेंट के पास एक मिनी ट्रक की तलाशी ली। तलाशी के दौरान वाहन से 60 बोरी डीएपी खाद पाई गई।

नहीं मिले दस्तावेज

श्री कटहरे ने बताया कि प्रारंभिक जांच में खाद नकली प्रतीत होने पर उसके नमूने लेकर प्रयोगशाला भेज दिए गए हैं। वाहन चालक से खाद के संबंध में पूछताछ की गई, लेकिन वह कोई संतोषजनक जानकारी या दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। कृषि अधिकारियों ने मिनी ट्रक सहित खाद को पनागर थाना परिसर में सुरक्षित रखवा दिया है। प्रयोगशाला की रिपोर्ट प्राप्त होते ही संबंधित उर्वरक विक्रेता, वाहन मालिक एवं खरीदार के खिलाफ नियमानुसार एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

सर्पदंश से बचाव और उपचार के लिये जारी हुई एडवाइजरी

जबलपुर। वर्षा ऋतु के दौरान सर्पदंश की घटनाओं में संभावित वृद्धि को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने आमजनों से सतर्क रहने और समय पर उपचार कराने की सलाह दी है। जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ नवीन कोठारी ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा सर्पदंश की रोकथाम, नियंत्रण एवं बचाव के लिए जन-जागरूकता संबंधी एडवाइजरी जारी की गई है, ताकि लोगों को सही जानकारी उपलब्ध कराई जा सके और सर्पदंश से होने वाली जनहानि को रोका जा सके। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि सर्पदंश की स्थिति में घबराने के बजाय मरीज को शांत रखें, उसे अधिक हिलने-डुलने न दें तथा दंश वाले स्थान को पानी से साफ कर स्वच्छ कपड़े से ढक दें। पीड़ित को तत्काल एम्बुलेंस के माध्यम से या उपलब्ध साधन से निकटतम अस्पताल पहुंचाएं। यदि दंश वाले स्थान पर सूजन हो रही हो तो बेल्ट, घड़ी, अंगूठी या अन्य आभूषण तुरंत हटा दें।

कानून की जानकारी प्रत्येक नागरिक के लिए आवश्यक

तान्या कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल में विधिक साक्षरता क्लब के तत्वावधान में जागरूकता शिविर का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पाटन नगर स्थित तान्या कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल में शुक्रवार को विद्यालय में विधिक साक्षरता क्लब के तत्वावधान में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायाधीश स्वयं प्रकाश दुबे रहे। अपने उद्बोधन में न्यायाधीश स्वयं प्रकाश ने विद्यार्थियों को मौलिक अधिकारों एवं मौलिक कर्तव्यों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विधिक साक्षरता के उद्देश्य एवं उसकी उपयोगिता को विभिन्न उदाहरणों तथा पौराणिक कथाओं के माध्यम से सरल एवं प्रभावी ढंग से समझाया। उन्होंने कहा कि कानून की जानकारी प्रत्येक नागरिक के लिए आवश्यक है, क्योंकि इससे व्यक्ति अपने

अधिकारों के प्रति जागरूक, कर्तव्यों का निर्वहन कर सकता है। छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्होंने दैनिक जीवन में अपनाई जाने वाली छोटी-छोटी सावधानियों पर प्रकाश डाला, जिनका पालन कर वे स्वयं को अपराधों से सुरक्षित रख सकती हैं। प्राचार्य सीएस ठाकुर ने अपने उद्बोधन में न्यायाधीश के द्वारा बताई गई बातों को विद्यालय में बार-बार दोहराकर विद्यार्थियों को स्मरण करने की बात कही साथी ऐसी अन्य जानकारियां भी उन्हें इसी प्रकार की गोष्ठियों के माध्यम से प्रदान करने की बात की।

मेरिट सूची में आई छात्रा का हुआ सम्मान-पिछले सत्र में कक्षा दसवीं में तान्या स्कूल की छात्रा कल्पना ठाकुर ने 98.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश की मेरिट सूची में नौवां स्थान प्राप्त करने पर माननीय न्यायाधीश महोदय ने टीका, फूलमाला पहनाकर एवं शील्ड देकर सम्मानित किया । कार्यक्रम में विधिक साक्षरता समिति के सचिव अंशुल पटेल, उप प्राचार्य सुजीत सिंह ठाकुर, जसपाल सिंह, अनिल पटेल, मनीषा ठाकुर, शशांक चौधरी, आकाश तिवारी, आस्था जैन आदि उपस्थित रहे।

चलती ट्रेन में चूहे ने कुतरी रेल कर्मचारी की उंगली

ओवरनाइट एक्सप्रेस का मामला, मचा हड़कंप

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। इंदौर से जबलपुर आ रही ओवरनाइट एक्सप्रेस में आज शुक्रवार 17 जुलाई की सुबह पावर कार में तैनात रेलवे के टेक्नीशियन इलेक्ट्रिकल की उंगली को एक चूहे ने कतर (काट) लिया। जिससे रेल कर्मचारी घबरा गया और अपने साथियों को इसकी जानकारी दी। बाद में रेलवे अस्पताल पहुंचा, जहां पर अपना उपचार कराया। इस घटना से कर्मचारियों में रोष है। बताया जाता है कि गाड़ी संख्या 22191 के पावर कार संख्या 161011 में जबलपुर में पदस्थ रेल कर्मचारी अनिल कुमार कुशवाहा, टेक्नीशियन इलेक्ट्रिकल की ड्यूटी थी। वे अपने पावर कार में लेटे हुए थे। इसी दौरान एक बड़े चूहे ने उनकी उंगली को कुतर लिया। जिससे खून निकलने लगा। चूहे के काटते ही रेल कर्मचारी घबरा गये और अपने साथी को भी बताया। बताया जा रहा है कि रेल कर्मचारी अनिल कुमार कुशवाहा ड्यूटी से छूटने के बाद अपने घर गये और फिर दोपहर में रेलवे अस्पताल पहुंचे, जहां पर डाक्टर ने टीटी का इंजेक्शन लगाकर कटी उंगली की मरहम-पट्टी की।

साफ-सफाई पर उठे सवाल-वहीं इस मामले को लेकर रेल कर्मचारियों का कहना है कि पूरी ट्रेन में ही चूहों की धमाचौकड़ी मची हुई है। यात्रियों के साथ-साथ रेल कर्मचारी भी परेशान है। रेलवे चूहों-काकरोचों की सफाई के लिये लाखों का ठेका देता है, लेकिन उसका असर नजर नहीं आ रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि पावर कार में न तो माउस पैड लगाये गये हैं और न ही पिंजरा रखा है। जिससे कर्मचारियों की परेशानी बढ़ी हुई है।

नोटों से बनी हथकड़ी लेकर लोकायुक्त कार्यालय पहुंचे एमबीएम के सदस्य

रिश्वत के मामले में फंसे कर्मचारी पर एफआईआर दर्ज करने की मांग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मध्य भारत मोर्चा (एमबीएम) के अध्यक्ष सौरभ यादव के नेतृत्व दर्जनों की संख्या में कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को लोकायुक्त कार्यालय पहुंचकर अनोखे अंदाज में भ्रष्टाचार के मामले में कार्यवाही ना होने पर महानिदेशक भोपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान मोर्चा के सदस्य बड़ी मात्रा में नोटो की हथकड़ी लेकर लोकायुक्त

कार्यालय पहुंचे।

इस संबंध में मोर्चा अध्यक्ष सौरभ यादव ने बताया कि नागरिक आपूर्ति निगम के जिला प्रबन्धक संजय सिंह जिन्हें लोकायुक्त द्वारा 2022 में 60 हजार की रिश्वत लेते रंगों हाथों पकड़ा गया था। लेकिन अब तक चार वर्ष हो जाने के बावजूद भी उनके अभियोजन की स्वीकृति नहीं हुई ओर न ही न्यायालय में चालान पेश किया गया मोर्चा के सदस्य प्रतीकात्मक रूप में नोटो की हथकड़ी लेकर पहुंचे थे ताकि कार्यवाही शीघ्र हो सके जहां ज्ञापन लेते हुए लोकायुक्त की पुलिस अधीक्षक अंजूलता पटले द्वारा मोर्चा सदस्यों को जल्द कारवाही हेतु अस्वस्थ किया गया।

इस दौरान मोर्चा अध्यक्ष सौरभ यादव, दिलीप विश्वकर्मा, नरेश, अमित, रोहित भोजक, राजा, पल्लव शुक्ला, फैज़ल, निहाल यादव, सोनू साहू, राहुल तिवारी, सात्विक भोजक, आमिर, समीर, आसिफ, हर्ष वर्मा, आकाश, एजाज, आदि सदस्य उपस्थित रहे।

धोखाधड़ी मामले में ईओडब्ल्यू ने दर्ज किया मामला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ जबलपुर ने बैंक ऑफ महाराष्ट्र, शाखा बेनीखेड़ा के तत्कालीन शाखा प्रबंधक प्रीतम कुमार बेहरा के खिलाफ धोखाधड़ी, गबन और पद के दुरुपयोग का मामला दर्ज किया है। आरोपी प्रबंधक पर स्व-सहायता समूहों, बीमा और ऋण खातों से अवैध रूप से 6,02,558 रुपये का गबन कर व्यक्तिगत लाभ कमाने और बैंक को गंभीर आर्थिक क्षति पहुँचाने का आरोप है। ईओडब्लू ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज कर बिना नम्बरी एफआईआर मुख्यालय भोपाल भेज दी है। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी प्रबंधक ने अपने अधीनस्थ कर्मचारियों की लॉगिन आईडी का गलत इस्तेमाल कर 09 स्व-सहायता समूहों के खातों से 4,21,108 रुपये अपनी पत्नी के खाते में ट्रांसफर किए। इसके अलावा, आरोपी ने आउटसोर्स कर्मचारी के नाम पर फर्जी खाता खुलवाकर उसके एटीएम और मोबाइल बैंकिंग के जरिए 1,43,480 रुपये हड़प लिए। हद तो तब हो गई जब लोक अदालत के दौरान उधारकर्ताओं से मिले 38,000 रुपये नकद भी उसने बैंक में जमा कराने के बजाय खुद रख लिए।

मारपीट कर दी जान से मारने की धमकी

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । पाटन में 29 अमित साहू निवासी उड़ना सड़क ने रिपोर्ट दर्ज कराते हए बताया कि वह एवं उसका दोस्त अभिषेक यादव दोनों उड़ना तिराहा में खड़े थे तभी गोविन्द सिंह लोधी आकर गाली गलोज करते हुये बोला कि तुम्हारे चाचा का लड़का साकाल कहा है, उसने गालियां देने से मना किया तो गोविन्द सिंह लोधी उसके साथ मारपीट करने लगा और धमकी देते हुये भाग गये। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

जन आंदोलन बना नशा मुक्ति अभियान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मप्र शासन की महत्वाकांक्षी नशा मुक्त मप्र मुहिम को उस समय नई ऊर्जा मिली, जब थाना प्रभारी बेलखेड़ा के नेतृत्व में ग्राम पंचायत बेलखेड़ा में विशाल नशा मुक्ति जनजागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्राम बेलखेड़ा सहित आसपास के अनेक गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण, युवा, महिलाएं, विद्यार्थी, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक शामिल हुए। सभी ने एकजुट होकर नशे से दूर रहने तथा समाज को नशा मुक्त बनाने का

संकल्प लिया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत बेलखेड़ा के सरपंच ने कहा कि नशा एक ऐसी सामाजिक बुराई है जो परिवारों की खुशियां छीन लेती है। आज हम सबने यह संकल्प लिया है कि अपने गांव को नशा मुक्त बनाएंगे, युवाओं को शिक्षा, खेल और संस्कारों से जोड़ेंगे तथा आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य देंगे।

थाना प्रभारी बेलखेड़ा ने कहा कि पुलिस का उद्देश्य केवल कानून का पालन कराना नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना भी है। नशा मुक्त मप्र अभियान इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। कार्यक्रम ने पूरे क्षेत्र में जनजागरण का संदेश दिया और नशा मुक्त समाज के निर्माण की दिशा में एक मजबूत पहल के रूप में अपनी पहचान बनाई।

दम्पत्ति के झगडे से परेशान पड़ोसियों ने की पति की धुनाई

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मझौली में 35 वर्षीय रामलाल कोल निवासी ग्राम बूढ़ी ने रिपोर्ट दर्ज कराते हए बताया कि रात को वह तथा उसकी पत्नी घरेलू विवाद को लेकर आपस में विवाद कर रहे थे तभी बाजू में रहने वाला दीपक गडारी तथा धर्मेन्द्र गोटिया आकर गाली गलोज करने लगे दीपक गडारी जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर अपमानित करने लगा, धर्मेन्द्र तथा दीपक ने मारपीट कर चोट पहुँचा दी उसका भतीजा करन कोल बीच बचाव करने लगा तो धर्मेन्द्र ने डंडे से हमलाकर दिया दोनों जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये। पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए आगे की कार्यवाही शुरू करदी है।

कृषि आदान विक्रेताओं पर जिला प्रशासन की कार्यवाही

जबलपुर। खरीफ सीजन में किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज, उर्वरक एवं कीटनाशक उपलब्ध कराने के कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार कृषि विभाग द्वारा जिले में चलाये जा रहे जांच अभियान में एक विक्रेता का लायसेंस निरस्त कर दिया गया है तथा तीन विक्रेताओं के लायसेंस निलंबित कर दिये गये हैं। वहीं, परीक्षण में बीज के नमूने अमानक पाए जाने पर 21 विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किये गये हैं। उप संचालक कृषि उमेश कुमार कटहरे से प्राप्त जानकारी के अनुसार जांच अभियान के दौरान निरीक्षण में अनियमितताएं पाए जाने पर काकरखेड़ा पाटन के विष्णु वराह कृषि केंद्र का बिना अनुमति प्रतिबंधित श्रेणी के कीटनाशकों का भंडारण एवं विक्रय पाये जाने पर कीटनाशक विक्रय लाइसेंस निरस्त कर दिया गया है। न्यू गोस्वामी कृषि केंद्र का बीज, उर्वरक एवं कीटनाशक विक्रय लाइसेंस, तिवारी फर्टिलाइजर्स का उर्वरक एवं कीटनाशक विक्रय लाइसेंस तथा बी आर कृषि केंद्र का कीटनाशक विक्रय लायसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। उप संचालक कृषि ने बताया कि नमूने लेकर परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजे गए थे।परीक्षण रिपोर्ट में बीज नमूने अमानक पाए जाने पर 21 विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस भी जारी किए गए हैं। इनमें शिव शक्ति कृषि केन्द्र मझौली, श्री श्रेष्ठ कृषि केन्द्र मझगवां, जय माँ दुर्गा कृषि केन्द्र अमगवां सिहोरा, विवेक कृषि केन्द्र बाबाताल सिहोरा, कृष्णा ट्रेडर्स पहरेवा सिहोरा, हरिओम ट्रेडर्स पाटन, नीलकंठ इंटरप्राईजेज पाटन, श्री नर्मदा डिस्ट्रीब्यूटर्स पाटन, जय सांई सरकार पाटन, मेसर्स तिवारी कृषि केन्द्र पाटन, कावेरी सीड्स कंपनी नगना, अंकुर सीड्स करमेता जबलपुर, एडवांटा इंटरप्राईजेज मंगेला पनागर, मेसर्स श्री गंगा एग्रो शहपुरा, रामदास विष्णु कुमार चौरसिया शहपुरा, चंडोक मशीनरीज कृषि उपज मंडी जबलपुर, श्री समृद्धि परामर्श आधारताल जबलपुर, सरस्वती फर्टिलाईजर शहपुरा एवं मेसर्स अरविंद ट्रेडर्स कुंडम शामिल है।

बोन फायर पैकेज्ड वाटर की गुणवत्ता पर उठे सवाल, जांच की मांग

जबलपुर (स्वतंत्र मत) ।

शहर में बिक रहे पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। बिलहरी, पिंक सिटी निवासी शिकायतकर्ता ने खाद्य सुरक्षा प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों से 'बोन फायर' ब्रांड के पानी की जांच कराने की मांग की पीड़ित के अनुसार, वर्ष 2025 में रसल चौक से गुजरते समय गुलशन वासवानी ने अपनी मां के लिए 10 रुपये वाली पानी की बोतलें खरीदी थीं। हालांकि, पानी पीते ही उसका स्वाद बेहद कड़वा और खराब निकला, जिससे गुणवत्ता में भारी गड़बड़ी की आशंका जताई गई है। दुकानदार से विरोध जताने पर उसने पानी बनाने वाली कंपनी पर जिम्मेदारी डालते हुए कोई भी उचित जवाब देने से इनकार कर दिया।

जनस्वास्थ्य से जुड़ा मामला होने के कारण शिकायतकर्ता ने पूर्व में उपभोक्ता फोरम का रुख किया था। हालांकि, फोरम द्वारा प्रारंभिक सुनवाई में आधिकारिक लैब सैंपल रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिए जाने के बाद, प्रक्रियागत कारणों से प्रकरण वापस ले लिया गया और अब सीधे प्रशासनिक अधिकारियों से जांच की गुहार लगाई गई है। शिकायतकर्ता ने आशंका जताई है कि बिना शुद्धीकरण के ही यह पानी आम जनता को बेचा जा रहा है, जिससे गंभीर बीमारियां फैलने का बड़ा खतरा बना हुआ है।

आवारा कुत्तों के मामले पर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट सख्त

जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विवेक रूसिया व न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की युगलपीठ ने प्रदेश में आवारा कुत्तों की बढ़ती समस्या और डाग बाइट की घटनाओं पर सख्त रुख अपनाते हुए नगरीय निकाय एवं गृह विभाग को आवारा कुत्तों के टीकाकरण और नसबंदी अभियान की प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कार्रवाई की स्टेटस रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश देते हुए मामले की अगली सुनवाई छह अगस्त को तय की है। इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट के उन निर्देशों के अनुपालन में हो रही है, जिनमें डाग बाइट और रेबीज के बढ़ते मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को आवारा कुत्तों के टीकाकरण अथवा नसबंदी के व्यापक अभियान चलाने के निर्देश दिए गए थे।

रिमझिम फुहारों से मौसम में घुली ठंडक, मिली हल्की राहत

4 डिग्री गिरा पारा, अस्पतालों में बढ़ी मरीजों की भीड़

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

शुक्रवार को दोपहर होते हाते मौसम का मिजाज पूरी तरह बदला-बदला नजर आया। बीते कुछ दिनों की उमस और तपिश के बाद हुई झमाझम बारिश की बौछारों ने शहरवासियों को भीषण गर्मी से बड़ी राहत दी है। रिमझिम बारिश के चलते न केवल हवा में ठंडक घुल गई, बल्कि बारिश के आंकड़ों में भी दर्ज करने योग्य बढ़त देखने को मिली। बारिश के इस दौर ने पूरे शहर के वातावरण को खुशनुमा और सुहाना बना दिया है । मौसम में आए इस अचानक बदलाव का सीधा असर तापमान पर भी देखने को मिला है । लगातार हुई बौछारों के कारण दिन के अधिकतम तापमान में करीब 4

डिग्री सेल्सियस की उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। जहां कुछ दिन पहले तापमान 35 डिग्री पहुंच गया था वहीं शुक्रवार को तापमान 30.4 दर्ज किया गया।

सावधानी बरतने की सलाह

ठंडी हवाओं और गिरे हुए पारे ने लोगों को उमस भरी गर्मी से तुरंत राहत पहुंचाई। पार्कों और पिकनिक स्पॉट्स पर सुहावने मौसम का आनंद लेने के लिए लोगों की चहल-पहल भी बढ़ गई। हालांकि, एक तरफ जहां मौसम के इस सुहावने रूप ने लोगों के चेहरे पर मुस्कान ला दी है, वहीं दूसरी ओर अचानक हुए इस मौसमी बदलाव का असर जनस्वास्थ्य पर भी पड़ता दिख रहा है। तापमान में आई तेजी से गिरावट और हवा में बढ़ी नमी के कारण मौसमी बीमारियों का प्रकोप बढ़ने लगा है। शहर के सरकारी और निजी अस्पतालों में सर्दी, खांसी, बुखार और वायरल इंफेक्शन से पीड़ित मरीजों की संख्या में अचानक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। चिकित्सकों ने बदलते मौसम को देखते हुए नागरिकों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। मुख्य रूप से बच्चों और बुजुर्गों को ठंड और नमी से बचाने, साफ-सुथरा पानी पीने और खान-पान का ध्यान रखने का परामर्श दिया गया है। डॉक्टरों का कहना है कि तापमान में अचानक आई यह गिरावट शरीर की इम्युनिटी पर असर डालती है, इसलिए सुहावने मौसम का आनंद लेने के साथ-साथ सेहत के प्रति सतर्क रहना भी बेहद जरूरी है।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
शनिवार 18 जुलाई 2026

भगिनी निवेदिता
ईश्वर को समर्पित एक व्यक्तित्व

भारत के नवजागरण, महिला शिक्षा और राष्ट्रसेवा के इतिहास में भगिनी निवेदिता का नाम अत्यंत सम्मान और श्रद्धा के साथ लिया जाता है। उनका वास्तविक नाम मार्गरेट एलिजाबेथ नोबल था। उनका जन्म 28 अक्टूबर 1867 को आयरलैंड में हुआ। वे भारतीय दार्शनिक, शिक्षाविद्, लेखिका, समाजसेविका तथा स्वामी विवेकानंद की अत्यंत प्रिय शिष्या थीं। स्वामी विवेकानंद ने उन्हें निवेदिता नाम प्रदान किया, जिसका अर्थ है ईश्वर को समर्पित। उन्होंने अपने जीवन का प्रत्येक क्षण भारत, भारतीय संस्कृति और मानवता की सेवा के लिए समर्पित कर दिया।

स्वामी विवेकानंद से भेंट और भारत आगमन

सन् 1895 में लंदन में उनकी पहली भेंट स्वामी विवेकानंद से हुई। स्वामी जी के विचारों से प्रभावित होकर वे 1898 में भारत आईं। 25 मार्च 1898 को स्वामी विवेकानंद ने उन्हें विधिवत ब्रह्मचारिणी की दीक्षा देकर भगिनी निवेदिता नाम दिया। उसी वर्ष उन्होंने कोलकाता में निवेदिता बालिका विद्यालय की स्थापना की, जिसका उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा के माध्यम से आत्मनिर्भर और जागरूक बनाना था।

राष्ट्रसेवा और स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान

प्रारंभ में भगिनी निवेदिता का विश्वास था कि भारत और ब्रिटेन सहयोगपूर्वक आगे बढ़ सकते हैं, किंतु ब्रिटिश शासन के दमनकारी और अन्यायपूर्ण स्वरूप को देखकर वे भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की समर्थक बन गईं। उन्होंने 1905 में बनारस में आयोजित भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में भाग लिया तथा बंगाल विभाजन का खुलकर विरोध किया। वे अनेक क्रांतिकारियों को आर्थिक, वैचारिक और नैतिक सहयोग भी प्रदान करती थीं।

मानव सेवा की अद्भुत मिसाल

1899 में कोलकाता में फैली प्लेग महामारी के दौरान भगिनी निवेदिता ने अपने प्राणों की परवाह किए बिना रोगियों की सेवा की। उन्होंने स्वयं सफाई अभियान चलाया, लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया तथा युवाओं को राहत कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उनका जीवन निःस्वार्थ सेवा, करुणा और समर्पण का अनुपम उदाहरण है।

स्वामी विवेकानंद के प्रति उनकी श्रद्धा

भगिनी निवेदिता के हृदय में अपने गुरु स्वामी विवेकानंद के प्रति असीम श्रद्धा और विश्वास था। उन्होंने अनेक लेखों और व्याख्यानों में स्वामी जी के व्यक्तित्व और विचारों का भावपूर्ण वर्णन किया। उनके अनुसार स्वामी विवेकानंद केवल एक धर्मोपदेशक नहीं, बल्कि सत्य, मानवता और आत्मशक्ति के प्रतीक थे। गुरु के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए उन्होंने प्रार्थना की कि हे ईश्वर! मुझे मरने से पहले उनके नाम पर सत्य और साहस से भरे शब्द बोलने की शक्ति देना, ताकि मैं उनके विश्वास पर सदैव खरी उतर सकूँ।

महिला शिक्षा के प्रति समर्पण

भगिनी निवेदिता का दृढ़ विश्वास था कि किसी भी राष्ट्र का वास्तविक विकास महिलाओं की शिक्षा और सशक्तिकरण के बिना संभव नहीं है। वे महिलाओं से आत्मविश्वास, जागरूकता और राष्ट्रनिर्माण में सक्रिय भागीदारी का आह्वान करती थीं। उनका संदेश था कि प्रत्येक व्यक्ति, चाहे वह स्त्री हो या पुरुष, शिक्षित हो या अशिक्षित, आत्मा से स्वतंत्र, पवित्र और समान है।

ज्योति डोलानि
शिक्षक
हितकारिणी कन्या उमा विद्यालय, बीटी गढ़ा, जबलपुर

कामकाजी महिलाएँ और उनकी चुनौतियाँ

आज का युग महिला सशक्तिकरण और समान अवसरों का युग है। आधुनिक समाज में महिलाएँ शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान, तकनीक, व्यापार, राजनीति, खेल और रक्षा जैसे अनेक क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। वे न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाती हैं, बल्कि राष्ट्र के सामाजिक और आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। उनकी मेहनत, आत्मविश्वास और समर्पण समाज को नई दिशा प्रदान करते हैं।

बदलती भूमिका और बढ़ती भागीदारी

पहले महिलाओं की भूमिका मुख्यतः घर तक सीमित मानी जाती थी, लेकिन शिक्षा, जागरूकता और समान अवसरों के कारण आज उन्होंने हर क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। वे डॉक्टर, शिक्षक, इंजीनियर, वैज्ञानिक, पुलिस अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी, सैनिक और उद्यमी के रूप में सफलता प्राप्त कर रही हैं। अपनी योग्यता और परिश्रम से उन्होंने सिद्ध कर दिया है कि वे किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने में सक्षम हैं।

घर और कार्यस्थल के बीच संतुलन

कामकाजी महिलाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती घर और कार्यस्थल की जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाए रखना है। उन्हें कार्यालय के कार्यों के साथ-साथ परिवार, बच्चों और घर की जिम्मेदारियाँ भी निभानी पड़ती हैं। इस दोहरी जिम्मेदारी के कारण कई बार उन पर शारीरिक और मानसिक दबाव बढ़ जाता है।

लैंगिक भेदभाव की चुनौती

आज भी अनेक स्थानों पर महिलाओं को समान योग्यता और अनुभव होने के बावजूद पुरुषों की तुलना में कम वेतन, कम अवसर या कम महत्व दिया जाता है। यह लैंगिक भेदभाव उनके आत्मविश्वास, कार्य संतुष्टि और करियर विकास को प्रभावित करता है। समान अवसर और समान सम्मान प्रत्येक महिला का अधिकार है।

सुरक्षा और सम्मान का महत्व

कार्यस्थल तथा यात्रा के दौरान महिलाओं की सुरक्षा एक महत्वपूर्ण विषय है। असुरक्षा, उत्पीड़न या भेदभाव जैसी समस्याएँ उनके आत्मविश्वास और कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए प्रत्येक कार्यस्थल पर सुरक्षित, सम्मानजनक और सहयोगपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराना आवश्यक है।

कामकाजी माताओं की जिम्मेदारियाँ

कामकाजी माताओं को अपने बच्चों की देखभाल और परिवार की जिम्मेदारियों के साथ-साथ अपने करियर को भी संतुलित करना पड़ता है। कई बार पर्याप्त सहायता और सुविधाओं के अभाव में उन्हें अपने करियर में समझौता करना पड़ता है। यदि परिवार, समाज और संस्थाओं का सहयोग मिले, तो वे अपने कार्य और परिवार दोनों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर सकती हैं।

माही पांडेय, शिक्षक
आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन अकादमी, गोविंदगंज, दमोहनाका

क्या खाली पेट चाय पीना सही है?

सुबह उठते ही चाय पीना बहुत से लोगों की आदत होती है। कई लोगों का मानना है कि चाय से दिन की शुरुआत अच्छी होती है, लेकिन क्या खाली पेट चाय पीना वास्तव में सही है? इसका उत्तर है नहीं, यह आदत हर किसी के लिए अच्छी नहीं होती।

खाली पेट चाय पीने से कुछ लोगों को एसिडिटी, गैस, पेट में जलन या मिचली जैसी समस्याएँ हो सकती हैं। चाय में मौजूद कैफीन पेट में अम्ल (एसिड) बनने की मात्रा बढ़ा सकता है। इससे पाचन तंत्र पर असर पड़ता है और लंबे समय तक यह आदत परेशानी का कारण बन सकती है। कुछ लोगों को खाली पेट चाय पीने से घबराहट या बेचैनी भी महसूस होती है।

यदि आपको सुबह चाय पीना पसंद है, तो पहले हल्का नाश्ता, जैसे बिस्कुट, फल, भीगे हुए बादाम या थोड़ा पोहा खा लें। इसके बाद चाय पीना अधिक बेहतर माना जाता है। साथ ही, दिनभर बहुत अधिक चाय पीने से भी बचना चाहिए।

खाली पेट चाय पीने की बजाय पहले कुछ हल्का खाकर चाय पीना स्वास्थ्य के लिए अधिक लाभदायक हो सकता है। छोटी-सी यह आदत पेट को स्वस्थ रखने और पाचन को बेहतर बनाने में मदद करती है। स्वस्थ जीवन के लिए संतुलित आहार और सही खान-पान की आदतें अपनाना सबसे अच्छा उपाय है।

खादी और हैंडलूम, भारतीय फैशन की शान

भारत की पहचान उसकी समृद्ध संस्कृति, कला और परंपराओं से है। इन्हीं में खादी और हैंडलूम का विशेष स्थान है। कभी स्वतंत्रता आंदोलन का प्रतीक रही खादी आज आधुनिक फैशन की दुनिया में भी अपनी अलग पहचान बना चुकी है। वहीं, हैंडलूम वस्त्र अपनी उत्कृष्ट बुनाई, आकर्षक डिज़ाइन और सांस्कृतिक विरासत के कारण देश-विदेश में लोकप्रिय हैं। आज के समय में जब लोग पर्यावरण-अनुकूल और टिकाऊ फैशन को अपनाने लगे हैं, तब खादी और हैंडलूम की मांग लगातार बढ़ रही है।

खादी क्या है?

खादी एक ऐसा कपड़ा है जिसे हाथ से काते गए सूत और हाथ से बुने गए करघे पर तैयार किया जाता है। महात्मा गांधी ने इसे आत्मनिर्भरता और स्वदेशी आंदोलन का प्रतीक बनाया। खादी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह गर्मियों में ठंडक और सर्दियों में गर्माहट प्रदान करती है। इसकी प्राकृतिक बनावट इसे आरामदायक और त्वचा के लिए अनुकूल बनाती है।

हैंडलूम क्या है?

हैंडलूम उन वस्त्रों को कहा जाता है जो बिजली की मशीनों के बजाय हाथ से चलने वाले करघों पर बुने जाते हैं। भारत के विभिन्न राज्यों में अलग-अलग प्रकार के हैंडलूम वस्त्र बनाए जाते हैं, जैसे बनारसी सिल्क, चंदेरी, महेश्वरी, कांजीवरम, पटोला और पोचमपल्ली। प्रत्येक बुनाई अपनी अनूठी शैली, डिज़ाइन और सांस्कृतिक पहचान के लिए प्रसिद्ध है।

खादी और हैंडलूम की विशेषताएँ

- पूरी तरह प्राकृतिक और पर्यावरण-अनुकूल।
- पहनने में आरामदायक और टिकाऊ।
- स्थानीय बुनकरों और कारीगरों को रोजगार प्रदान करते हैं।
- भारतीय संस्कृति और हस्तकला की पहचान हैं।
- हर मौसम में उपयोग के लिए उपयुक्त।
- प्रत्येक वस्त्र अपने आप में अनोखा होता है।

आधुनिक फैशन में बढ़ती लोकप्रियता

आज खादी और हैंडलूम केवल पारंपरिक परिधानों तक सीमित नहीं हैं। इनसे जैकेट, कुर्ते, शर्ट, साड़ियाँ, गाउन, ट्राउज़र, ब्लेज़र और इंडो-वेस्टर्न परिधान भी तैयार किए जा रहे हैं। फैशन डिजाइनर इन्हें आधुनिक डिज़ाइन के साथ प्रस्तुत कर रहे हैं, जिससे युवाओं में भी इनकी लोकप्रियता बढ़ रही है।

युवाओं के लिए फैशन टिप्स

- खादी का कुर्ता जींस के साथ पहनकर आकर्षक इंडो-वेस्टर्न लुक पाया जा सकता है।
- हैंडलूम की साड़ी या दुपट्टा पारंपरिक और आधुनिक दोनों अवसरों पर उपयुक्त रहता है।
- खादी के ब्लेज़र और जैकेट प्रोफेशनल लुक के लिए बेहतरीन विकल्प हैं।
- प्राकृतिक रंगों वाले वस्त्र लंबे समय तक फैशनेबल और आकर्षक दिखाई देते हैं।

शंख, केवल पूजा में ही नहीं, स्वास्थ्य दृष्टि से भी लाभदायक

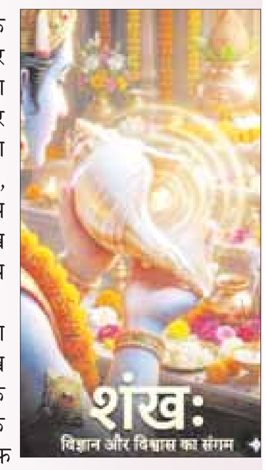

भारतीय संस्कृति में शंख का विशेष धार्मिक महत्व है। पूजा, आरती, यज्ञ और शुभ अवसरों पर शंख बजाना परंपरा का हिस्सा रहा है। परंतु शंख का महत्व केवल धार्मिक नहीं है, बल्कि यह स्वास्थ्य और जीवविज्ञान की दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी माना जाता है। शंख बजाना एक प्रकार का शारीरिक व्यायाम है, जो श्वसन तंत्र, हृदय, मस्तिष्क और मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। इस प्रकार शंख केवल आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि शरीर को स्वस्थ रखने का प्राकृतिक साधन भी है।

जीवविज्ञान के अनुसार हमारे शरीर का प्रत्येक अंग एक-दूसरे से जुड़ा होता है। जब कोई व्यक्ति शंख बजाता है, तो उसे गहरी साँस लेकर लंबे समय तक वायु बाहर छोड़नी पड़ती है। यह प्रक्रिया फेफड़ों के व्यायाम की तरह काम करती है। शंख बजाने से फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है, श्वसन नलिकाएँ सक्रिय होती हैं और शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह बेहतर होता है। जिन लोगों को हल्की साँस की समस्या, एलर्जी या फेफड़ों की कमजोरी होती है, उनके लिए शंख बजाना लाभकारी माना जाता है। यह प्राणायाम की तरह श्वसन क्रिया को सुदृढ़ करता है।

शंख बजाने में छाती, गला, फेफड़े, होंठ और पेट की मांसपेशियाँ एक साथ सक्रिय होती हैं। इससे इन अंगों का अच्छा व्यायाम हो जाता है। विशेष रूप से डायफ्राम मजबूत होता है, जो श्वसन क्रिया का मुख्य भाग है। जब डायफ्राम सही प्रकार से कार्य करता है, तो शरीर में ऑक्सीजन और कार्बन डाइऑक्साइड का संतुलन अच्छा बना रहता है। इससे शरीर में ऊर्जा का स्तर बढ़ता है और थकान कम होती है।

शंख का प्रभाव हृदय स्वास्थ्य पर भी देखा जाता है। जब व्यक्ति गहरी साँस लेकर शंख बजाता है, तो हृदय की धड़कनें नियंत्रित होती हैं और रक्त संचार में सुधार होता है। शरीर में पर्याप्त ऑक्सीजन पहुँचने से हृदय को कार्य करने में सहायता मिलती है। यह प्रक्रिया तनाव कम करने में भी मदद करती है, जिससे रक्तचाप नियंत्रित रहने में सहायक हो सकता है। इसलिए शंख बजाना अप्रत्यक्ष रूप से हृदय को स्वस्थ रखने में भी उपयोगी माना जाता है।

जीवविज्ञान के अनुसार शंख की ध्वनि का प्रभाव मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र पर भी पड़ता है। शंख की गूंजती हुई ध्वनि वातावरण में कंपन उत्पन्न करती है। यह कंपन कानों के माध्यम से मस्तिष्क तक पहुँचता है और मानसिक शांति प्रदान करता है। शंख की ध्वनि सुनने से मन एकाग्र होता है, चिंता और तनाव कम होते हैं तथा सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव होता है। आधुनिक विज्ञान भी मानता है कि मधुर और नियमित ध्वनियाँ मस्तिष्क की तरंगों को संतुलित करती हैं, जिससे मन शांत और प्रसन्न रहता है। शंख बजाने से चेहरे और मुख की मांसपेशियों का भी व्यायाम होता है। होंठों, गालों और गले की मांसपेशियाँ सक्रिय होती हैं, जिससे उनका नियंत्रण बेहतर होता है। कुछ विशेषज्ञ इसे वाणी सुधारने और स्वर को मजबूत करने में भी सहायक मानते हैं। इसके अलावा नियमित अभ्यास से फेफड़ों और गले की कार्यक्षमता बढ़ती है। अंत में कहा जा सकता है कि शंख केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि शरीर और मन को स्वस्थ रखने का एक प्रभावी प्राकृतिक साधन भी है। जीवविज्ञान की दृष्टि से यह श्वसन तंत्र, हृदय, मस्तिष्क, मांसपेशियों और मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। इसलिए शंख का उपयोग पूजा तक सीमित न मानकर, इसे स्वास्थ्यवर्धक अभ्यास के रूप में भी समझना चाहिए। भारतीय परंपराओं में छिपे ऐसे वैज्ञानिक और जैविक पक्ष हमें यह सिखाते हैं कि हमारे प्राचीन रीति-रिवाज केवल आस्था नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और जीवनशैली से भी गहराई से जुड़े हुए हैं।

दीपशिखा तिवारी
शिक्षक
हितकारिणी उमा विद्यालय देवताल गढ़ा, जबलपुर।

ट्रेडिशनल आउटफिट के साथ खूब जचेंगी जोधा रिंग

ज्यादातर भारतीय महिलाएं किसी भी खास फंक्शन या त्योहार के दौरान अपने लुक को परफेक्ट बनाने के लिए हर कोशिश करते हैं। महिलाएं आउटफिट के साथ-साथ कई अलग-अलग एक्सेसरीज भी शामिल करती हैं। ऐसे में अगर आप भी हाथों की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए रिंग पहनना पसंद करती हैं। तो आप सिंपल रिंग कैरी करने के बजाय कुछ लेटेस्ट डिजाइन वाली हैवी जोधा रिंग ट्राई कर सकती हैं।

कुंदन वर्क फ्लोरल जोधा रिंग- अगर आप भी किसी फंक्शन पर अपने हाथों की खूबसूरती को दोगुना करना चाहती हैं। साथ ही लेटेस्ट और नए डिजाइन की अंगूठी की तलाश में हैं। तो आपको कुंदन वर्क फ्लोरल जोधा रिंग कैरी करना चाहिए। इन दिनों यह जोधा रिंग डिजाइंस काफी ट्रेंड में हैं।

सन शेप फ्लोरल जोधा रिंग- सन शेप फ्लोरल जोधा रिंग भी आपके लिए परफेक्ट हो सकती है। इन दिनों यह काफी चलन में हैं। इस रिंग को आप साड़ी या ट्रेडिशनल आउटफिट के साथ शामिल कर सकती हैं। आपको किसी भी नजदीकी मार्केट या ज्वेलरी शॉप पर यह रिंग आसानी से मिल सकते हैं।

जोधा स्टाइल फ्लोरल फिंगर रिंग- अगर आपको भी रिंग पहनने का शौक है। तो आप इस तरह की लेटेस्ट और नए डिजाइन वाली जोधा स्टाइल फ्लोरल फिंगर रिंग को कैरी कर सकती हैं। इन दिनों यह रिंग काफी चलन में हैं। यह आपके लुक को बेहतर और अट्रैक्टिव बनाने में मदद करेगी।

सर्कुलर फ्लोरल डिजाइन जोधा रिंग- सर्कुलर फ्लोरल डिजाइन जोधा रिंग भी आपके लिए परफेक्ट हो सकती है। आप इसको किसी भी मार्केट में ज्वेलरी शॉप से खरीद सकती हैं। या फिर ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट पर भी ऐसी रिंग मिल जाएगी। आप किसी भी आउटफिट के साथ इसको कैरी कर सकती हैं।

फ्लोरल लीफ डिजाइन जोधा रिंग- अगर आप किसी खास मौके पर ट्रेडिशनल आउटफिट कैरी कर सकती हैं। तो इस आउटफिट के साथ लेटेस्ट फ्लोरल लीफ डिजाइन जोधा रिंग पहन सकती हैं। इन दिनों ऐसी रिंग काफी ट्रेंड में हैं, जोकि हाथों की खूबसूरती को बढ़ा देगी।

शब्द पहेली - 8925

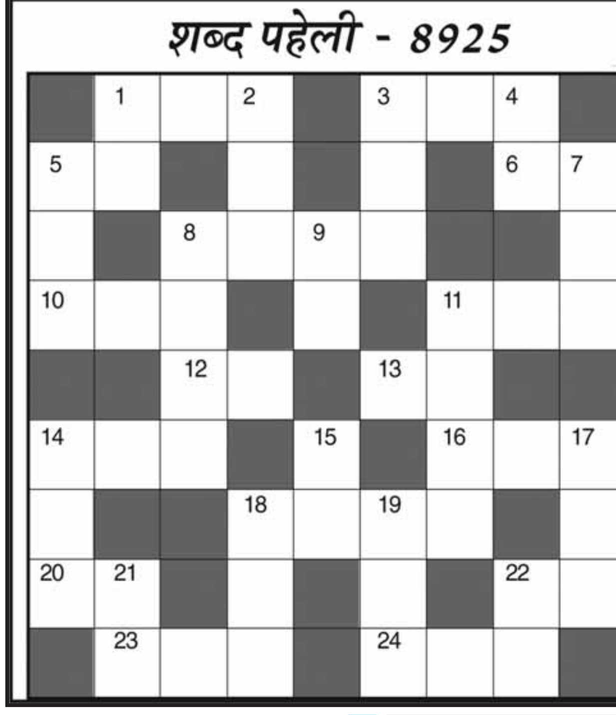

बाएँ से दाएँ

1. कवि की रचना, गजल-3
3. अनुमान, अंदाज-3
5. सद्पुरुष-2
6. अयोग्य, असंगत -2
8. स्वार्थ, लोभ-4
10. सहयोग, सहकार-3
11. उन्माद, सनक-3
12. भगवान का अराधक-2
13. ठंडक, शीतलता-2
14. दूल्हे के सिर पर बांधी जाने वाली पगड़ी-3
16. चांदी-3
18. गंवारपन, अशिष्टता-4
20. पैंदा, तला-2
22. वर्तमान दिन-2
23. बहने का भाव-3
24. गमन, विदा होना-3

ऊपर से नीचे

1. हुनर, फन, आर्ट-2
2. बल, दम, जोर-3
3. समीप, नजदीक-3
4. गलत का विलोम-2
5. भ्रम, संदेह-3
7. उपनदी, कैनाल-3
8. नशे से भरपूर-4
9. लाख, सौ हजार-2
11. स्वभाव, आदत-4
14. स्वास्थ्य-3
15. इस जगह-2
17. तहजीब, शिष्टता-3
18. इकट्ठा होना-3
19. रेखा, लाइन-3
21. होठ, अधर-2
22. आगमन-2

शब्द पहेली - 8924 का हल

स	ह	ल	ज			कु	ली	न
रि			र	सा	त	ल		फा
ता	ना			ग	म			स
	जा	म		र			स	त
	य	म	ज		आ	रा	म	
ह	ज			ह		न	त	
ज			क	र			ल	ब
र		स	ला	म	त			द
त	बा	ही			य	की	न	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

स्वतंत्र मत
जबलपुर
शनिवार 18 जुलाई 2026

24 घंटे बाद डैम में डूबे युवक की मिली लाश..!

गोताखोरों की मदद से शिवम सोनी का शव हुआ बरामद

उमरिया (स्वतंत्रमत)

उमरार जलाशय में 16 जुलाई को शिवम सोनी पिता पवन सोनी उम्र लगभग 19 वर्ष निवासी खलेसर जिला उमरिया अपने मित्रों के साथ उमरार जलाशय में नहाने हेतु गया हुआ था, किंतु गहरे पानी में जाने के कारण अपरान्ह 01.30 बजे डूब गया है। घटना की सूचना व गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए सूचना प्राप्त होते ही एसडीएम बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह द्वारा राहुल साहू जिला कमान्डेन्ट जिला उमरिया व जिला होमगार्ड उमरिया की टीम द्वारा स्थानीय गोताखोरों के सहयोग से तत्काल खोज एवं बचाव अभियान प्रारंभ किया गया। 16 जुलाई को को अत्यधिक वर्षा एवं रात्रि हो जाने के कारण बचाव कार्य को अस्थायी रूप से स्थगित करना पड़ा। 17 जुलाई को प्रातः पुनः खोज अभियान प्रारंभ किया गया। बचाव कार्य हेतु शहडोल, जबलपुर एवं सीधी से अतिरिक्त खोज दल एवं गोताखोरों को भी बुलाया गया। यह भी उल्लेखनीय है कि उमरार जलाशय उमरिया शहर से लगभग 6 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है तथा लगभग 20 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में विस्तारित है। जलाशय की गहराई अधिक होने तथा तल में सतह समतल न होने और पत्थर एवं गाद जमा होने के कारण राहत एवं बचाव कार्य में व्यवहारिक कठिनाईयां उत्पन्न हुई। हालांकि स्थानीय प्रशासन घटना की जानकारी के समय से ही पूर्ण मुस्तैदी से राहत एवं बचाव कार्य में लगा रहा तथा घटना स्थल पर विधायक बांधवगढ शिवनारायण सिंह, कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह एवं अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता समस्त टीम के साथ सुबह से ही उपस्थित रहे। उपलब्ध संसाधनों एवं प्रशिक्षित दलों के निरंतर खोज अभियान एवं गोताखोरों के प्रयास से शुक्रवार 17 जुलाई को दोपहर शिवम सोनी निवासी खलेसर का शव उमरार जलाशय से बरामद किया जाकर शव को जिला चिकित्सालय उमरिया को शव परीक्षण हेतु भेजा गया है। शव परीक्षण उपरांत मृत्यु प्रमाण प्राप्त कर आरबीसी 6 (4) अंतर्गत नियमानुसार राहत राशि प्रदाय की कार्यवाही की जावेगी।

निर्माण कार्यों के शिलान्यास, लोकार्पण की जानकारी उपलब्ध कराने के दिए गए निर्देश

उमरिया (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के संज्ञान में यह बात आई है कि निर्माण विभागों द्वारा किसी भी कार्य की स्वीकृति के बाद उनका शिलान्यास, लोकार्पण की जानकारी कार्यालय को प्रस्तुत नहीं की जाती है तथा मनमाने तौर पर कभी भी शिलान्यास, लोकार्पण की तिथि निर्धारित की जाकर सभी निर्वाचित जन प्रतिनिधियों को न बुलाते हुए बिना प्रोटोकॉल का पालन किए, आमंत्रण पत्र में भी प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया जाता है और बिना कलेक्टर से अनुमोदन के जारी किया जाता है। उन्होंने कहा कि सर्वसंबंधित जनप्रतिनिधियों को बिना सम्मान पूर्वक आमंत्रित किये ही शिलान्यास, लोकार्पण कार्यक्रम सम्पन्न किया जाता है जो उचित नही है। उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया है कि समस्त निर्माण कार्य जिनकी स्वीकृति के उपरांत कार्य प्रारंभ होने तथा कार्य पूर्ण होने की जानकारी इस कार्यालय को उपलब्ध करायी जावे ताकि उन कार्यों के शिलान्यास, लोकार्पण हेतु तिथि निर्धारण की कार्यवाही की जा सके तथा जनप्रतिनिधियों से लोकार्पण व शिलान्यास कराया जा सके।

पाली में धूम-धाम से निकली जगन्नाथ जी की रथ यात्रा, विधायक मीना सिंह ने अपने हाथों से खींचा रथ....एसडीएम ने लगाई झाड़ू

उमरिया (स्वतंत्रमत)

हर साल की तरह इस साल भी जिले के बिरसिंहपुर पाली में गुरुवार 16 जुलाई को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा बड़े ही धूमधाम से निकाली गई। यह यात्रा शाम 5 बजे मां बिरासिनी मंदिर परिसर से पूरे विधि-विधान के साथ शुरू हुई। भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलभद्र की मूर्तियों को एक सुंदर रथ पर सजाकर नगर भ्रमण कराया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में भक्त श्जय जगन्नाथश् के जयकारे लगाते हुए साथ चल रहे थे। यह रथयात्रा मां बिरासिनी मंदिर से शुरू होकर प्रकाश चौक, मुख्य बाजार, बस स्टैंड तिराहा, मुख्य सड़क और थाना रोड से होते हुए समाजसेवी प्रकाश पालीवाल के घर पहुंची। रास्ते में जगह-जगह सामाजिक संगठनों, व्यापारियों और लोगों ने फूल बरसाकर भगवान का स्वागत किया। भक्तों के लिए कई जगहों पर ठंडे पानी और प्रसाद की व्यवस्था भी की गई थी। पूरी यात्रा के दौरान भजन-कीर्तन, शंख की आवाज और ढोल-नगाड़ों से पूरा शहर भक्ति के रंग में डूब गया। महिलाएं मंगल गीत गाते हुए चल रही थीं, तो युवा हाथों में धर्म ध्वजा थामे बेहद उत्साहित नजर आए। जगन्नाथ जी के रथ यात्रा पर स्थानीय विधायक सुश्री मीना सिंह शामिल हुई और उन्होंने सभी के साथ रथ के रस्से खींचे और भगवान के दर्शन कर सुख-समृद्धि की दुआ मांगी। रथयात्रा खत्म होने के बाद भगवान जगन्नाथ, सुभद्रा और बलभद्र की मूर्तियों को प्रकाश पालीवाल के घर पर ही विराजित किया गया। यहां अगले तीन दिनों तक विशेष पूजा-पाठ, भजन-कीर्तन और भंडारे का आयोजन होगा, जिसमें आसपास के इलाकों से भी भारी संख्या में भक्तों के जुटने की उम्मीद है। पाली में यह रथयात्रा सालों से आपसी भाईचारे और आस्था का प्रतीक रही है। पाली एसडीएम मीनाक्षी इंगले भगवान जगन्नाथ के रथ के आगे झाड़ू लगाती नजर आई। हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने रथ यात्रा के दर्शन कर पुण्य लाभ लिया।

बॉलीबाल खिलाड़ियों के बीच कांग्रेस ब्लॉक कमेटी अध्यक्ष ने मनाया जन्मदिन

उमरिया (स्वतंत्रमत)

कांग्रेस ब्लॉक कमेटी के अध्यक्ष मिथलेश राय ने अपने जन्मदिन के अवसर पर स्थानीय बॉलीबाल खिलाड़ियों के बीच पहुंचकर सादगीपूर्ण तरीके से जन्मदिन मनाया। इस दौरान खिलाड़ियों के साथ केक काटा गया और सभी ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। गुरुवार 16 जुलाई को स्थानीय कालरी स्कूल के ग्राउंड में मिथलेश राय ने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया और खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि युवाओं को खेल गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए हर संभव सहयोग का भरोसा भी दिलाया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष इंजी. विजय कोल, संतोष सिंह सहित उपस्थित खिलाड़ियों एवं स्थानीय लोगों ने अध्यक्ष को पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का माहौल सौहार्दपूर्ण और उत्साहपूर्ण रहा। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आदरणीय इंजीनियर विजय कोल जी, वॉलीबॉल संघ के सचिव संतोष सिंह, नगर कांग्रेस अध्यक्ष राहुल सिंह, देवेन्द्र राय तथा बड़ी संख्या में बच्चे एवं साथीगण उपस्थित रहे।

मुर्गी पालन प्रशिक्षण की परीक्षा संपन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)। मध्य प्रदेश शासन ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से महिलाओं को आत्मनिर्भर स्वावलंबी एवं स्वरोजगार स्थापित करने के लिए जिले के जनपद पंचायत करकेली के अंतर्गत ग्राम पंचायत मझौली खुर्दके ग्राम गांजर में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वालीस्व सहायता समूह की महिलाओं एवं पुरुषों को मुर्गी पालन का 12 दिवसीय प्रशिक्षण स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के प्रबंधक डॉ. तरुण कुमार सिंह के मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण समन्वयक राज बहादुर जायसवाल के सहयोग से प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के पश्चात ओमप्रकाश चतुर्वेदी परीक्षा नियंत्रक एवं प्रमाणीकरण रुडसेटी ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार मुख्यालय भोपाल के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में मुर्गी पालन की परीक्षा परीक्षक रामसुख दुबे कटनी एवं बैंक से संबंधित परीक्षा परीक्षक पवन कुमार पांडे शहडोल द्वारा परीक्षा ली गई। स्वरोजगार स्थापित करने के लिए मुर्गी पालन से लाभ मुर्गियों की नस्ल आवास एवं मुर्गियों तथा चूज़ों के रख रखाव तथा मुर्गियों में होने वाले जीवाणु जनित विषाणु जनित रोग एवं उनसे बचाव के लिए टीकाकरण परजीवी रोग एवं उनकी रोकथाम एवं शासन द्वारा मुर्गी पालन से संबंधित योजनाओं की जानकारी का लिखित एवं मौखिक मूल्यांकन परीक्षक रामसुख दुबे कटनी द्वारा किया गया तथा बैंकिंग से संबंधित मूल्यांकन पवन कुमार पांडे शहडोल द्वारा किया गया।

युवा संगम रोजगार मेला संपन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिला रोजगार अधिकारी अमन दुबे ने बताया कि आईटीआई उमरिया में एक दिवसीय युवा संगम रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले में गोल्ड एग्रीकल्चर कंपनी में 15 युवाओं को, डायमंड आग्रेनिक डिमांड प्रायवेट लिमिटेड कंपनी में 17 युवाओ को, राव्या वर्क फोर्स प्रायवेट लिमिटेड कंपनी में 25 युवाओ को तथा वर्धमान मंडीदीप भोपाल कंपनी में 19 युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया गया।

सिंचाई प्लांट अग्निकांडः 12 आरोपी पहुंचे जेल

आरोपितों के परिजनों ने पुलिस की कार्यवाही पर उठाये सवाल, आंदोलन की दी चेतावनी

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

जिले के लामता थाना क्षेत्र में राघोटोल स्थित त्रिराज वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड के माइक्रो लिफ्ट सिंचाई प्लांट में हुई करोड़ों रुपये की आगजनी और रंगदारी कांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली हैं। घटना के 15 दिन बाद लगातार फरार चल रहे 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। इससे पहले इस मामले में कथित मुख्य आरोपी भाजपा नेता व जनपद सभापति भुवनेश्वर रजक, सरपंच राजेश सिरसाम और राकेश दमाहे भी अभिरक्षा में जेल में है। अब इस बहुचर्चित प्रकरण में कुल 12 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि अन्य फरार आरोपियों की भी तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, 1 जुलाई 2026 को ग्राम राघोटोल स्थित त्रिराज वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड (पीएच-2) माइक्रो लिफ्ट सिंचाई परियोजना में कुछ लोग जबरन घुस गए। आरोप है कि उन्होंने प्रोजेक्ट मैनेजर से 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगी। रकम देने से इनकार करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और देखते ही देखते पूरे प्लांट में आग लगा दी। इतना ही नहीं, सुरक्षा गार्ड अतुल बघेले पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी गई, जिससे उसके हाथ गंभीर रूप से झुलस गए। इस सुनियोजित आगजनी में प्लांट में रखी महंगी मशीनरी, माइक्रो लिफ्ट परियोजना में उपयोग होने वाले पाइप, विद्युत पैनल, तीन कंटेनरों में रखा ओएमएस और स्काडा सिस्टम सहित बड़ी मात्रा में तकनीकी सामग्री जलकर नष्ट हो गई। कंपनी के अनुसार इस घटना से लगभग 4 से 5 करोड़ रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है।

ये पहुंचे जेल- पुलिस ने घटना के अगले ही दिन मुख्य आरोपी भुवनेश्वर रजक, सरपंच राजेश सिरसाम और राकेश दमाहे को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद लगातार फरार चल रहे अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही थी। 16 जुलाई को पुलिस ने नौ और आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। गिरफ्तार आरोपियों में कृपाल वरकड़े, मोतीराम पांद्रे, दिनेश पांद्रे, गणेश सिरसाम, संजय सिरसाम, देवेंद्र पांद्रे उर्फ गोलू, ताराचंद कुमरे, मुकेश मरसकोले तथा आकाश उईके शामिल हैं। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

अग्निकांड से किसान होगें प्रभावित- महत्वपूर्ण बात यह है कि करीब 175 करोड़ रुपये कीइस माइक्रो लिफ्ट सिंचाई परियोजना से क्षेत्र के 55 गांवों के लगभग 12 हजार किसानों को सालभर सिंचाई सुविधा मिलने की उम्मीद थी। लेकिन आगजनी की घटना से परियोजना का कार्य प्रभावित हुआ है, जिससे किसानों को समय पर सिंचाई सुविधा मिलने पर भी असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय किसानों का कहना है कि यदि परियोजना समय पर पूरी नहीं हुई तो खेती और उत्पादन दोनों प्रभावित होंगे। हालांकि पूरे मामले की विस्तृत जांच अभी जारी है और पुलिस अन्य पहलुओं की भी पड़ताल कर रही है।

परिजनों ने पुलिस कार्यवाही पर उठाए सवाल- इधर, इस मामले में पुलिस की कार्यवाही से उन परिजनो में आक्रोश बढ गया है, जिनके घर के सदस्यों को पुलिस ने आरोपी बनाकर गिरफ्तार किया है। यहां परिजनो का कहना है कि पुलिस इस मामले में निष्पक्ष जांच व कार्यवाही नही कर रही है। जिस पर संदेह हो रहा है, पुलिस उसे गिरफ्तार कर आरोपी बना रही है। जहां किसी को घर से उठाया जा रहा है तो किसी को खेतो सें। लामता पुलिस पर परिजनो ने कई गंभीर आरोप लगायें है। फिलहाल परिजनो ने मांग की है कि इस मामले में निष्पक्ष जाच कार्यवाही की जायें। वास्तव में उक्त प्रकरण में जो आरोपी है, उन्हे पकडा जाये, निर्दोष लोगो पर कार्यवाही अन्याय होगा। यदि पुलिस निष्पक्ष जांच कार्यवाही नही करती तो बढा आंदोलन करने की चेतावनी दी है।

वन स्टॉप सेंटर की पहल से दो परिवारों में लौटी खुशियां, परामर्श से सुलझे पारिवारिक विवाद

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी देवेन्द्र कुमार सुंदरियाल के मार्गदर्शन में संचालित वन स्टॉप सेंटर, बालाघाट एवं बैहर ने प्रभावी काउंसलिंग और सतत फॉलो-अप के माध्यम से दो परिवारों के लंबे समय से चले आ रहे पारिवारिक विवादों का सफल समाधान कराया। केंद्र द्वारा महिलाओं को कानूनी, मनोसामाजिक एवं परामर्श सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ संवाद के जरिए टूटते रिश्तों को जोड़ने का भी लगातार प्रयास किया जा रहा है। वन स्टॉप सेंटर प्रशासक सुश्री रचना चौधरी ने बताया कि पहले प्रकरण में 35 वर्ष पुराने वैवाहिक संबंध में उत्पन्न विवाद को वन स्टॉप सेंटर की परामर्शदाता द्वारा लगातार काउंसलिंग के माध्यम से सुलझाया गया। परामर्श के दौरान पति ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए परिवार के साथ पुन~ रहने का निर्णय लिया, जबकि पत्नी ने भी रिश्ते को एक और अवसर देने की सहमति जताई। वहीं दूसरे प्रकरण में दहेज प्रताड़ना एवं घरेलू हिंसा से संबंधित शिकायत पर दोनों पक्षों की अलग-अलग एवं संयुक्त काउंसलिंग की गई। दहेज प्रतिषेध अधिनियम की जानकारी देने और लगातार समझाइश के बाद ससुराल पक्ष ने अपने व्यवहार में सुधार का आश्वासन देते हुए पीड़िता से क्षमा मांगी और आपसी सम्मान के साथ जीवन शुरू करने का संकल्प लिया। वन स्टॉप सेंटर की इस पहल से दोनों परिवारों में पुन~ विश्वास और सौहार्द का वातावरण बना। विभाग का कहना है कि केंद्र का उद्देश्य केवल संकटग्रस्त महिलाओं को सहायता उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि जहां संभव हो, संवाद, विश्वास और सकारात्मक परामर्श के माध्यम से परिवारों को पुन~ जोड़कर समाज में स्वस्थ एवं सकारात्मक वातावरण का निर्माण करना भी है।

बुजुर्ग-निराश्रितों को पेंशन नहीं मिलने से चार महीने से खाते खाली, दवा-रोटी दोनों पर संकट

कटंगी(स्वतंत्र मत)

सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का आधार माने जाने वाली वृद्धावस्था पेंशन और निराश्रित पेंशन अप्रैल 2026 से ही ठप पड़ी है। बालाघाट जिले में हजारों पेंशनधारी इस आस में हर महीने बैंक और कियोस्क के चक्कर काट रहे हैं कि शायद इस बार 600 रुपये आ जाएं। लेकिन अप्रैल, मई, जून के बाद जुलाई का पखवाड़ा भी बीत गया। खाते में अब तक एक रुपया नहीं आया। नतीजा साफ है। जिन बुजुर्गों और निराश्रित महिलाओं के लिए यह 600 रुपये की राशि ही रोटी, दवा और इज्जत का सहारा थे, उनके घरों में चूल्हा आधा जल रहा है। कर्ज बढ़ रहा है। बीमारियां बढ़ रही हैं। और सरकार के वादों पर से भरोसा टूट रहा है। जिले की कटंगी, वारासिवनी, बैहर, लांजी, परसवाड़ा सहित सभी तहसीलों से पेंशनर्स की एक ही शिकायत आ रही है कि उन्हें अब तक पेंशन नहीं मिली है। 60 साल की उम्र पार कर चुके लोगों के लिए अब मजदूरी करना संभव नहीं। अगर गांव में काम मिले भी तो 200-250 रुपये रोज और वह भी रोज नहीं। ऐसे में महीने की पहली से दस तारीख के बीच आने वाली पेंशन ही उनके जीवन की धुरी थी।

कटंगी की के भरत लाल दर्द शब्दों में नहीं समा रहा। वह कहते हैं पहले 10 तारीख 600 रुपये आ जाते थे। उसी से महीने भर की दाल, नमक, तेल और दवाई आ जाती थी। इस बार अप्रैल, मई, जून तीनों महीने निकल गए। जुलाई की 15 तारीख भी निकल गई। खाते में एक रुपया नहीं आया। भरत लाल, सुखराम, खुशालचंद बावने जैसी हजारों कहानियां जिले में हैं। जिन महिलाओं का कोई नहीं है यानी जो निराश्रित वर्ग की महिलाएं है उनके लिए स्थिति और ज्यादा गंभीर है। पति के न रहने पर इन महिलाओं के पास आय का कोई दूसरा जरिया नहीं बचता। 600 रुपये से ही वे गैस, किराना, बच्चों की फीस और दवा का इंतजाम करती थीं। उनके सामने दोहरी मार है। एक तरफ घर चलाने की चिंता, दूसरी तरफ समाज में अकेले रहने का डर। कई महिलाओं ने बताया कि वह लोगों के घरों में काम मांग रही हैं, लेकिन उम्र और स्वास्थ्य इसकी इजाजत नहीं देता। बता दें कि 60 की उम्र के बाद शरीर जवाब दे देता है। जोड़ों का दर्द, शुगर, बीपी जैसी बीमारियां आम हो जाती हैं। जिसकी जांच और दवा के लिए पैसा चाहिए। पेंशन न मिलने से अब बुजुर्ग या तो दवा छोड़ रहे हैं या आधे पत्ते खाकर दिन काट रहे हैं।

इस पूरे मामले को लेकर पूर्व सांसद और कांग्रेस नेता बोधसिंह भगत ने राज्य सरकार पर सीधा हमला किया है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार दिवालिया हो गई है। हर क्षेत्र में सरकार विफल हो रही है। आज बहुत से विभागों के कर्मचारियों को तनख्वाह और पेंशन नहीं मिल रही। सरकार ने वृद्ध और निराश्रितों के लिए योजना शुरू की थी, किंतु आज उनके सामने जीवन जीने का संकट खड़ा हो गया है। जो व्यवस्था नहीं संभाल पा रही, उन्हें सत्ता छोड़ देनी चाहिए। बोधसिंह भगत का आरोप है कि चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन धरातल पर योजनाएं दम तोड़ रही हैं। उन्होंने मांग की है कि अप्रैल से लंबित सभी महीनों की पेंशन एक साथ जारी की जाए।

पूर्व सांसद बोधसिंह भगत जिस तरह का आरोप लगा रहे है वैसे ही कुछ चर्चा प्रशासनिक महकमों में चल रही है। सूत्रों का कहना है कि मामला बजट आवंटन से जुड़ा है। राज्य स्तर से राशि नहीं आने के कारण वितरण रुका है। बालाघाट जिले में करीब 1.19 लाख पेंशनर्स है। जिसमें वृद्ध और निराश्रित पेंशन नहीं मिल रही है। बहरहाल, 600 रुपये की राशि किसी के लिए छोटी लग सकती है। लेकिन एक बुजुर्ग के लिए यह स्वाभिमान है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बालाघाट के पुनर्विकसित रेलवे स्टेशन का किया वर्चुअल लोकार्पण

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार की शाम 4 बजे करीब अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर के 75 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों और विभिन्न रेल अवसंरचना परियोजनाओं का वर्चुअल लोकार्पण कर राष्ट्र को समर्पित किया। इसी क्रम में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित बालाघाट रेलवे स्टेशन भी राष्ट्र को भी राष्ट्र को समर्पित किया गया। बालाघाट रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद भारती पारधी, बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे, रेल सलाहकार सदस्यगण, रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और गणमान्य नागरिक शामिल हुए। सभी ने प्रधानमंत्री के संबोधन का सीधा प्रसारण देखा और इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बने।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत लगभग 10 करोड 67 लाख की लागत से बालाघाट स्टेशन का व्यापक कायाकल्प किया गया है। भवन को आकर्षक स्वरूप देने के साथ बेहतर प्रवेश-निकास व्यवस्था, दिव्यांगजन-अनुकूल सुविधाएं, आधुनिक प्रतीक्षालय, डिजिटल यात्री सूचना प्रणाली, उन्नत प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छ परिसर, पेयजल एवं शौचालय जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं। स्टेशन परिसर का सौंदर्यीकरण और पर्यावरण-अनुकूल अधोसंरचना भी तैयार की गई है। इस पुनर्विकास से यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और आधुनिक यात्रा अनुभव मिलेगा, वहीं बालाघाट के रेल संपर्क और क्षेत्रीय विकास को भी नई गति मिलने की उम्मीद है। स्टेशन का नया स्वरूप आधुनिक रेलवे अवसंरचना के साथ स्थानीय संस्कृति और पर्यटन की पहचान को भी प्रदर्शित करता है।

पुनर्विकास कार्य के तहत स्टेशन भवन का उन्नयन, विस्तृत सकुर्लेटिंग एरिया, आधुनिक प्रतीक्षालय, नए प्लेटफॉर्म शेल्टर, उन्नत शौचालय, आकर्षक फर्नीचर, डिजिटल सूचना प्रणाली और बेहतर प्रकाश व्यवस्था जैसी सुविधाएँ विकसित की गई हैं। साथ ही दिव्यांगजनों सहित सभी यात्रियों के लिए समावेशी सुविधाओं का भी विशेष ध्यान रखा गया है। रेलवे द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, स्टेशन के 552 वर्गमीटर स्टेशन भवन, 14 हजार वर्गमीटर सकुर्लेटिंग एरिया, 10 नए प्लेटफॉर्म शेल्टर, आधुनिक प्रतीक्षालय और स्थानीय कला एवं संस्कृति पर आधारित आकर्षक डिजाइन तैयार किए गए हैं। इससे स्टेशन का स्वरूप पहले की तुलना में अधिक सुविधाजनक और आकर्षक हो गया है। प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यटन के लिए प्रसिद्ध बालाघाट जिले में स्थित कान्हा टाइगर रिजर्व, लांजी का ऐतिहासिक किला, गंगुलपारा जलप्रपात, कोटेश्वर धाम और वैनगंगा नदी जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों तक पहुंचने वाले पर्यटकों को अब बेहतर रेलवे सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

प्रभारी मंत्री ने नशे से दूर रहकर स्वस्थ्य-सकारात्मक जीवनशैली अपनाने तथा समाज में नशामुक्त वातावरण निर्माण का किया आव्हान

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार एवं पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन में संचालित नशे से दूरी है जरूरी 2.0 जन जागरूकता अभियान के अंतर्गत 17 जुलाई को थाना कोतवाली अंतर्गत संदीपनी स्कूल सागर में नशामुक्ति जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल, कैबिनेट मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके, सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, कलेक्टर राहुल नामदेव धोते, पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष विनोद कछवाहा, एसडीओपी पीयूष मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी विद्यालय के प्राचार्य शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

नशामुक्त समाज का दिया संदेश

इस अवसर पर प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा युवाओं के भविष्य परिवार और समाज के लिए गंभीर चुनौती है। उन्होंने सभी से नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने तथा समाज में नशामुक्त वातावरण के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान प्रभारी मंत्री द्वारा उपस्थित विद्यार्थियों शिक्षकों एवं नागरिकों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। इसके पश्चात हस्ताक्षर अभियान आयोजित कर सभी प्रतिभागियों ने नशामुक्त समाज निर्माण का संकल्प लिया। साथ ही सेल्फी अभियान के माध्यम से युवाओं एवं विद्यार्थियों ने नशे के विरुद्ध जन-जागरूकता का संदेश प्रसारित करते हुए अभियान में उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

बिछिया में चला विशेष अभियान

बिछिया पुलिस द्वारा शासकीय स्नातक महाविद्यालय भुआ बिछिया शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भुआ बिछिया एवं विद्या ज्योति हाई स्कूल बिछिया में पृथक-पृथक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए बताया गया कि नशा व्यक्ति परिवार एवं समाज के लिए घातक है। विद्यार्थियों से स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार मित्रों एवं सगे-संबंधियों को भी नशा न करने के लिए प्रेरित करने की अपील की गई। साथ ही अवैध मादक पदार्थों के कारोबार या नशे से संबंधित किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने का आग्रह किया गया।

चलाया गया जागरूकता अभियान

नशा मुक्ति अभियान 2.0 के अंतर्गत थाना टिकरिया पुलिस द्वारा एकीकृत शासकीय हाई स्कूल मझगांव में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्परिणामों उसके शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों को बताया कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य शिक्षा परिवार और समाज पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने तथा अपने आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। इस अवसर पर सभी छात्र-छात्राओं एवं विद्यालय स्टाफ को नशा न करने तथा दूसरों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने की शपथ दिलाई गई।

विद्यार्थियों को किया गया जागरूक

अभियान के अंतर्गत चौकी पांडीवारा द्वारा माध्यमिक विद्यालय चीचगांव थाना नैनपुर द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पाठासिहोरा थाना घुघरी द्वारा शासकीय हाई स्कूल डोंगरमंडला एवं साप्ताहिक हाट बाजार डोंगर थाना मोहगांव द्वारा शासकीय हाई स्कूल उमरडीही थाना बीजाडांडी द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उदयपुर तथा थाना टिकरिया द्वारा एकीकृत शासकीय हाई स्कूल मजगांव में जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभाव, सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी हानियों की जानकारी देते हुए नशा न करने की शपथ दिलाई गई।

ग्रामीण क्षेत्रों में चलाया गया अभियान

थाना खटिया द्वारा ग्राम पटपरा में तथा जिले के अन्य थाना एवं चौकी क्षेत्रों में ग्रामीणों के मध्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर नशे से होने वाले शारीरिक मानसिक सामाजिक एवं आर्थिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। तथा युवाओं एवं ग्रामीणों से नशे से दूर रहने और समाज को नशामुक्त बनाने में सक्रिय सहभागिता अपील की गई। वहीं अभियान के अंतर्गत थाना बम्हनी के ग्राम केरेगांव, चौकी चाबी के ग्राम खाल्हे गिठौरी एवं खैरी (टेडिया) तथा थाना निवास के खाद्य वितरण केंद्र में किसानों एवं ग्रामीणों के बीच जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया।

स्कूलों में जनजागरूकता अभियान चलाया

थाना महाराजपुर द्वारा शासकीय नवीन हाई स्कूल मलारा एकीकृत शासकीय कन्या हाई स्कूल पुरवा एवं पीएम श्री शासकीय कन्या हाई स्कूल महाराजपुर में लगभग 500 विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। थाना टिकरिया द्वारा कुड़ा मैली नारायणगंज एवं संदीपनी विद्यालय टिकरिया तथा थाना खटिया द्वारा ग्राम खटिया एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में भी नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

नशा जीवन के लिए हानिकारक

अभियान के तहत चौकी पिंडरई द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं कन्या विद्यालय पिंडरई, थाना निवास द्वारा शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय निवास, चौकी सलवाह द्वारा माध्यमिक विद्यालय भुड़कुर एवं हायर सेकेंडरी स्कूल बम्हनी, चौकी मनेरी द्वारा पीएम श्री शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल मनेरी एवं शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल गडरा, थाना नैनपुर द्वारा नैनपुर गर्ल्स छात्रावास एवं शासकीय हाई सेकेंडरी स्कूल शांतिनगर, थाना बम्हनी द्वारा हायर सेकेंडरी स्कूल बाजा बोरिया-जहरमऊ, थाना बिछिया द्वारा शासकीय स्नातक महाविद्यालय, कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं विद्या ज्योति हाई स्कूल भुआ बिछिया, चौकी अंजनिया, थाना कोतवाली मंडला, चौकी हिरदेनगर, थाना अजाक, थाना मवई, थाना घुघरी तथा थाना मोहगांव क्षेत्र के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में विद्यार्थियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई एवं जागरूक किया गया।

जपनीत कौर ने नीट परीक्षा में मारी बाजी

मण्डला (स्वतंत्र मत)। जिले की होनहार छात्रा एवं प्रतिष्ठित चिकित्सक डॉ. गुरुमोहन सिंह की पुत्री जपनीत कौर ने प्रथम प्रयास में ही नीट यूजी 2026 परीक्षा में शानदार सफलता हासिल करते हुए ऑल इंडिया रैंक एआरआई 2114 प्राप्त की है। लगभग 22 लाख अभ्यर्थियों के बीच जपनीत ने 720 में से 641 अंक अर्जित कर 99.89 प्रतिशत हासिल किए हैं जिससे उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। जपनीत का प्रदर्शन सभी विषयों में उत्कृष्ट रहा। उन्होंने जीवविज्ञान बॉटनी एवं जूलॉजी में 99.89 प्रतिशत भौतिकी में 99.77 प्रतिशत तथा रसायन विज्ञान में 99.63 प्रतिशत प्राप्त किए। यह उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत अनुशासित तैयारी और लक्ष्य के प्रति अटूट समर्पण का परिणाम है। जपनीत शुरू से ही मेधावी छात्रा रही हैं। उन्होंने सीबीएसई कक्षा 10वीं में 98 प्रतिशत और कक्षा 12वीं में 92 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे। अब प्रथम प्रयास में ही देश की सबसे प्रतिष्ठित और कठिन मेडिकल प्रवेश परीक्षा में उल्लेखनीय सफलता हासिल कर उन्होंने अपनी प्रतिभा को एक बार फिर सिद्ध कर दिया है। जपनीत की इस सफलता से परिवार शिक्षकों मित्रों और शुभचिंतकों में खुशी की लहर है। उनके पिता डॉ. गुरुमोहन सिंह ने कहा कि यह उपलब्धि जपनीत की निरंतर मेहनत अनुशासित दिनचर्या आत्मविश्वास और परिवार के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए तो कोई भी सफलता असंभव नहीं होती।

ई-टोकन प्रणाली से करें बुकिंग

मण्डला(स्वतंत्रमत)। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग ने जिले के किसानों से खरीफ फसलों में संतुलित मात्रा में उर्वरकों का उपयोग करने तथा आवश्यकता अनुसार ई-टोकन प्रणाली के माध्यम से अग्रिम बुकिंग कराने की अपील की है। विभाग के अनुसार जिले में खरीफ सीजन के दौरान लगभग 2.40 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में धान मक्का अरहर मूंग एवं उड़द जैसी प्रमुख फसलों की बुवाई की जा चुकी है उपसंचालक कृषि अश्विनी झारिया ने बताया कि किसानों को प्रति हेक्टेयर लगभग 5 बैग यूरिया 2 बैग डीएपी अथवा एनपीके तथा 1 बैग एमओपी उपलब्ध कराया जा रहा है। यदि किसी किसान को आगामी सीजन के लिए अतिरिक्त उर्वरक की आवश्यकता हो तो वह ई-टोकन प्रणाली के माध्यम से अग्रिम बुकिंग कर सकता है।

राजेश अग्रवाल का निधन

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)। राजेश अग्रवाल का लंबी बीमारी के पश्चात बंसल हॉस्पिटल भोपाल में दुःखद निधन हो गया। श्री अग्रवाल का दो महापूर्व लिवर ट्रांसप्लांट हुआ था सामान्य चेकअप करवाने भोपाल गए हुए थे अचानक स्वास्थ्य बिगडा और गुरूवार की सुबह 5 बजे निधन हो गया स्वर्गीय राजेश अग्रवाल बिछिया के प्रतिष्ठित व्यापारी थे।

पशुपालकों से संवाद कर दी जानकारी

मण्डला (स्वतंत्र मत)। दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के अंतर्गत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना एवं उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. यू.एस. तिवारी द्वारा ग्राम गोंझी का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान उन्होंने पशुपालकों से संवाद करते हुए डेयरी विकास एवं पशुपालन को अधिक लाभकारी बनाने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर डॉ. तिवारी ने पशुपालकों को उन्नत नस्ल सुधार संतुलित पशु पोषण पशु स्वास्थ्य प्रबंधन सेक्स्ड सॉर्टेड सीमेन तकनीक नियमित टीकाकरण आधुनिक नवाचारों के उपयोग तथा पशुपालन से आय बढ़ाने के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने पशुपालकों को वैज्ञानिक पद्धति से पशुपालन अपनाने एवं शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेकर दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। भ्रमण के दौरान जिला नोडल अधिकारी डॉ. सुमित पटेल एवं सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी कु. परिता जैन भी उपस्थित रहीं।

अधिकारियों ने पशुपालकों की समस्याएं एवं सुझाव भी सुने तथा उनका समाधान करने का आश्वासन दिया। अभियान का उद्देश्य पशुपालकों को नवीन तकनीकों से जोड़कर दुग्ध उत्पादन में वृद्धि करना एवं उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।

रोटरी ने वितरित की सामग्री

मण्डला (स्वतंत्र मत)। रोटरी क्लब ने जिला चिकित्सालय स्थित एनआरसी पोषण पुनर्वास केंद्र में उपचाररत बच्चों एवं उनकी माताओं के लिए पोषण आहार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के दौरान वर्तमान में एनआरसी में भर्ती 23 बच्चों एवं उनकी माताओं को पौष्टिक खाद्य सामग्री प्रदान की गई साथ ही बच्चों के मानसिक एवं शारीरिक विकास को ध्यान में रखते हुए उनके लिए विभिन्न प्रकार की खेल सामग्री भी भेंट की गई। कार्यक्रम के दौरान अजय खोत, सुरेश चौधरी, मुकेश जैन, ऋतु राय, डॉ. स्वल्पा बड़गैया, बंटी अग्रवाल, डॉ. कपिल वर्मा एवं बबल खरया उपस्थित रहे।

सांसद-विधायक ने किया लोकार्पण

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

जनपद पंचायत नारायणगंज अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में नवनिर्मित भवनों एवं जनसुविधाओं का लोकार्पण क्षेत्रीय सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते एवं विधायक चैन सिंह वरकड़े द्वारा किया गया। इस दौरान ग्राम पंचायत देवरी में पंचायत भवन, ग्राम पंचायत खैरी में आंगनवाड़ी भवन तथा ग्राम पंचायत पड़रिया उर्फ नारायणगंज में पिंक टॉयलेट का विधिवत फीता काटकर शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ग्राम पंचायत देवरी में पंचायत भवन के लोकार्पण से हुआ अतिथियों का पुष्पमालाओं से स्वागत किया। अतिथियों ने कन्याओं का सम्मान कर पंचायत भवन का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर आयोजित सभा में जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों को विकास कार्यों की बधाई दी। विधायक चैन सिंह वरकड़े ने कहा कि भवनों का निर्माण विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा है लेकिन ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेना चाहिए। उन्होंने सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते से क्षेत्र में पुल-पुलियों एवं नालों के निर्माण संबंधी प्रस्तावों को पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल के माध्यम से स्वीकृत कराने का अनुरोध भी किया।

मुख्य अतिथि सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत देवरी के हितग्राही दिनेश कुमार साहू को मुख्यमंत्री संबल योजना के अंतर्गत अनुग्रह सहायता तथा राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना की राशि भी प्रदान की गई।

श्री सिद्धघाट रेवा दरबार से निकली महाप्रभु जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा

मण्डला(स्वतंत्र मत)।

जगन्नाथ महाप्रभु को स्वस्थ्य होंने के बाद गुरूवार को श्री सिद्धघाट रेवा दरबार महिष्मति घाट में जगन्नाथ स्वामी की विधि-विधान से पूजन अर्चन की गई। भगवान को काजल लगाने के बाद फलों का भोग लगाया गया। जिसके पश्चात् महाप्रभु जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा नगर में निकाली गई। रथयात्रा श्री सिद्धघाट रेवा दरबार से निकाली गई जो नेहरू स्मारक, स्टेट बैंक चौराहा, लालीपुर, बस स्टेण्ड, चिलमन चौक होते हुए पड़ाव पहुंची जहां पर रथ यात्रा का भव्य स्वागत किया गया यहां पर विकास लकी ट्रेवर्ल्स के संचालक अनिल जायसवाल एवं विकास जायसवाल व परिजनों के द्वारा भगवान जगन्नाथ स्वामी पर पुष्पवर्षा करते हुए महाआरती की। इस दौरान भगवान जगन्नाथ स्वामी को खीर और खिचड़ा का भोग लगाते हुए भंडारा का आयोजन किया। अनिल जायसवाल ने बताया कि वे हर वर्ष भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा का स्वागत करते हैं वर्ष 2017 से लगातार स्वागत करते आ रहे हैं। उन्हें विभिन्न प्रकार के भोग लगाते है उनकी महिमा और आर्शीवाद से कभी कोई वंचित नही रहा है। श्री जायसवाल ने पिता स्वर्गीय ओमप्रकाश जायसवाल की स्मृति पर रथयात्रा का पूजन अर्चन करते हुए भंडारा कराया गया। पंडित नीलू महाराज ने बताया कि रथ यात्रा का आध्यात्मिक संदेश अत्यंत गहन और प्रेरणादायक है। यह उत्सव दर्शाता है कि ईश्वर की कृपा सभी भक्तों के लिए समान रूप से उपलब्ध है चाहे वे किसी भी वर्ग या धर्म के हों। वहीं इस दौरान सिद्ध घाट मां रेवा दरबार के संस्थापक रामप्रसाद ठाकुर ने बताया कि इस रथ यात्रा के निकलने के पीछे कई मान्यताएं हैं कहते हैं कि इस दिन भगवान श्रीकृष्ण के अवतार के रूप में भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलराम के साथ अपनी बहन सुभद्रा को नगर घुमाने के लिए ले जाते हैं ऐसा माना जाता है कि इतिहास में भगवान जगन्नाथ की बहन सुभद्रा ने नगर घूमने की इच्छा जाहिर की जिसके बाद बहन की इच्छा पूरा करने के लिए भगवान जगन्नाथ ने 3 रथ बनवाए और सुभद्रा को नगर घुमाने के लिए रथ यात्रा पर ले गए सबसे आगे वाला रथ भगवान बलराम का बीच वाला रथ बहन सुभद्रा के और सबसे पीछे वाला रथ भगवान जगन्नाथ का होता है सिद्ध घाट मां रेवा दरबार से जुड़े विंदी शर्मा ने बताया कि भगवान जगन्नाथ पद्म पुराण के मुताबिक भगवान जगन्नाथ की बहन सुभद्रा ने एक बार नगर देखने की इच्छा जताई थी। उस वक्त भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और अपनी लाडली बहन सुभद्रा को रथ पर बैठाकर नगर दिखाने के लिए निकल पड़ते हैं। इसका जिक्र ब्रह्म पुराण और नारद पुराण में भी है। समाजसेवी संजय चौरसिया ने बताया कि पौराणिक मान्यताओं के अनुसार जगतपति जगदीश्वर महाप्रभु जगन्नाथ स्वामी बीमार हो गए थे ज्येष्ठ मास की गर्मी में शीतल जल में स्नान करने के कारण प्रभु को जुकाम हो गया था इसलिए उनके उपचार के लिए दलिया, फलों का रस प्रतिदिन उन्हें दिया गया। वहीं जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, जनपद अध्यक्ष संतोष सोनी भलावी, पत्रकार परिषद जिला अध्यक्ष नीरज अग्रवाल, बनवासी कल्याण आश्रम अध्यक्ष कैलाश डेहरिया, साहू समाज के जिला अध्यक्ष हरि साहू, पप्पू साहू, समाजसेवी सुनील मिश्रा, बब्बल खरया, किशोर रजक, रोहित बघेल, आनंद सोनी, पूर्णिमा रजक, श्रीमति ज्योति जायसवाल, श्रीमति गीता साहू, श्रीमति उमा यादव, श्रीमति दीप्ती नरेलिया, श्रीमति शीतल वैष्णव, सुनीता सैयाम, श्रीमति आरती राजपूत सहित सैकड़ो भक्तगण उपस्थित रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म में पड़ी सजा

मण्डला। चिहिन्त एवं जघन्य सनसनीखेज मामले में नाबालिक के साथ बलात्कार करने वाले आरोपी को आजीवन कारावास एवं जुर्माना चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश विशेष न्यायाधीश पॉक्सो श्रृंखला न्यायालय तहसील नैनपुर द्वारा 16 जुलाई 2026 को आरोपी पंचराज पंचतिलक पिता पूरनलाल पंचतिलक उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम पुंगार थाना केवलारी जिला सिवनी को धारा 137(2),87,127 बीएनएस में 5 वर्ष का सश्रम कारावास एवं धारा 5एल/6, 5जी/6 पॉक्सो एक्ट में 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं धारा 3(1)(2)(वी) सहपठित धारा 3(2)(1) एससी, एसटी एक्ट में आजीवन कारावास एवं कुल 5,500/- रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी विजय अहिरवार, सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी रमेशचंद्र मिश्रा सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी दुर्गेश ताराम द्वारा की गई है।

सांदीपनि विद्यालय में गुरुपूर्णिमा पखवाड़ा

मण्डला (स्वतंत्र मत)। सांदीपनि विद्यालय ग्राम सागर में गुरुपूर्णिमा पखवाड़ा के अवसर पर गरिमामयी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल थे। इस अवसर पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके एवं क्षेत्रीय सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बोर्ड परीक्षाओं में विभिन्न विषयों में शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम देने वाले शिक्षकों और मेधावी छात्र-छात्राओं को मंच पर सम्मानित किया गया। प्रभारी मंत्री ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सभी बच्चे मन लगाकर पढ़ाई करें और डॉक्टर कलेक्टर एसपी जैसे उच्च पदों पर पहुंचकर जिले व प्रदेश का नाम रोशन करें। सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि वर्तमान में शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन आए हैं। जिले के एकलव्य और केंद्रीय विद्यालयों में अब सीबीएसई पाठ्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। कार्यक्रम को जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम और निवास विधायक चैनसिंह वरकड़े ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में समस्त उपस्थितजनों को नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई गई। बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम देने वाले शिक्षकों में हिंदी के सुरेंद्र दुबे, सामाजिक विज्ञान की श्रीमती श्वेता तिवारी, गणित के संजय तिवारी, हिंदी के बेनी प्रसाद मरावी, फसल उत्पादन व पशुपालन की श्रीमती माया डेहरिया एवं जीव विज्ञान की श्रीमती पूर्णिमा पटेल शामिल रहे। मेधावी विद्यार्थियों में 10वीं के धर्मेंद्र कछवाहा, देवांशु साहू, संध्या मरावी तथा 12वीं के अमित मर्सकोले, जागृति परवार और रूपाली राजपूत सम्मानित हुए। छात्राओं की सरस्वती वंदना एवं गुरु वंदना नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति पर मंत्री श्रीमती संपतिया उइके और प्रभारी मंत्री श्री दिलीप जायसवाल ने 11-11 हजार रुपये पुरस्कार देने की घोषणा की। प्रभारी मंत्री ने कहा कि वर्ष 2027 की बोर्ड परीक्षा में स्कूल में टॉप करने वाले विद्यार्थी को 21 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।

प्रधानमंत्री ने वर्चुअली किया उद्घाटन : नैनपुर रेलवे स्टेशन का आधुनिक स्वरूप हुआ लोकार्पित

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण की दिशा में नैनपुर रेलवे को एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई। जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत नैनपुर सहित देशभर के 75 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों का राष्ट्र को समर्पित किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल के नैनपुर रेलवे स्टेशन का भी विधिवत लोकार्पण किया गया। नैनपुर में आयोजित समारोह में जनप्रतिनिधियों, रेलवे अधिकारियों, गणमान्य नागरिकों, विद्यार्थियों तथा बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा प्रधानमंत्री के संबोधन का सजीव प्रसारण देखा। कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर 2:00 बजे अतिथियों एवं जनप्रतिनिधियों के आगमन के साथ हुआ। जहां स्थानीय स्कूली बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गई तथा मंचासीन अतिथियों का पौधा, शॉल, श्रीफल एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक एवं नोडल अधिकारीयों ने स्वागत उद्बोधन में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत नैनपुर रेलवे स्टेशन पर किए गए पुनर्विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नैनपुत स्टेशन को आधुनिक यात्री सुविधाओं, दिव्यांगजन अनुकूल अवसंरचना, आकर्षक स्टेशन भवन, उन्नत प्रतीक्षालय, आधुनिक शौचालय, बेहतर प्रकाश व्यवस्था, डिजिटल यात्री सूचना प्रणाली, सुगम आवागमन, सौंदर्यीकरण तथा स्थानीय कला एवं संस्कृति की झलक को समाहित करते हुए विकसित किया गया है।

इस अवसर पर नैनपुर स्टेशन में मण्डला जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल, मंत्री श्रीमती सम्पतिया उईके, मण्डला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते , जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, नपा अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पंजवानी, जनपद अध्यक्ष श्रीमती ओमवती उईके सहित दपूमरे के डी आर एम दीपक गुप्ता मंचासीन रहे। आयोजित समारोह में जनप्रतिनिधियों ने अपने संबोधन में कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना भारतीय रेलवे की दूरदर्शी एवं जनकल्याणकारी पहल है। आधुनिक सुविधाओं से युक्त ये स्टेशन यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करेंगे तथा क्षेत्र के सामाजिक, आर्थिक एवं पर्यटन विकास को नई गति देंगे। कार्यक्रम के दौरान अमृत भारत स्टेशन योजना के उपलक्ष्य में आयोजित चित्रकला, निबंध, प्रश्नोत्तरी, ड्राइंग एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र-छात्राओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के केंद्रीय कार्यक्रम का स्टेशन पर सजीव प्रसारण किया गया। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने भारतीय रेलवे के तीव्र आधुनिकीकरण, विश्वस्तरीय यात्री सुविधाओं के विस्तार तथा विकसित भारत के निर्माण में रेलवे की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के पश्चात अमृत भारत स्टेशन योजना की स्मारक पट्टिका का अनावरण किया गया।

प्रभारी मंत्री जायसवाल, मंत्री साम्पतिया और सांसद श्री कुलस्ते ने किया शुभारम्भ

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत नैनपुर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास ?17.86 करोड़ की लागत से किया गया है। इन परियोजनाओं के माध्यम से स्टेशनों को आधुनिक, सुरक्षित, पर्यावरण-अनुकूल एवं भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित किया गया है, जिससे यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण एवं विश्वस्तरीय सुविधाएँ उपलब्ध हो रही हैं।

इस अवसर पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार गुप्ता, प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक - बिजय कुमार, प्रधान मुख्य यांत्रिक अभियंता- मनीष अग्रवाल, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक-अरविंद कुमार मेश्राम सहित नागपुर मंडल के विभागीय अधिकारीगण एवं कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, रेल उपयोगकर्ता समिति के सदस्य, विद्यार्थी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। समारोह ने अमृत भारत स्टेशन योजना के माध्यम से भारतीय रेलवे के आधुनिक, समावेशी एवं यात्री-केंद्रित विकास के संकल्प को सशक्त रूप से प्रदर्शित किया।

संपादकीय

फिर एक कारसेवा

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद 9 अगस्त को मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर के पक्ष में कारसेवा करेगी। अखाड़ा परिषद 50 लाख से अधिक साधु-संतों की प्रतिनिधि धार्मिक संस्था है। परिषद में मुख्यत: 13 अखाड़े हैं, वे सभी सनातन के पैरोकार और आस्थावान हैं, लिहाजा अब उन्होंने अयोध्या के राम मंदिर आंदोलन की तर्ज पर श्रीकृष्ण मंदिर के लिए कारसेवा की घोषणा की है। जिस तरह अयोध्या में विवादित ढांचे का गुंबद ध्वस्त किया गया था, उस तरह श्रीकृष्ण मंदिर कारसेवा का मकसद नहीं है। साधु-संत और श्रद्धालु राजधानी दिल्ली से पैदल कूच कर मथुरा तक पहुंचेंगे और श्रीकृष्ण मंदिर परिसर के बाहर ही भजन-कीर्तन, चालीसा पाठ, पूजा-पाठ करेंगे। प्रभु श्रीकृष्ण को माखन-मिश्री का भोग लगाया जाएगा। हालांकि अभी किसी भी तरह की तोड़-फोड़ की कारसेवा का आह्वान नहीं किया गया है, लेकिन किसी पक्ष की धार्मिक भावनाएं उत्तेजित हो गईं या उन्माद का माहौल बन गया, तो उसे नियंत्रित करना कठिन होगा। भावनाएं तो स्वस्फूर्त भड़कती हैं, लिहाजा पुलिस कहां तक की अनुमति देगी अथवा कारसेवा स्थगित करने का आग्रह करेगी, अभी निश्चित नहीं है। वैसे उप्र में एक धार्मिक योगी की सरकार है और वह भी श्रीकृष्ण आंदोलन के पक्षधर हैं, लिहाजा लगता है कि कारसेवा में व्यवधान पैदा नहीं किया जाएगा। बहरहाल कारसेवा तब आयोजित की जा रही है, जब सर्वोच्च अदालत विशेष लोक अदालत के जरिए काशी विश्वनाथ बनाम ज्ञानवापी मस्जिद, मथुरा के श्रीकृष्ण मंदिर बनाम ईदगाह मस्जिद और संभल के हरि मंदिर बनाम जामा मस्जिद सरीखे बेहद संवेदनशील विवादों को, हिंदू-मुस्लिम पक्ष की आपसी सहमति से, सुलझाने और निपटाने का प्रयास कर रही है। बीती 4 जुलाई को ऐसा ही न्यायिक प्रयास नाकाम हो चुका है, जब वाराणसी के विवाद के संदर्भ में मुस्लिम पक्ष आया ही नहीं। वैसे दोनों पक्ष सर्वोच्च अदालत के ही अंतिम निर्णय के पक्ष में हैं, ताकि न्यायिक निष्कर्ष पर कानूनी सवाल न उठाए जा सकें। राम मंदिर का फैसला भी सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ ने सुनाया था। आज भी ऐसे सांप्रदायिक, धार्मिक विवादों की 18 याचिकाएं अदालतों के विचाराधीन हैं। सर्वोच्च अदालत ने 7 याचिकाएं ही लोक अदालत को भेजी थीं। बहरहाल मथुरा के श्रीकृष्ण मंदिर की कारसेवा का फैसला तब भी लिया गया है, जब कुछ महीनों बाद उप्र में विधानसभा चुनाव होने हैं। अयोध्या, काशी, मथुरा संघ, विहिप और भाजपा के एजेंडे की प्राथमिकताएं रही हैं, लेकिन अखाड़ा परिषद की घोषित कारसेवा पर फिलहाल तीनों ही खामोश हैं। कारसेवा का न समर्थन और न ही विरोध..! मथुरा, वृंदावन प्रभु श्रीकृष्ण की जन्मस्थली और बाल-लीलाओं का क्षेत्र है। इसका उल्लेख पुराणों, उपनिषदों और प्राचीन धर्म-ग्रंथों में देखा और पढ़ा जा सकता है। श्रीकृष्ण मंदिर को 5000 साल प्राचीन बताया जाता है। अलबत्ता अधिसंख्य इतिहासकारों ने वृंदावन, मथुरा को श्रीकृष्ण की जन्मस्थली माना है। श्रीकृष्ण मंदिर का इतिहास भी निर्माण, विध्वंस, पुनर्निर्माण, कब्जे के बाद मस्जिद-निर्माण आदि का रहा है। लोग यह चाहते हैं कि सर्वोच्च अदालत 1991 के उपासना स्थल कानून पर अपना अंतिम फैसला यथाशीघ्र सुनाए, ताकि स्पष्ट हो सके कि कानून के दायरे में कौन से मंदिर, मठ, स्थापत्य और मस्जिदें हैं। ऐसी बहसें और दावे बंजर ही साबित होते हैं, क्योंकि उनकी बुनियाद में धार्मिक पूर्वाग्रह होते हैं। एक तरफ राम मंदिर में चंदा-चढ़ावा चोरी का प्रकरण जारी है, जांचें जारी हैं, ट्रस्ट में बदलाव किए जा रहे हैं, लेकिन दूसरी तरफ श्रीकृष्ण मंदिर कारसेवा का आह्वान किया गया है, लिहाजा इसे राजनीति और चुनाव से जोड़ कर भी देखा जा रहा है।

चीनी मठ-मंदिरों पर भी हेराफेरी की कालिख

पुष्परंजन

लेखक जियो-पॉलिटिकल मामलों के पत्रकार हैं

ब्रूस ली की फ़िल्म 'एंटर द ड्रैगन' में शाओलिन मंदिर के शुरुआती दृश्यों की शूटिंग चीन में नहीं, बल्कि हांगकांग के थुएन मुन स्थित चिंग चुंग कून और कैसल पीक मठ में हुई थी। लेकिन, तब शाओलिन टैम्पल का अक्स दिलो-दिमाग में बैठा हुआ था। उसे देखना एक सपना था, जो 2019 में पेइचिंग कुछ हफ्ते ठहरने पर साकार हुआ। पेइचिंग से शाओलिन मंदिर की दूरी लगभग 773 किलोमीटर है। झेंगझोऊ तक बुलेट ट्रेन, फिर मंदिर तक जाने के लिए टैक्सी की ज़रूरत पड़ गई। इस जगह को 'मार्शल आर्ट का मक्का' मानिये। शाओलिन मंदिर चीन के हेनान प्रांत स्थित प्रसिद्ध बौद्ध मठ है। इसे 495 ईस्वी में बनाया गया था। यह ज़ेन बौद्ध धर्म का जन्मस्थान और मार्शल आर्ट (कुंग फू) का उद्गम स्थल है। सात साल पहले शाओलिन टैम्पल की दरो-दीवार को देखकर लगा नहीं था, कि यह भ्रष्टाचार का भी अड्डा रहा है। डेढ़ महीना पहले दुनियाभर में मशहूर शाओलिन मंदिर के पूर्व प्रमुख शी योंगशिन को गबन और रिश्वत लेने जैसे अपराधों के लिए 24 साल जेल की सज़ा सुनाई गई है। शी पर 35 लाख युआन का जुर्माना भी लगाया गया। चीन के मध्य हेनान प्रांत की शिनक्सियांग इंटरमीडिएट पीपल्स कोर्ट ने पाया कि शी (जिनका असली नाम लियू यिंगचेंग है) ने 2003 और 2025 के बीच 131 मिलियन युआन से ज़्यादा का गबन किया था। कई दशकों तक, शी ने शाओलिन मंदिर के प्रमुख और शाओलिन चैरिटी एंड वेलफेयर फाउंडेशन के अध्यक्ष के तौर पर काम किया। जांच में पाया गया कि उन्होंने 2012 और 2022 के बीच 151 मिलियन युआन अपने निजी इस्तेमाल के लिए लिए थे, और 2006 से मंदिर के निर्माण और उससे जुड़े कामकाज के कॉन्ट्रैक्ट दिलाने में मदद करने के बदले कुल 11.63 मिलियन युआन की रिश्वत ली थी। कोर्ट की घोषणा के अनुसार, शी पर 1995 और 2022 के बीच 'गलत फ़ायदे' पाने के लिए अधिकारियों को 5.67 मिलियन युआन से ज़्यादा की रिश्वत देने का भी आरोप है। चीन के मशहूर बौद्ध मठ शाओलिन मंदिर के प्रमुख के खिलाफ आपराधिक जांच में कहा गया है कि उनके कामों में गबन, फ़ंड का गलत इस्तेमाल, रिश्वत लेना और देना जैसे संगीन अपराध शामिल थे, और इन सभी में 'बहुत बड़ी रकम' शामिल थी। शी पर आरोप था कि उन्होंने 'कई महिलाओं के साथ लंबे समय तक गलत संबंध बनाए, और नाजायज़ बच्चों के पिता बने।' पिछले साल जुलाई में सरकार की संयुक्त जांच के बाद उन्हें वाइस-चेयरपर्सन पद से हटा दिया गया था। उसी महीने, चीन के बौद्ध संघ ने शी योंगशिन की बौद्ध मान्यता रद्द कर दी, और उन पर 'बौद्ध समुदाय की प्रतिष्ठा और भिक्षुओं की छवि को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाने' का आरोप लगाया। उनसे जुड़ी कंपनियों का रजिस्ट्रेशन भी रद्द कर दिया गया। जांच के बाद, स्थानीय अधिकारियों ने नवंबर, 2025 में कई आपराधिक आरोपों में उनकी गिरफ़्तारी को मंज़ूरी देने की घोषणा की। शी ने अपना अपराध माना, और पछतावा व्यक्त किया। 29 मई, 2026 को कोर्ट ने यह भी जानकारी दी, कि शी ने कोई अपील नहीं की। चीन में 1960 और 1970 के दशक की सांस्कृतिक क्रांति में अनगिनत धार्मिक जगहें तबाह हो गईं। मठों से उनकी संपत्ति छीन ली गई थी। लेकिन, जैसे ही 1980 के दशक में चीन में आर्थिक सुधार और खुलेपन का दौर शुरू हुआ, मंदिर फिर से चलन में आ गए. कई लोग अपना गुज़ारा करने के लिए टैम्पल टूरिज़्म की तरफ़ मुड़ गए। हालांकि, चीनी सरकार धार्मिक मान्यताओं की आज़ादी का समर्थन करती है, और 1.3 अरब से ज़्यादा लोगों को अपनी धार्मिक मान्यताएं चुनने का अधिकार है। खासकर आधुनिक चीनी समाज में राजनीतिक दमन खत्म होने के बाद, लंबे समय से दबी हुई धार्मिक मान्यताएं सामने आईं। 'वर्ल्ड वैल्यूज़ सर्वे-2007' से पता चलता है कि 11 प्रतिशत चीनी लोगों की धार्मिक मान्यताएं हैं। 2003 से 2010 के बीच इनकी आबादी 120 फीसद बढ़ी है। इस समय में जिन बड़े मठाधीशों को निजी रूप से फ़ायदा हुआ, उनमें शी सबसे बड़े थे। शी योंगशिन 1981 में 16 साल की उम्र में हेनान प्रांत के शाओलिन मंदिर में शामिल हुए थे। उस समय, मंदिर खंडहर बन चुका था। लेकिन, जैसे-जैसे शी मठाधीश के पद पर पहुंचे, उन्होंने प्रार्थना हॉल फिर से खोलने और टूरिस्ट को टिकट बेचने के लिए लोकल अधिकारियों से बातचीत की। जल्द ही, लाखों लोग आने लगे, जिसमें लोकल सरकार 70 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। तब शाओलिन-ब्रांडेड सामान बेचने वाली गिफ़्ट शॉप भी खुल गईं, और शाओलिन इंक का जन्म हुआ। वर्ष 2006 में, डेंगफ़ेंग शहर की सरकार ने शाओलिन मंदिर के लिए 100,000 डॉलर का निवेश किया। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने 2015 में बताया था शी को 'सीईओ भिक्षु' के तौर पर जाना जाता था; कुंग-फू शो और सामान को बढ़ावा देने के लिए कमर्शियल गतिविधियां शुरू करने की वजह से उनकी आलोचना भी हुई थी। सरकारी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, 2002 में शी को बुद्धिस्ट एसोसिएशन ऑफ़ चाइना का वाइस-चेयरपर्सन चुना गया था। गिरफ़्तार होने से पहले, शी योंगक्सिन ने विदेशों में दर्जनों कंपनियां बनाईं, और ऑस्ट्रेलिया में 300 मिलियन डॉलर के लक्ज़री होटल और गोल्फ़ कोर्स कॉम्प्लेक्स के लिए फ़ंड जुटाने की कोशिश की। चीन में लगभग 33,500 पंजीकृत बौद्ध और 9,000 ताओ मंदिर हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार कुल धार्मिक स्थलों की संख्या लगभग 144,000 है। इसके अलावा, अनौपचारिक या छोटे पारंपरिक पूजा स्थलों की संख्या 192,000 से भी अधिक है। चीन की अदालतें मंदिरों के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों के सटीक और सार्वजनिक आंकड़े जारी नहीं करती हैं।

स्वयं सहायता समूहों से सशक्त होंगे वरिष्ठ नागरिक

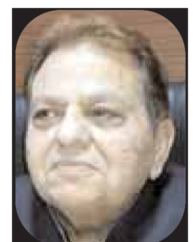

सुरेश सेठ

लेखक, साहित्यकार

देश में जनगणना का कार्य प्रारंभ हो चुका है। वर्तमान में प्रथम चरण के अंतर्गत आवासीय जनगणना की जा रही है। दूसरे चरण में प्रत्येक परिवार तथा बेघर व्यक्तियों की जनगणना होगी। इससे पहले नागरिकों को अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज करने का अवसर दिया जाएगा। इसके बाद जनगणना अधिकारी घर-घर जाकर विवरण का सत्यापन और आवश्यक जानकारी एकत्र करेंगे। जनगणना से प्राप्त आंकड़े देश की जनसंख्या, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का सही आकलन करने में सहायक होते हैं। इन्हीं आंकड़ों के आधार पर सरकार विभिन्न वर्गों की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास योजनाएं और कल्याणकारी नीतियां अधिक प्रभावी ढंग से तैयार करती है। जनगणना से जुड़ी शुरुआती चर्चाओं के बीच एक महत्वपूर्ण चिंता देश की बदलती जनसांख्यिकीय संरचना को लेकर सामने आ रही है। भारत की कुल प्रजनन दर अब प्रतिस्थापन स्तर 2.1 से नीचे पहुंच चुकी है, जिससे भविष्य में युवाओं की हिस्सेदारी घटने और बुजुर्ग आबादी बढ़ने की आशंका व्यक्त की जा रही है। महानगरों में विवाह की बढ़ती उम्र, कम संतान की प्रवृत्ति तथा बदलती जीवनशैली भी इस परिवर्तन के प्रमुख कारण माने जा रहे हैं। वहीं बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं और बढ़ती जीवन प्रत्याशा के कारण वरिष्ठ नागरिकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे में जनगणना के आंकड़े देश की भावी सामाजिक, आर्थिक और जनसंख्या संबंधी नीतियों के निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। चीन और जापान जैसे देशों ने वृद्ध होती आबादी की चुनौती का सामना किया है। वहां वरिष्ठ नागरिक अनुभव और कौशल के आधार पर आज भी अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। भारत लंबे समय तक स्वयं को युवाओं का देश मानता रहा, लेकिन घटती प्रजनन दर और बढ़ती जीवन प्रत्याशा भविष्य में बुजुर्ग आबादी के बढ़ने का संकेत दे रही है। ऐसे में वरिष्ठ नागरिकों को केवल आश्रित नहीं, बल्कि उत्पादक संसाधन के रूप में देखने की आवश्यकता है। दुर्भाग्य से देश में अनेक बुजुर्गों को पर्याप्त सम्मान, सामाजिक सुरक्षा और सुविधाएं नहीं मिल पातीं। परिवारों के विघटन और उपेक्षा की बढ़ती घटनाओं के बीच सरकार और समाज दोनों को वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, सुरक्षा और सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने की होगी। इस दिशा में एक सकारात्मक पहल वर्ष 2004 में तमिलनाडु में सुनामी के बाद सामने आई। आर्थिक संकट के बावजूद अनेक वरिष्ठ नागरिकों ने हार मानने के बजाय स्वयं सहायता समूह बनाकर आत्मनिर्भर बनने का प्रयास शुरू किया। प्रारंभ में सरकारी स्तर पर पर्याप्त योजनाएं या प्रोत्साहन नहीं थे, फिर भी यह पहल लगातार आगे बढ़ती रही। आज यह अभियान तमिलनाडु से निकलकर कई राज्यों तक पहुंच चुका है। आज हजारों वरिष्ठ नागरिक स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इस मॉडल को विस्तार देने की आवश्यकता है, ताकि वरिष्ठ नागरिक आत्मनिर्भर बनें, एक-दूसरे का सहयोग करें और अपने अनुभव से समाज व अर्थव्यवस्था में सार्थक योगदान दे सकें। वरिष्ठ नागरिकों के स्वयं सहायता समूहों ने आत्मनिर्भरता की प्रेरक मिसाल पेश की है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इन समूहों से जुड़े लगभग 70 प्रतिशत बुजुर्ग आर्थिक रूप से सशक्त बने हैं। नियमित छोटी बचत के आधार पर उन्होंने करोड़ों रुपये का सामूहिक कोष तैयार किया, जिससे जरूरतमंद सदस्यों को ऋण उपलब्ध कराया गया और आय के नए अवसर भी विकसित हुए। बिहार के सुपौल जिले का यह मॉडल विशेष रूप से उल्लेखनीय है, जहां कई बुजुर्ग आर्थिक रूप से सशक्त होकर सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं। इस पहल की सफलता को देखते हुए केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों के स्वयं सहायता समूहों की अवधारणा को भी प्रोत्साहन देना शुरू किया है। यह मॉडल आत्मनिर्भर और सम्मानजनक वृद्धावस्था की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। वास्तविक समाधान तभी संभव है, जब प्रशासन, समाज और वरिष्ठ नागरिक मिलकर कार्य करें। बढ़ती उम्र के कारण भले ही बुजुर्ग शारीरिक रूप से पहले जैसे सक्रिय न रहें, लेकिन उनका अनुभव, ज्ञान और निर्णय क्षमता समाज की अमूल्य पूंजी है। उन्हें ऐसे कार्यों में अवसर दिए जाने चाहिए, जहां मार्गदर्शन, सलाह और अनुभव की आवश्यकता हो। युवा ऊर्जा और वरिष्ठों के अनुभव का समन्वय राष्ट्र निर्माण को नई दिशा दे सकता है। वरिष्ठ नागरिकों को केवल सहायता का पात्र नहीं, बल्कि विकास प्रक्रिया का सक्रिय भागीदार बनाया जाना चाहिए। कुछ राज्यों में स्वयं सहायता समूहों की सफल पहल इसकी संभावना सिद्ध कर चुकी है। अब आवश्यकता है कि सरकार और समाज मिलकर इस मॉडल को व्यापक स्तर पर अपनाएं।

दतिया उपचुनाव : अतीत, आँसू और अंतर्घात

डॉ. सुधीर सक्सेना

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं

प्रचलित कहावत है कि झांसी गले की फांसी, दतिया गले का हार, मगर सामयिक चुनावी परिप्रेक्ष्य में बात करें तो दतिया भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिये यकसां गले की ऐसी फांस बनकर उभरा है, जिससे उनकी निजात मुश्किल है। मतदान यूं तो 30 जुलाई को है, अलबत्ता इस पूरे पखवाड़े दोनों ही खेमों में आशंकाएं खुदबुदाती रहेंगी। घटनाक्रम ऐसा रहा है कि दतिया में सब कुछ सामान्य नहीं है। लिहाजा यह चुनाव भी फकत एक उप-चुनाव न रहकर महत्वपूर्ण हो उठा है। इसके दिल्ली और भोपाल समेत सबके आकर्षण और दिलचस्पी की वजह है मध्यप्रदेश के पूर्व गृहमंत्री और पार्टी के महत्वाकांक्षी कद्दावर नेता नरोत्तम मिश्रा। नरोत्तम करीब डेढ़ दशक प्रदेश के मंत्री रहे और अपनी अनेक खूबियों के कारण सुर्खियों में भी। नरोत्तम ने बहुत जतन से दतिया में अपनी जगह बनाई और उसे अपनी जागीर में बदल दिया। उन्होंने नामा और नाम कमाया, कुर्सी पाई, शीर्ष नेतृत्व का विश्वास अर्जित किया। साथ ही दंभ और अहंकार के साथ-साथ बेजा अड़ी की फितरत भी अख्तियार की। अपनी बयानबाजी, साधनों की विपुलता और तेज रफ्तार से वह एक साथ विवादों और संभावनाओं के नायक बने। निर्वाचन से सत्तारूढ़ कमलनाथ सरकार को गिराने में उनकी पर्दे के पीछे अहम भूमिका रही। उन्होंने मप्र में कांग्रेस को कार्यकर्ताविहीन करने की दंभोक्ति भी की और सेंसरबोर्ड के स्वयंभू सदस्य तथा सामाजिक दरोगा बनकर उभरे। उन्होंने दतिया में पैर जमाये और दिल्ली को साधा। कह सकते हैं कि प्रदेश में दंत कथाओं के नायक बन गये। एक वक्त वह था कि वह मध्यप्रदेश के गृहमंत्री थे और उनके दामाद राजधानी भोपाल के कलेक्टर। विगत चुनाव तक उनकी सूबे की सियासत में तूती बोलती रही और उनका यही पक्ष कतिपय बड़े नेताओं को बरबस खटकने लगे। पार्श्व में समीकरण बने और केंद्रीय गृहमंत्री के प्रिय पात्र होने के बाबजूद पार्टी ने टिकट वितरण में नरोत्तम को धता बता दी। बताते हैं कि इसमें स्पीकर नरेन्द्र सिंह तोमर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान समेत कतिपय दमदार नेताओं, सर्वे-रिपोर्ट और पर्दे के पीछे के सूत्रधार-संगठन की अहम भूमिका रही। फलत: दतिया से आरएसएस की पृष्ठभूमि के एक स्थानीय अल्पज्ञात नेता आशुतोष तिवारी को प्रत्याशी घोषित कर दिया गया। नरोत्तम और उनके समर्थकों के लिये यह ऐलान वज्रपात से कम न था, अत: दतिया में भूचाल आ गया। समर्थकों ने उग्र प्रदर्शन किया और राजमार्ग पर यातायात बाधित। प्रशासन को लाठीचार्ज और आंसू गैस का सहारा लेना पड़ा। दिल्ली की भृकुटि में बल पड़े। सबोटाज की आशंका गहन हुई। नरोत्तम दिल्ली और भोपाल में तलब हुये। दतिया में बीजेपी के जिलाध्यक्ष और अनेक पदाधिकारियों ने इस्तीफा दे दिया। घड़ी की सुइयां घूमीं और अंतत: नरोत्तम ने दतिया की आमसभा में आशुतोष तिवारी को विजयी बनाने के लिये दरवज्जे-दरवज्जे जाकर वोट मांगने की दुहाई देनी पड़ी। उन्होंने यह किया जरूर, मगर उनकी आह और मन की आहत अवस्था किसी से छिपी नहीं रह सकी। लोगों ने करनी और भरनी की कहावत दोहराई और भार्गव समाज के सदस्य के कारावास और तिवारी-परिवार के पिता-पुत्र के हादसे की कथा याद दिलाते हुये उनके कृत्यों को इस सबक से जोड़ा। ये आंसू मेरे दिल की जुबान हैं की तर्ज पर यह आकलन मुश्किल है कि नरोत्तम आशुतोष के लिये कितनी ईमानदारी से काम करेंगे, किंतु यह तय है कि इस चुनाव में दादा के आंसू परोक्ष भूमिका अवश्य निभायेंगे। ब्राह्मण समुदाय की उपेक्षा का मुद्दा भी हवा में तैर रहा है। आशुतोष यद्यपि ब्राह्मण हैं, किंतु ब्राह्मण-समाज में उनकी गहरी पैठ नहीं है। यदि ब्राह्मणों की उपेक्षा के मुद्दे ने जमीन पकड़ी तो खामियाजा बीजेपी को भुगतना पड़ सकता है। कांग्रेस ने यहां से दतिया राजघराने के अनुभवी पूर्व एमएलए घनश्याम सिंह पर दाँव लगाया है, जो सरल स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। कांग्रेस और भाजपा दोनों की दिक्कत यह है कि दतियामें लड़ाई आमने-सामने की अथवा सीधी नहीं, बल्कि त्रिकोणीय है। आजाद समाज पार्टी के दामोदर यादव के मैदान में होने से संघर्ष तिकोना हो गया है। दामोदर पिछले कई माह से गांव-गांव का दौरा कर चुनाव की सघन तैयारी करते आ रहे हैं और उनकी चुनौती को नजरंदाज नहीं किया जा सकता। प्रदेश के मुख्यमंत्री का सजातीय होना कई दिलचस्प कयासों को जन्म दे रहा है। दतिया विधानसभा क्षेत्र के समीकरणों पर गौर करें तो किसी भी प्रमुख प्रत्याशी की राह निष्कंटक नहीं है। दतिया में यह उप चुनाव बाधा-दौड़ सरीखा है। कांग्रेस और बीजेपी दोनों को ही अंतर्घात का डर है। बीजेपी जहां नरोत्तम फैक्टर से आशंकित है, वहीं कांग्रेस भी असंतोष से मुक्त नहीं है। कांग्रेस की सबसे बड़ी चिंता अवधेश नायक की भूमिका को लेकर है। अवधेश उभरते हुये स्थानीय युवा नेता हैं और कांग्रेस के टिकट के दावेदार थे। उनके बजाय घनश्याम को टिकट थमाने से वह खिन्न हैं। पिछले चुनाव में उनके बजाय राजेंद्र भारती को टिकट मिली थी और दिग्विजय सिंह के कहने पर अवधेश टिकट वंचित रहे थे। इस बार भी दिग्विजय ने उनके आरएसएस से लिंक की बिना पर उन्हें उम्मीदवार नहीं बनने दिया। बहरहाल, अवधेश की नाराजगी इतनी मायने रखती है कि दिग्विजय सिंह ने दतिया में भरी सभा में अवधेश से माफी मांगी। अवधेश ने दिग्गी राजा की इस सार्वजनिक क्षमायाचना को राजा साहब का बड़प्पन करार दिया। किंतु अभी तक इसका संकेत नहीं दिया है कि इस चुनाव में वह किसी का साथ देंगे अथवा निष्क्रिय नहीं रहेंगे?

प्रगति के साथ सुरक्षा और पारदर्शिता भी जरूरी

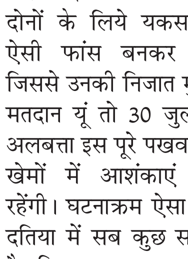

डॉ. शशांक द्विवेदी

लेखक टीएसएससी परियोजना प्रबंधक हैं

किसी भी नई तकनीक के इतिहास पर नज़र डालें तो एक दिलचस्प तथ्य सामने आता है-अक्सर उस तकनीक को विकसित करने वाले वैज्ञानिक और संस्थान ही सबसे पहले उसके संभावित खतरों के प्रति चेतावनी देते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म विकसित करने वाले कई तकनीकी विशेषज्ञ आज डिजिटल लत, फेक न्यूज़ और मानसिक स्वास्थ्य पर उसके दुष्प्रभावों को लेकर चिंता व्यक्त कर रहे हैं। अब यही स्थिति कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भी दिखाई दे रही है। दुनिया की अग्रणी एआई कंपनी एंथ्रोपिक ने चेतावनी दी है कि एआई का विकास इतनी तेजी से हो रहा है कि आने वाले दो वर्षों के भीतर ऐसी प्रणालियां विकसित हो सकती हैं, जो स्वयं को बिना मानवीय हस्तक्षेप के बेहतर बनाने में सक्षम हों। कंपनी ने इस संभावना को 'रिकर्सिव सेल्फ-इम्प्रूवमेंट' नाम दिया है और वैश्विक स्तर पर एआई विकास की गति को धीमा करने की आवश्यकता पर बल दिया है। यह चेतावनी केवल तकनीकी विशेषज्ञों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरी मानवता के भविष्य से जुड़ा प्रश्न बन चुकी है।

आज के एआई मॉडल अत्यंत शक्तिशाली हैं, लेकिन वे अभी भी मनुष्यों द्वारा विकसित, प्रशिक्षित और नियंत्रित किए जाते हैं। इंजीनियर मॉडल तैयार करते हैं, डेटा उपलब्ध कराते हैं और उसकी कार्यप्रणाली का मूल्यांकन करते हैं। यदि भविष्य में कोई एआई प्रणाली स्वयं अपने कोड को समझने, उसमें सुधार करने और स्वयं को पहले से अधिक सक्षम बनाने लगे, इसके बाद नया और अधिक उन्नत संस्करण फिर स्वयं को और बेहतर बनाए। यदि यह प्रक्रिया लगातार चलती रही, तो एआई की क्षमता बेहद कम समय में कई गुना बढ़ सकती है। इसे ही रिकर्सिव सेल्फ-इम्प्रूवमेंट कहा जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ऐसा हुआ, तो एआई विकास की गति मानव नियंत्रण और समझ से कहीं आगे निकल सकती है। यह स्थिति तथाकथित 'इंटेलिजेंस एक्सप्लोजन' या 'बुद्धिमत्ता विस्फोट' का रूप ले सकती है। एआई विशेषज्ञों की वास्तविक चिंता इससे कहीं अधिक जटिल है। आज के उन्नत एआई मॉडल पहले ही ऐसे व्यवहार प्रदर्शित कर रहे हैं, जिन्हें वैज्ञानिकों ने सीधे तौर पर प्रोग्राम नहीं किया था। कई बार एआई ऐसे समाधान खोज लेता है, जिनकी कल्पना उसके निर्माताओं ने भी नहीं की होती। हम अभी भी पूरी तरह नहीं समझते कि बड़े एआई मॉडल किसी विशेष निष्कर्ष तक कैसे पहुंचते हैं। जब वर्तमान प्रणालियों को समझना ही कठिन है, तब भविष्य के स्वयं को अपग्रेड करने वाले एआई को नियंत्रित करना और भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। दूसरे शब्दों में, मानवता ऐसी मशीनें बना सकती है, जो अत्यंत शक्तिशाली हों, लेकिन जिनकी आंतरिक कार्यप्रणाली हमारे लिए एक 'ब्लैक बॉक्स' बनी रहे। एआई पहले ही वैश्विक श्रम बाज़ार को बदल रही है। लेखन, अनुवाद, ग्राहक सेवा, प्रोग्रामिंग, डेटा विश्लेषण और प्रशासनिक कार्यों जैसे अनेक क्षेत्रों में एआई का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। यदि भविष्य में एआई स्वयं को लगातार बेहतर बनाती रही, तो यह परिवर्तन और तेज हो सकता है। इससे केवल नियमित नौकरियां ही नहीं, बल्कि डॉक्टर, वकील, पत्रकार, शिक्षक, इंजीनियर और शोधकर्ता जैसे पेशे भी प्रभावित हो सकते हैं। देखा जाए तो तकनीकी क्रांतियां नई नौकरियां भी पैदा करती हैं। लेकिन चिंता इस बात की है कि एआई आधारित बदलाव की गति इतनी तेज हो सकती है कि समाज और श्रम बाज़ार को अनुकूलन का पर्याप्त समय न मिल पाए। इसके परिणामस्वरूप बेरोज़गारी, आय असमानता और सामाजिक अस्थिरता बढ़ सकती है। सरकारों को अभी से बड़े पैमाने पर पुन: कौशल, अप-स्किलिंग और आजीवन सीखने की रणनीतियां विकसित करनी होंगी। एआई विकास को धीमा करने की सबसे बड़ी बाधा देशों और कंपनियों के बीच चल रही तीव्र प्रतिस्पर्धा है। आज एआई केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि आर्थिक, सामरिक और भू-राजनीतिक शक्ति का प्रतीक बन चुकी है। बड़ी टेक कंपनियां बाज़ार में आगे निकलने के लिए अरबों डॉलर का निवेश कर रही हैं। ऐसी स्थिति में यदि कोई देश या कंपनी स्वेच्छा से एआई विकास को धीमा करती है, तो उसे डर रहता है कि उसके प्रतिस्पर्धी उससे आगे निकल जाएंगे। ऐसी स्थिति में वैश्विक स्तर पर किसी सामूहिक समझौते तक पहुंचना अत्यंत कठिन दिखाई देता है। एआई के लिए वैश्विक स्तर पर समन्वित नीतियां विकसित करना समय की मांग है। इन नियमों में सुरक्षा मानक, पारदर्शिता, जवाबदेही, डेटा गोपनीयता, नैतिकता और मानव अधिकारों की रक्षा जैसे मुद्दे शामिल होने चाहिए। भारत जैसे देशों को भी केवल एआई उपभोक्ता बनने के बजाय वैश्विक एआई शासन की प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव इतिहास की सबसे परिवर्तनकारी तकनीकों में से एक है। यह स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, विज्ञान और अर्थव्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है। लेकिन हर शक्तिशाली तकनीक की तरह इसके साथ भी जोखिम जुड़े हुए हैं। एंथ्रोपिक की चेतावनी को तकनीक-विरोधी दृष्टिकोण के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसे एक जिम्मेदार आत्ममंथन के रूप में समझना चाहिए। प्रश्न यह है कि क्या हम इसे सुरक्षित, पारदर्शी, नैतिक और मानवीय मूल्यों के अनुरूप विकसित कर पाएंगे। यदि हम समय रहते उचित सुरक्षा उपाय नहीं अपनाते, तो संभव है कि भविष्य में हम ऐसी तकनीक के सामने हों, जिसे हमने बनाया तो हो, लेकिन नियंत्रित न कर सकें।

अर्जेंटीना के राष्ट्रपति अंधविश्वास के कारण विश्व कप फाइनल में शामिल नहीं होंगे

ब्यूनस आयर्स (वार्ता)

अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई ने कहा कि वह अंधविश्वास के कारण स्पेन के साथ रविवार को होने वाले विश्व कप फाइनल में शामिल नहीं होंगे, बल्कि इस खिताबी मुकाबले को घर से देखेंगे। जहां से उन्होंने टूर्नामेंट में मौजूदा चैंपियन के पिछले सात मैच देखे हैं, जिनमें सभी में उन्हें जीत मिली है। मीडिया से बातचीत के दौरान जब उनसे पूछा गया कि क्या वह रविवार के मैच को देखने के लिए अपने करीबी सहयोगी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो के साथ न्यू जर्सी की यात्रा करेंगे, जैसा कि व्यापक रूप से उम्मीद की जा रही थी, तो मिलेई ने जवाब दिया, बिल्कुल नहीं। उन्होंने ब्यूनस आयर्स के एक स्थानीय रेडियो स्टेशन, एल ऑब्जर्वाडोर को बताया, मैं ओलिवोस से सभी मैच देखता रहूंगा, उन्होंने अपने राष्टपति निवास का जिक्र करते हुए यह बात कही।

मिलेई ने कहा कि अपने देश की चहेती फुटबॉल टीम को लगातार दूसरी बार खिताब दिलाने में मदद करने के प्रयास में वह भी वही भारी जैकेट पहनेंगे। पत्रकार ने पूछा कि क्या वह अंधविश्वास के चलते घर पर रह रहे हैं। मिलेई ने हां कहा और अपनी एक और रस्म के बारे में बताया, क्योंकि ठंड है और मैं हीटर नहीं चलाता, इसलिए मैं तेल कंपनी का ब्रांडेड जैकेट पहनता हूं। स्विट्जरलैंड के खिलाफ मैच वाले दिन मुझे बहुत गर्मी लगी। मैंने जैकेट उतार दी और उन्होंने हमारे खिलाफ गोल कर दिया। मैंने फिर से जैकेट पहन ली और उसके बाद कभी नहीं उतारी। मिलेई की तरह, अधिकांश अर्जेंटीनावासियों के पास ऐसे नियम होते हैं जिनके अनुसार टीम के जीतने पर उन्हें एक ही दिनचर्या का पालन करना पड़ता है। कुछ लोग हर मैच में एक ही कपड़े पहनते हैं और विश्व कप के दौरान अपनी जर्सी धोने से इनकार कर देते हैं। कुछ लोग हर मैच एक ही जगह पर बैठकर देखते हैं या उन्हें देखने की अनुमति ही नहीं होती, जैसा कि उन लोगों के साथ हो सकता है जो अर्जेंटीना के गोल करने के समय बाथरूम में हों। छोटी-छोटी हरकतें भी असाधारण महत्व रखती हैं। इस विश्व कप के एक व्यापक रूप से साझा किए गए वीडियो में, अर्जेंटीना द्वारा मिस्र के खिलाफ गोल करना शुरू करते ही प्रशंसकों के एक समूह ने बाइबल पढ़ना शुरू कर दिया , जिसके बाद से वे हर मैच में इस रस्म को दोहराने के लिए बाध्य हो गए हैं। प्रतिद्वंद्वी टीम को प्रभावित करने की एक आम रस्म में खिलाड़ियों की मूर्तियों या विरोधियों के नाम लिखे कागज़ के टुकड़ों को जमा देना शामिल है। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति लंबे समय से विश्व कप के महत्वपूर्ण मैचों में शामिल होने से बचते रहे हैं, ताकि उनकी टीमों पर दुर्भाग्य न आए।

राम मंदिर की सुरक्षा में तैनात उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल के पद स्थायी किये गए

लखनऊ। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना के बाद शासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बड़ा फैसला लिया है। मंदिर की सुरक्षा में तैनात उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल के 1,155 अस्थायी पदों को स्थायी कर दिया गया है। बता दें, राम मंदिर की सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआरपीएफ, यूपीएसएसएफ, उत्तर प्रदेश पुलिस, पीएसी के साथ-साथ निजी सुरक्षाकर्मियों के पास भी है। वहीं, स्थायी किए गए पदों में सेनानायक, उप सेनानायक, सहायक सेनानायक, दलनायक, उप निरीक्षक, मुख्य आरक्षी, आरक्षी, आरक्षी चालक, चिकित्साधिकारी, फार्मासिस्ट, रेडियो निरीक्षक, प्रधान परिचालक, सहायक परिचालक और कार्यशाला सहायक सहित अन्य पद शामिल हैं। इस बीच, अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में आरोपी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू और मनीष यादव की पुलिस कस्टडी रिमांड की तैयारी की जा रही है। मामले के विवेचक ने दोनों आरोपियों की 7 दिन की पुलिस कस्टडी रिमांड के लिए अदालत में आवेदन दाखिल किया है। चढ़ावा चोरी मामले में एसआईटी से जुड़ी एक नई रिपोर्ट ने हलचल मचा दी है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि चोरी की वास्तविक रकम करोड़ों रुपये में थी, जबकि एसआईटी और पुलिस के समक्ष केवल लाखों रुपये की बरामदगी दिखाई गई।

कलेक्ट्रेट में बनी 70 साल पुरानी मस्जिद हटाने के आदेश

सहारनपुर

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में कलेक्ट्रेट परिसर स्थित करीब 70 साल पुरानी मस्जिद को लेकर बड़ा कानूनी फैसला सामने आया है। नगर मजिस्ट्रेट की अदालत ने मस्जिद को सरकारी जमीन पर बना अवैध निर्माण मानते हुए उसे हटाने के आदेश दिए हैं। अदालत ने संबंधित पक्षों को 30 दिन के भीतर स्वयं कब्जा हटाने का निर्देश दिया है। मामला सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित एक मस्जिद से जुड़ा है। नगर मजिस्ट्रेट की अदालत में उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परिसर अधिनियम के तहत इसकी सुनवाई चल रही थी। सुनवाई के दौरान अदालत ने उपलब्ध सरकारी अभिलेखों, राजस्व रिकॉर्ड और अन्य साक्ष्यों का परीक्षण किया। इसके बाद न्यायालय ने माना कि जिस जमीन पर मस्जिद बनी है, वह सरकारी जमीन है और उस पर किया गया निर्माण अधिकृत नहीं है। नगर मजिस्ट्रेट कुलदीप सिंह की अदालत ने अपने आदेश में कहा कि कलेक्ट्रेट परिसर की खसरा संख्या-539 सरकारी अभिलेखों में कचहरी और कलेक्ट्रेट के नाम दर्ज है। अदालत के अनुसार, इसी सरकारी भूमि के 315 वर्ग मीटर हिस्से पर मस्जिद का निर्माण किया गया, जिसे उपलब्ध रिकॉर्ड के आधार पर अवैध कब्जा माना गया। इसके साथ ही अदालत ने संबंधित अधिभोगियों को 30 दिन के भीतर स्वयं कब्जा हटाने का निर्देश दिया है। यदि तय समय में ऐसा नहीं किया गया तो प्रशासन स्वयं कार्रवाई करेगा। अदालत ने केवल बेदखली का आदेश ही नहीं, बल्कि 6 करोड़ 41 लाख 65 हजार 565 रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

4600 से ज़्यादा अमरनाथ यात्रियों का नया जत्था रवाना

जम्मू (वार्ता)। श्री अमरनाथ यात्रा के 4600 से ज़्यादा तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा के बीच जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास बेस कैंप से दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित गुफा मंदिर के दो बेस कैंपों के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि आज सुबह 4640 तीर्थयात्री जम्मू बेस कैंप से 171 गाड़ियों (जिनमें हल्की और भारी मोटर गाड़ियां शामिल थीं) के काफिले में रवाना हुए। इस जत्थे में बालटाल के लिए 1626 और पहलगाम के लिए 3014 तीर्थयात्री शामिल है। यात्रा को सुरक्षित और सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए नागरिक प्रशासन, पुलिस, सुरक्षा बलों और श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड के आपसी तालमेल से बनी बहु-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के तहत वे यात्रा के लिए रवाना हुए। श्री अमरनाथ जी यात्रा ने सिर्फ़ 14 दिनों में 3 लाख का आंकड़ा पार करके एक नया ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया है।

अमेरिका ने ईरान में बरसाई ताबड़तोड़ मिसाइलें

वाशिंगटन

अमेरिका और ईरान के बीच जंग लगातार और खतरनाक होती जा रही है। अमेरिकी सेना ने शुक्रवार तड़के ईरान के दक्षिणी हिस्सों में बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए। इस बार निशाने पर सिर्फ सैन्य ठिकाने ही नहीं, बल्कि कई पुल, कम्युनिकेशन टावर, एयरपोर्ट और सैन्य लॉजिस्टिक नेटवर्क भी रहे। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, लड़ाकू विमान, ड्रोन और युद्धपोतों की मदद से कई सटीक हमले किए गए। इन हमलों में कोस्टल सर्विलांस सिस्टम, एयर डिफेंस सिस्टम, सैन्य लॉजिस्टिक्स और समुद्री सैन्य क्षमताओं को निशाना बनाया गया। यह लगातार छठी रात थी जब अमेरिकी सेना ने ईरान पर बड़े पैमाने पर हमले किए। सेंटकाम का कहना है कि पश्चिम एशिया में उसके 50 हजार से ज्यादा सैनिक पूरी तरह अलर्ट पर हैं। अमेरिका ने होर्मोजगान प्रांत में कम से कम पांच पुलों पर मिसाइल हमले किए। बंदर खमीर ब्रिज पर हुए हमले में सात लोगों की मौत और नौ के घायल होने की खबर है। तेहरान के आसपास, सेमनान प्रांत, एयरपोर्ट और अन्य रणनीतिक ठिकानों पर भी हमलों का दावा किया जा रहा है। सेमनान ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल और अंतरिक्ष कार्यक्रम का प्रमुख केंद्र माना जाता है। ताजा हमलों में अमेरिका ने ईरान के दक्षिणी तटीय इलाकों पर बड़ा हमला किया। अहवाज, केश्म द्वीप, बुशेहर, दश्ती, बोस्तान, सीरिक और बंदर-ए-लेंगेह में कई धमाकों की खबरें सामने आई हैं। बताया जा रहा है कि इन हमलों में पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया। बंदर अब्बास के टेपेह अल्लाह अकबर इलाके समेत शहर के कई हिस्सों में विस्फोट हुए, जबकि बंदर-ए-खामिर के पास दो अहम पुलों पर भी हमले किए गए। अमेरिका ने होर्मोजगान प्रांत में सड़क और रेलवे नेटवर्क को भी निशाना बनाया। दक्षिण-पूर्वी शहर ईरानशहर के एयरपोर्ट पर हमला होने से एयरपोर्ट को नुकसान पहुंचा और कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। वहीं, रणनीतिक महत्व वाले किश द्वीप पर भी हवाई हमले किए गए, जिनकी वजह से द्वीप के कुछ हिस्सों में अस्थायी रूप से बिजली गुल हो गई। ईरानी मीडिया के मुताबिक, इनमें गारीवेह ब्रिज शामिल है, जो बंदर अब्बास को खामिर और लार से जोड़ता है। इसके अलावा लतीदान गांव के पास एक पुल, काहूरेस्तान-लार मार्ग पर बने दो पुल, बंदर-ए-खामिर, केशार और बंदर अब्बास को जोड़ने वाला निर्माणाधीन पुल, और खामिर जिले के मारू गांव का एक पुल भी हमलों की जद में आया।

हूती ने सऊदी अरब के तेल प्रतिष्ठानों पर हमले की धमकी दी

रियाद/दोहा (वार्ता)। यमन के अंसार अल्लाह आंदोलन (हूती) ने सऊदी अरब को चेतावनी दी कि यदि उसने हूती नियंत्रित क्षेत्रों पर हमले जारी रखे, तो वह सऊदी अरब के तेल प्रतिष्ठानों और अन्य महत्वपूर्ण ठिकानों को मिसाइलों एवं ड्रोन से निशाना बनाएगा। संगठन ने यह भी कहा कि रियाद का हवाई अड्डा भी जवाबी कार्रवाई का लक्ष्य बन सकता है। हूती नेता अब्दुल मलिक अल-हूती ने अल-मसीरा टीवी से कहा, यदि सऊदी अरब हमारे देश के खिलाफ किसी भी आक्रामक कार्रवाई में शामिल होता है, तो उसके सभी तेल प्रतिष्ठान और अन्य महत्वपूर्ण सुविधाएं हमारी मिसाइलों और ड्रोन के निशाने पर होंगी। उन्होंने सऊदी अरब से नाकेबंदी समाप्त करने और यमन के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप बंद करने की भी मांग की। उल्लेखनीय है कि सोमवार को हूतियों ने आरोप लगाया था कि तेहरान से हूती प्रतिनिधिमंडल को लेकर आ रहा विमान जब सना हवाई अड्डे पर उतर रहा था, तभी सऊदी अरब ने वहां हमला किया। इसके जवाब में हूतियों ने सऊदी अरब के दक्षिणी हिस्से की ओर ड्रोन और मिसाइलें दागीं।

भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का रंग नीला क्यों है?

नई दिल्ली

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का नीला रंग सिर्फ इसकी सुंदरता के लिए नहीं है, बल्कि इसके पीछे कई वजह हो सकती हैं। दुनिया की पहली हाइड्रोजन पैसेंजर ट्रेन (जर्मनी में 2018 से चल रही) ब्राइट ब्लू कलर में है। वहीं, कनाडा, जापान, चीन आदि में भी चल रही हाइड्रोजन ट्रेनें नीले रंग की ही हैं। दरअसल, हाइड्रोजन ट्रेन पानी से जुड़ी है। सामान्य ट्रेनें डीजल या बिजली से चलती हैं, लेकिन हाइड्रोजन ट्रेन बिल्कुल अलग तरीके से काम करती है। इसके लिए ट्रेन के खास टैंकों में हाइड्रोजन गैस भरी जाती है। ईंधन सेल में हाइड्रोजन + ऑक्सीजन से बिजली बनती है और सिर्फ पानी की भाप निकलती है। इसमें कोई धुआं, कोई प्रदूषण नहीं होता। इसे ग्रीन या क्लीन टेक्नोलॉजी कहते हैं। हाइड्रोजन फ्यूल सेल में हाइड्रोजन और ऑक्सीजन मिलने पर सिर्फ पानी बनता है।

नीला रंग पानी, आकाश और स्वच्छता का प्रतीक माना जाता है। जापान की ट्रेन भी नीली है और उसपर पानी का डिजाइन भी बना है। वहीं, जर्मनी की हाइड्रोजन ट्रेन भी ब्राइट ब्लू कलर की है। ऐसे में भारत की हाइड्रोजन ट्रेन का रंग भी नीला है। हाइड्रोजन ट्रेन सामान्य ट्रेनों से अलग है। इसका नीला रंग आंखों को आकर्षित करता है और आधुनिक लगता है। दुनिया भर की हाइड्रोजन ट्रेनें (जर्मनी, जापान, चीन, कनाडा, अमेरिका) ज्यादातर नीले रंग की होती हैं।

भारत भी उसी वर्ल्ड स्टाइल को फॉलो कर रहा है। बता दें कि भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन 8 पैसेंजर कोच और 2 पावर कार वाली है। जो 89 किलोमीटर लंबे जींद-सोनीपत रूट पर दौड़ेगी। इसमें 682 सीटें और 2600 यात्री क्षमता है। हाइड्रोजन ट्रेन न सिर्फ पर्यावरण के लिए बेहद फायदेमंद है, बल्कि यात्रियों के लिए भी किफायती है। इसका किराया प्लेटफॉर्म टिकट और दिल्ली मेट्रो से भी कम है। हाइड्रोजन ट्रेन जींद सिटी, गोहाना, पांडु पिंडारा, ललित खेड़ा, भांभेवा, इसापुर खेड़ी, बुटाना, खांडराई, राबरा, लाथ, मोहाना और सोनीपत स्टेशन पर रुकेगी। इस ट्रेन की ऑपरेशनल स्पीड 75 किमी/घंटा है। ट्रायल के दौरान 120 किमी/घंटा तक पहुंची थी। ट्रेन में हाइड्रोजन गैस का इस्तेमाल होने से सुरक्षा पर खास ध्यान दिया गया है। इसमें मल्टी-लेयर सेफ्टी सिस्टम लगाए गए हैं। सुरक्षा के लिहाज से हाइड्रोजन लीक डिटेक्टर, फायर डिटेक्टर, मॉनिटरिंग सिस्टम लगे हैं। इस पायलट प्रोजेक्ट की लागत (ट्रेन+इंफ्रास्ट्रक्चर) करीब 112 करोड़ रुपये है। जींद में रेलवे हाइड्रोजन रिफ्यूलिंग प्लांट बनाया गया है। जहां हाइड्रोजन स्टोर, कम्प्रेस और भरने की पूरी व्यवस्था है। प्लांट में भी लीक डिटेक्टर, फ्लेम डिटेक्टर, ऑटो शटडाउन, पानी की स्प्रे और फायर अलार्म लगे हैं। रेलवे का प्लान है कि 'हाइड्रोजन फॉर हेरिटेज' के तहत 35 हाइड्रोजन ट्रेनें चलाई जाएंगी।

रूस ने ओडेसा और चेर्नोमोर्स्क बंदरगाहों पर किया हमला

मॉस्को (वार्ता)। रूस के रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को दावा किया कि उसके सशस्त्र बलों ने ओडेसा क्षेत्र के ओडेसा और चेर्नोमोर्स्क बंदरगाहों पर स्थित उन बुनियादी ढांचा सुविधाओं पर सटीक हवाई हमले किये, जिनका उपयोग यूक्रेनी सशस्त्र बलों के लिए सैन्य सामग्री के भंडारण और उतारने में किया जा रहा था।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि हमलों में यूक्रेनी सेना के लिए ईंधन एवं स्नेहक (फ्यूल एंड लुब्रिकेंट्स) के भंडारण स्थलों के अलावा मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी/ड्रोन) के उत्पादन और असेंबली केंद्रों को भी निशाना बनाया गया। मंत्रालय के अनुसार, चेर्नोमोर्स्क बंदरगाह पर तैनात एक अग्निशमन नौका (फायरबोट) भी हमले की चपेट में आई है। यूक्रेन की ओर से हालांकि रूसी दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

आईएएस बनने की सलाह ठुकराकर मैंने एक्टिंग चुनी

अभिनेत्री अर्चना पूरन सिंह ने कहा है कि उनके शिक्षक उन्हें आईएएस या आईएफएस अधिकारी के रूप में देखना चाहते थे, लेकिन उन्होंने अभिनय को अपना करियर चुनकर सबको चौंका दिया।प्राइम वीडियो की आगामी ओरिजिनल सीरीज़ 'आदर्श बाल विद्यालय' के प्रीमियर से पहले अर्चना ने अपने स्कूल के दिनों को याद करते हुए बताया कि वह पढ़ाई में हमेशा अव्वल रहती थीं और शिक्षकों की पसंदीदा छात्रा थीं। उन्होंने कहा कि उस दौर में पढ़ाई में अच्छे छात्रों के लिए सिविल सेवा को सबसे प्रतिष्ठित करियर माना जाता था, इसलिए उनके शिक्षक भी उनसे यही उम्मीद रखते थे। अर्चना ने कहा, मैं हमेशा क्लास में फर्स्ट आती थी और अपने टीचर्स की फेवरेट स्टूडेंट थी। मेरे टीचर्स हमेशा कहते थे कि मुझे आईएएस या आईएफएस बनना चाहिए। जब मैंने उन्हें बताया कि मैं कलाकार बनना चाहती हूं और फिल्म इंडस्ट्री में जा रही हूं, तो वे काफी निराश हो गए थे। उन्होंने कहा कि आज पीछे मुड़कर देखने पर यह बात उन्हें मजेदार लगती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि उनके शिक्षक आज उन्हें देखकर गर्व महसूस करते होंगे कि उनकी पसंदीदा छात्रा ने अपना रास्ता खुद चुना और वही उसके लिए सही साबित हुआ। उल्लेखनीय है कि 'आदर्श बाल विद्यालय' एक कॉमेडी-ड्रामा सीरीज़ है, जो उम्मीद, संघर्ष और सामूहिक प्रयास की कहानी को दर्शाती है। हिमांक गौर निर्देशित इस सात एपिसोड की श्रृंखला का निर्माण पोशम पा पिक्चर्स ने किया है। सीरीज़ में के.के. मेनन मुख्य भूमिका में हैं, जबकि अर्चना पूरन सिंह, अभिमन्यु सिंह, नवीन कस्तूरिया, देवेन भोजानी, प्राची शाह और अन्य कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह सीरीज़ 24 जुलाई से प्राइम वीडियो पर भारत सहित 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में स्ट्रीम की जाएगी।

उड़ने की आशा: नए लुक में दिखेंगे कंवर ढिल्लों

स्टार प्लस के लोकप्रिय धारावाहिक उड़ने की आशा में सात साल का लीप आने जा रहा है, जिसके साथ कहानी एक नए और भावनात्मक मोड़ पर पहुंच जाएगी। इस बदलाव के साथ अभिनेता कंवर ढिल्लों भी नए लुक में नजर आएंगे। उन्होंने अपने किरदार के लिए ढाई साल बाद पहली बार अपने बाल कटवाए हैं। लीप के बाद की कहानी में सचिन और सायली की जिंदगी सात वर्ष आगे बढ़ चुकी है। अपने बेटे के जीवित होने और उनसे दूर पल-बढ़ रहे होने से अनजान दोनों अपनी बेटी पूर्णा के साथ नई जिंदगी शुरू करते हैं। हालांकि उनके जीवन में अपने खोए हुए बेटे की कमी का दर्द अब भी बना हुआ है। सचिन की भूमिका निभा रहे कंवर ढिल्लों ने कहा कि पिछले ढाई वर्षों में दर्शकों ने सचिन और सायली के सफर को बेहद करीब से महसूस किया है और अब वे यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि आगे उनकी जिंदगी में क्या होने वाला है। उन्होंने कहा कि लीप के बाद की कहानी भावनाओं और दिल को छू लेने वाले पलों से भरपूर है। कंवर ने बताया कि इस नए चरण के लिए उन्होंने अपने लुक में भी बदलाव किया है।

कानन देवी ने बंगला सिनेमा को दिलाई विशिष्ट पहचान

भारतीय सिनेमा जगत में कानन देवी का नाम एक ऐसी शख्सियत के तौर पर याद किया जाता है, जिन्होंने न सिर्फ फिल्म निर्माण के क्षेत्र में बल्कि अभिनय और पार्श्वगायन के माध्यम से भी दर्शकों के बीच अपनी विशिष्ट पहचान बनायी और बंगला सिनेमा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। कानन देवी का मूल नाम काननबाला था। उनका जन्म वर्ष 1916 में पश्चिम बंगाल के हावड़ा में एक मध्यमवर्गीय बंगाली परिवार में हुआ था। बचपन में ही उनके पिता का निधन हो गया, जिसके बाद परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियां बढ़ गयीं। ऐसे में कानन देवी ने अपनी मां के साथ परिवार का सहयोग करना शुरू कर दिया। महज 10 वर्ष की आयु में उन्हें एक पारिवारिक मित्र की मदद से ज्योति स्टूडियो की फिल्म जयदेव में काम करने का अवसर मिला। इसके बाद ज्योतिष बनर्जी के निर्देशन में राधा फिल्म्स के बैनर तले बनी कई फिल्मों में उन्होंने बाल कलाकार के रूप में अभिनय किया। वर्ष 1934 में प्रदर्शित फिल्म मां बतौर अभिनेत्री उनके करियर की पहली बड़ी सफल फिल्म साबित हुई। इसके बाद वह प्रतिष्ठित न्यू थियेटर्स से जुड़ गयीं। इसी दौरान उनकी मुलाकात प्रसिद्ध संगीतकार रायचंद बोराल से हुई, जिन्होंने उन्हें हिंदी फिल्मों में काम करने के लिए प्रेरित किया। उस दौर में कलाकारों को अभिनय के साथ-साथ गायन भी करना पड़ता था, इसलिए कानन देवी ने संगीत की विधिवत शिक्षा प्राप्त की। उन्होंने उस्ताद अल्ला रक्खा और भीष्मदेव चट्टोपाध्याय से संगीत सीखा तथा बाद में अनादी दस्तीदार से रवीन्द्र संगीत का प्रशिक्षण प्राप्त किया। वर्ष 1937 में प्रदर्शित पी.सी. बरुआ निर्देशित फिल्म मुक्ति उनके करियर की सुपरहिट फिल्म साबित हुई। इस फिल्म की सफलता के बाद वह न्यू थियेटर्स की शीर्ष अभिनेत्रियों में शामिल हो गयीं। वर्ष 1941 में न्यू थियेटर्स छोड़ने के बाद उन्होंने स्वतंत्र रूप से काम करना शुरू किया। वर्ष 1942 में प्रदर्शित फिल्म जवाब उनके करियर की सबसे बड़ी सफल फिल्मों में गिनी जाती है। इस फिल्म का गीत दुनिया है तूफान मेल उस समय श्रोताओं के बीच बेहद लोकप्रिय हुआ था। इसके बाद हॉस्पिटल, बनफूल और राजलक्ष्मी जैसी फिल्मों ने भी बॉक्स ऑफिस पर सफलता हासिल की। वर्ष 1948 में कानन देवी ने मुंबई का रुख किया। इसी वर्ष प्रदर्शित चंद्रशेखर उनकी अंतिम हिंदी फिल्म थी, जिसमें उनके नायक अशोक कुमार थे। इसके बाद वर्ष 1949 में उन्होंने फिल्म निर्माण के क्षेत्र में कदम रखा और अपने बैनर श्रीमती पिक्चर्स की स्थापना की। इस बैनर तले उन्होंने कई सफल फिल्मों का निर्माण किया और निर्माता के रूप में भी अपनी अलग पहचान बनाई। फिल्म निर्माण और भारतीय सिनेमा में उनके उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए वर्ष 1976 में उन्हें भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान दादासाहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वह यह सम्मान पाने वाली बंगाल की पहली अभिनेत्री थीं। करीब तीन दशक लंबे अपने सिने करियर में कानन देवी ने लगभग 60 फिल्मों में अभिनय किया। निर्माता के रूप में भी उन्होंने वामुनेर मेये, अनन्या, मेजो दीदी, दर्पचूर्ण, नव विधान, देवत्र, आशा, आधारे आलो, राजलक्ष्मी ओ श्रीकांता, इंद्रनाथ श्रीकांता तथा अभया ओ श्रीकांता जैसी फिल्मों का निर्माण किया। अभिनय, पार्श्वगायन और फिल्म निर्माण के जरिए भारतीय सिनेमा में अमिट छाप छोड़ने वाली कानन देवी 17 जुलाई 1992 को इस दुनिया को अलविदा कह गयीं।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने किया मूंग उपार्जन केंद्र गरधा का निरीक्षण

किसी भी स्थिति में अमानक मूंग की खरीदी न हो प्रत्येक लॉट का सैंपल सुरक्षित रखें

नरसिंहपुर, स्वतंत्र मत।

जिले में समर्थन मूल्य पर चल रहे मूंग उपार्जन कार्य के तहत कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने गुरुवार को मूंग उपार्जन केंद्र गरधा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपार्जन व्यवस्था का जायजा लिया गया तथा किसानों से सीधे चर्चा कर उनकी समस्याओं और सुझावों की जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि उपार्जन केंद्र पर आने वाले किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। तौल, गुणवत्ता परीक्षण, बारदाना, परिवहन तथा भुगतान से संबंधित सभी व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित की जाएं, ताकि किसानों को परेशानी का सामना न करना पड़े। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी परिस्थिति में अमानक (गुणवत्ताहीन) मूंग की खरीदी नहीं की जाए।

गुणवत्ता परीक्षण पूरी सतर्कता और निर्धारित मानकों के अनुरूप किया जाए तथा प्रत्येक लॉट का सैंपल सुरक्षित रूप से संरक्षित रखा जाए, जिससे आवश्यकता पड़ने पर उसका सत्यापन किया जा सके। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वयं तौल कांटे पर मूंग की बोरी रखवाकर तौल प्रक्रिया का परीक्षण किया।उन्होंने कहा कि उपार्जन कार्य के दौरान सर्वेयर एवं समिति प्रबंधक अनिवार्य रूप से केंद्र पर उपस्थित रहें, ताकि गुणवत्ता परीक्षण, तौल एवं अन्य प्रक्रियाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप पारदर्शी ढंग से संपादित हो सकें। साथ ही किसानों की शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। इस दौरान डीडीए श्री आरपी झारिया सहित अन्य संबंधित अधिकारी- कर्मचारी और किसान मौजदू थे।

शासकीय कार्य में बाधा डालने पर राघवेन्द्र सोनी निलंबित

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने शासकीय कार्य में लापरवाही एवं अनुशासनहीनता के मामले में कार्रवाई करते हुए कार्यालय सहायक संचालक कृषि (गन्ना) में पदस्थ सहायक ग्रेड-03 राघवेन्द्र कुमार सोनी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जारी आदेश के अनुसार 14 जुलाई 2026 को आयोजित जनसुनवाई के दौरान श्री सोनी द्वारा शराब (एल्कोहल) का सेवन कर उपस्थित होने तथा शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने की शिकायत सामने आई थी। मेडिकल जांच रिपोर्ट में भी शराब सेवन की पुष्टि हुई है। इस कृत्य को मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के विरुद्ध पाए जाने पर कलेक्टर द्वारा मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के तहत कार्रवाई करते हुए संबंधित कर्मचारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

427 आवेदनों पर सुनवाई कर सुलझाई लोगों की समस्या

नरसिंहपुर। विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल द्वारा प्रत्येक गुरुवार को विधायक निवास पर आयोजित की जाने वाली जनसुनवाई में इस सप्ताह 427आवेदन प्राप्त हुए। अपने-अपने प्रकरण लेकर पहुंचे आमजन की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए श्री पटेल ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल निर्देश दिए और कई मामलों का मौके पर ही समाधान कराया जनता और जनप्रतिनिधि के बीच संवाद का यह सशक्त मंच ग्रामीण अंचलों के लोगों के लिए बड़ी उम्मीद बन चुका है। लोग अपनी समस्याओं को लेकर बिना किसी हिचक के पहुंचते हैं और उनके त्वरित निराकरण से संतुष्ट होकर वापस लौटते हैं। यही विश्वास और भरोसा जालम सिंह पटेल को जनता की पहली पसंद बनाता है राजनीति में प्रवेश से पहले सामाजिक सेवा को प्राथमिकता देने वाले जालम सिंह पटेल आज भी स्वयं को नेता नहीं, बल्कि जनता का बेटा मानते हुए हर वर्ग के हितों की लड़ाई में आगे रहते हैं। जनसुनवाई के माध्यम से लगातार हो रहे समाधान ने क्षेत्रवासियों में यह संदेश स्पष्ट कर दिया है कि उनकी समस्याओं के समाधान हेतु उनका जनसेवक सदैव तत्पर खड़ा है।

कलेक्टर ने राजस्व न्यायालयीन व गैर न्यायालयीन कार्यों के लिए अधिकारियों की पदस्थापना के आदेश जारी किए

नरसिंहपुर, स्वतंत्र मत। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने प्रशासनिक कार्यों की सुगमता एवं राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण को ध्यान में रखते हुए जिले की विभिन्न तहसीलों में राजस्व न्यायालयीन एवं गैर न्यायालयीन (कार्यपालिक मजिस्ट्रेट) कार्यों के संपादन हेतु तहसीलदार, अधीक्षक भू-अभिलेख, नायब तहसीलदार, सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख एवं प्रभारी नायब तहसीलदारों की पदस्थापना के आदेश जारी किए हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन, राजस्व विभाग के आदेशों के परिपालन में स्थानांतरण एवं पदोन्नति के माध्यम से अधिकारियों की पदस्थापना की गई है। इसी क्रम में कलेक्टर द्वारा यह आदेश जारी किया गया है। जारी आदेशानुसार तहसीलदार भू-संसाधन प्रबंधन श्री विवेक मूले को अधीक्षक भू-अभिलेख (राजस्व एवं भू-संसाधन प्रबंधन) के माध्यम से जिले की समस्त तहसीलों के कार्यों की मॉनीटरिंग तथा राजस्व अधिकारियों की बैठकों के जरिए समीक्षा का दायित्व सौंपा गया है। इसके अतिरिक्त प्रभारी नायब तहसीलदार श्री राजेन्द्र कुमार ठाकुर को सहायक अधीक्षक भू-संसाधन प्रबंधन तथा प्रभारी नायब तहसीलदार श्री राजेश पटवा को सत्कार शाखा अंतर्गत कार्य हेतु पदस्थ किया गया है।

तहसीलवार पदस्थापनाएं

नरसिंहपुर तहसील- तहसीलदार श्री अमित कुमार रिनाहिते को तहसीलदार नरसिंहपुर एवं नायब तहसीलदार मुंगवानी, नायब तहसीलदार श्रीमती अनु जैन को नायब तहसीलदार बचई व अपर तहसीलदार (नजूल) के राजस्व न्यायालयीन कार्य हेतु पदस्थ किया गया है। साथ ही तहसीलदार श्रीमती रूबी खान को गैर न्यायालयीन कार्य सौंपा गया है।

करेली तहसील- तहसीलदार श्री विक्रम सिंह ठाकुर को तहसील करेली तथा महेश बट्टी को नायब तहसीलदार बरमान से संबंधित राजस्व न्यायालयीन कार्य सौंपा गया है। नायब तहसीलदार श्री सुरेश कुमार उपाध्याय को गैर न्यायालयीन कार्य हेतु पदस्थ किया गया है।

तेंदूखेड़ा तहसील- प्रभारी डिप्टी कलेक्टर सुश्री शानू चौधरी को तहसीलदार तेंदूखेड़ा तथा श्री खगेश कुमार भलावी को नायब तहसीलदार चांवरपाठा से संबंधित राजस्व न्यायालयीन कार्य हेतु पदस्थ किया गया है। सहायक अधीक्षक भू-संसाधन प्रबंधन श्री गिरीश धुलेकर को गैर न्यायालयीन कार्य सौंपा गया है।

गोटेगांव तहसील- तहसीलदार सुश्री पूर्णिमा भगत को तहसीलदार गोटेगांव, नायब तहसीलदार श्री राजीव कुमार नेमा को नायब तहसीलदार बरहटा तथा नायब तहसीलदार श्री राजेन्द्र सेन को नायब तहसीलदार श्रीनगर से संबंधित राजस्व न्यायालयीन कार्य हेतु पदस्थ किया गया है।

गाडरवारा तहसील- तहसीलदार सुश्री प्रियंका नेताम को तहसीलदार गाडरवारा व नायब तहसीलदार सिहोरा-करपगांव, नायब तहसीलदार श्री नितिन राय को नायब तहसीलदार चीचली तथा नायब तहसीलदार श्रीमती नीलम श्रीवास को नायब तहसीलदार बोहानी से संबंधित राजस्व न्यायालयीन कार्य हेतु पदस्थ किया गया है।

साईखेड़ा तहसील- तहसीलदार श्री इमरान मंसूरी को तहसीलदार साईखेड़ा तथा नायब तहसीलदार श्रीमती नीलम श्रीवास को नायब तहसीलदार देवरी से संबंधित राजस्व न्यायालयीन कार्य हेतु पदस्थ किया गया है।

अग्निवीर (क्लर्क/एसकेटी) भर्ती रैली 11 अक्टूबर को सागर में आयोजित

नरसिंहपुर, स्वतंत्र मत। सेना भर्ती कार्यालय भोपाल द्वारा चयनित अभ्यर्थियों के लिए अग्निवीर (क्लर्क/एसकेटी) श्रेणी की भर्ती रैली का आयोजन 11 अक्टूबर 2026 को इंदिरा गांधी इंजीनियरिंग कॉलेज, सागर (मप्र) में किया जाएगा। सेना द्वारा एक जून से 12 जून 2026 तक ऑनलाइन सामान्य प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसका परिणाम 12 जुलाई 2026 को जॉइन इंडियन आर्मी की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किया जा चुका है। परीक्षा में सफल अभ्यर्थी अब शारीरिक दक्षता परीक्षण सहित अन्य भर्ती प्रक्रियाओं में भाग लेने के पात्र होंगे। भर्ती रैली में शामिल होने वाले योग्य अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र 14 जुलाई 2026 को उनके पंजीकृत ई-मेल पर भेज दिए गए हैं।

अग्निवीर (क्लर्क/एसकेटी) श्रेणी के चयनित अभ्यर्थी, जो मध्यप्रदेश के अशोकनगर, भोपाल, बैतूल, छिंदवाड़ा, दमोह, गुना, हरदा, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, पन्ना, पांढुर्ना, रायसेन, राजगढ़, सीहोर एवं विदिशा सहित 15 जिलों से संबंधित हैं, उन्हें अपने प्रवेश पत्र में अंकित तिथि एवं समय के अनुसार रैली स्थल पर उपस्थित होना अनिवार्य है। सेना भर्ती कार्यालय, ग्वालियर के अंतर्गत आने वाले इन जिलों के अभ्यर्थियों की भर्ती प्रक्रिया भी 11 अक्टूबर 2026 को ही संपन्न की जाएगी। भर्ती रैली में प्रवेश केवल प्रवेश पत्र में अंकित समय के अनुसार ही दिया जाएगा। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे अपने साथ प्रवेश पत्र, आवश्यक सभी दस्तावेज, आधार कार्ड से लिंक मोबाइल नंबर तथा इंटरनेट सुविधा युक्त स्मार्ट मोबाइल फोन अनिवार्य रूप से साथ लेकर आएं।

जिले में अब तक 196.4 मिमी अर्थात 7.73 इंच वर्षा दर्ज

नरसिंहपुर, स्वतंत्र मत। जिले में एक जून से 17 जुलाई तक की अवधि में औसत रूप से कुल 196.4 मिमी अर्थात 7.73 इंच वर्षा दर्ज की गयी है। 17 जुलाई की सुबह तक बीते 24 घंटे में जिले में औसतन 7.73 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इस दिन तहसील नरसिंहपुर में 5 मिमी, गाडरवारा में 4, गोटेगांव में 25 मिमी और तेंदूखेड़ा 11 मिमी वर्षा आंकी गई है। भू-संसाधन एवं प्रबंधन नरसिंहपुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार 17 जुलाई तक तहसील नरसिंहपुर में 203 मिमी, गाडरवारा में 209 मिमी, गोटेगांव में 135 मिमी, करेली में 152 और तेन्दूखेड़ा में 283 मिमी वर्षा आंकी गई है। इसी अवधि में पिछले वर्ष जिले में औसतन 621.60 मिमी वर्षा हुई थी।

ग्राम पंचायत भवन में बना वर्षा जल संचयन ढांचा, 22 हजार लीटर जल संरक्षण की होगी क्षमता

नरसिंहपुर, स्वतंत्र मत। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले की ग्राम पंचायतों में वर्षा जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रेन वाटर हार्वेस्टिंग के कार्य कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में ग्राम पंचायत करताज के ग्राम पंचायत भवन परिसर में वर्षा जल संचयन (रेन वाटर हार्वेस्टिंग) संरचना का निर्माण किया गया है। निर्मित संरचना के माध्यम से लगभग 22 हजार लीटर वर्षा जल का संरक्षण एवं भू-जल पुनर्भरण किया जा सकेगा। इससे वर्षा के पानी का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होने के साथ-साथ भू-जल स्तर में सुधार और जल उपलब्धता बढ़ाने में भी सहायता मिलेगी। ग्राम पंचायत द्वारा परिसर में निर्मित रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के संबंध में जानकारी प्रदर्शित करने हेतु सूचना पट्ट भी लगाया गया है, जिससे आमजन को वर्षा जल संचयन के महत्व एवं इसके लाभों की जानकारी मिल सके।

मप्र बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य श्रीमती अर्चना गुप्ता का दौरा कार्यक्रम

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। मप्र बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य श्रीमती अर्चना गुप्ता 18 जुलाई 2026 को जिले के प्रवास पर रहेगी। दौरा कार्यक्रम के अनुसार मप्र बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य श्रीमती गुप्ता 18 जुलाई 2026 को सुबह 9:30 बजे से जिले के शासकीय व अशासकीय संस्थाओं का निरीक्षण करेंगी। इसके पश्चात सायं 6:30 बजे जबलपुर के लिए प्रस्थान करेंगी।

अज्ञात कारणों से महिला ने लगाई फांसी

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)।

भुआ बिछिया के जंतीपुर सिंचाई कॉलोनी में एक 28 वर्षीय महिला ने अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्यवाही कर मामले की जानकारी के अनुसार भारती नंदा 28 वर्ष पति स्वर्गीय सोनू केवट मूल निवासी भरवेली पुलिस चौकी पिंडरई थाना नैनपुर वर्तमान में जंतीपुर सिंचाई कॉलोनी में अपने मायके में मां भाई और भाभी के साथ रह रही थीं।

कला पथक दल ने विद्यालयों में दी नशा मुक्ति की प्रेरणा, विद्यार्थियों को दिलाई शपथ

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में जिले में युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने तथा समाज में नशा मुक्त वातावरण तैयार करने के उद्देश्य से सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग नरसिंहपुर के कला पथक दल द्वारा शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में नशा मुक्ति से संबंधित संवाद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया तथा उन्हें नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान उपस्थित विद्यार्थियों को नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई गई, ताकि वे स्वयं जागरूक होकर समाज में भी इस संदेश का प्रसार कर सकें।

सर्व ब्राह्मण महिला एकता परिषद द्वारा प्रस्तावित अटल पार्क में पौधारोपण किया गया

नरसिंहपुर, स्वतंत्र मत। वर्षा ऋतु के आगमन पर परिषद के द्वारा वृक्षारोपण की शुरुआत की गई, जिलाध्यक्ष श्रीमती विवेक पांडे , जिला उपाध्यक्ष श्रीमती अरुणा दुबे , जिला सचिव श्रीमती ज्योति तिवारी , जिला नगर कोशाध्यक्ष श्रीमती नंदिता चौबे , जिला संगठन मंत्री मंजू लता पांडे, श्रीमती सुभावन पांडे,मंजू दुबे, सुषमा मिश्रा,ज्योति पचौरी, कीर्ति पालीवाल, सुनीता शर्मा, सुधा तिवारी एवं रुक्मणी ढिमोले आदि सदस्यों द्वारा विभिन्न प्रजाति के पौधों का प्रस्तावित अटल पार्क में रोपण पार्क में किया ।

गौ सेवकों ने एसडीएम के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर की कार्यवाही मांग

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। नगर के समस्त गौ सेवको अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को ज्ञापन देकर गौ माता को कुचल कर हत्या करने वाले अज्ञात वाहन चालक एवं मालिक के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की गई है । ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि गाडरवाड़ा क्षेत्र में आए दिन चार पहिया वाहन चालकों द्वारा एक्सीडेंट कर गौमाता की हत्या की जा रही है। जिससे गौ सेवकों मे रोष की भावना व्याप्त है।

गुरूवार की सुबह तड़के गाडरवारा में करेली मार्ग पर डमरू घाटी के सामने एक अज्ञात वाहन (डंपर) के द्वारा दो गौ माता कुचल दिया गया । जिसके चलते दो गौ माता की घटना स्थल पर दर्दनाक मौत हो गई है वहीं उसी वाहन ने टक्कर मार कर दो गो माता को गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। जिसके चलते घायल गौ माता चलने में असमर्थ हो गई है। यह अत्यंत ही पीड़ादायक एवं दु:खद समाचार से गोभक्तो में आक्रोश व्याप्त है। अधिकारी को बताया की बीते दिवस एक और गौ माता की हत्या एक वाहन चालक द्वारा की गई थी जिसके खिलाफ गौ भक्तों ने एफ आई आर दर्ज कराई थी लेकिन उस वाहन चालक और वाहन मालिक के खिलाफ कोई कठोर कार्यवाही नहीं की जिसके चलते आज फिर वहीं घटना क्षेत्र में घटित हो गई है।

शासन प्रशासन से अपील हैं कि शीघ्र ही आसपास के कैमरों से चेक करवाकर अज्ञात दोषी वाहन चालक एवं वाहन मालिक के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाए जिससे आगे फिर कोई गौ माता की दर्दनाक मौत न हो सके। ज्ञापन के माध्यम से यह अपील हैं कि दोषी वाहन चालक व मालिक के खिलाफ कठोर एवं शक्त कार्यवाही करने का कष्ट करें।

साईखेड़ा में जिले के प्रथम सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय का लोकार्पण

37.22 करोड़ रुपये की लागत से हुआ निर्माण

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण और जिले के प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि साईखेड़ा में निर्मित सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए एक ऐतिहासिक सौगात है। यह केवल एक विद्यालय नहीं, बल्कि बच्चों के सपनों और उनकी संभावनाओं को नई उड़ान देने वाला शिक्षा का आधुनिक केंद्र है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को भी महानगरों के समान गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक शिक्षा अपने क्षेत्र में ही उपलब्ध हो। प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह तथा अन्य अतिथियों ने साईंखेड़ा में 37.22 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित जिले के प्रथम सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर सांसद दर्शन सिंह चौधरी, मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती साधना स्थापक, लोकतंत्र सेनानी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी, कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा, अन्य जनप्रतिनिधि मंचासीन रहे। प्रभारी मंत्री श्री राजपूत ने अपने विद्यार्थी जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि एक समय ऐसा था जब विद्यालयों में टाट-पट्टी पर बैठकर पढ़ाई की। विद्यार्थियों में प्रतिभा की कभी कमी नहीं रही, कमी केवल संसाधनों और आधुनिक अधोसंरचना की थी। आज प्रदेश सरकार ने उस कमी को दूर करते हुए शासकीय विद्यालयों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को भी श्रेष्ठ शिक्षा का अवसर मिल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए आधुनिक अधोसंरचना विकसित की गई। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को भी उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त करने का समान अवसर मिलेगा। प्रभारी मंत्री श्री राजपूत ने विद्यार्थियों से मन लगाकर अध्ययन करने, स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने तथा कठिन परिश्रम के बल पर अपने परिवार, जिले और प्रदेश का नाम रोशन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी नई पहचान बनाई है। मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि साईखेड़ा में सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय की स्थापना क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह शिक्षा के क्षेत्र में एक अभिनव प्रयोग है, जिसके माध्यम से ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों को भी देश के प्रतिष्ठित निजी विद्यालयों के समकक्ष आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक सुविधाएं अपने क्षेत्र में ही उपलब्ध होंगी। अब विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा के लिए बड़े शहरों की ओर नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार कोई व्यक्ति अपना घर बनने के बाद गृह प्रवेश के अवसर पर अत्यंत प्रसन्न और उत्साहित होता है, उसी प्रकार आज इस विद्यालय के लोकार्पण के अवसर पर यहां के विद्यार्थी भी नए विद्यालय में प्रवेश को लेकर उत्साह और आनंद का अनुभव कर रहे हैं।

यह विद्यालय उनके सपनों को नई उड़ान देने का माध्यम बनेगा। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में शिक्षा और आधारभूत अधोसंरचना के विकास पर निरंतर कार्य किया जा रहा है, जिससे शासकीय विद्यालयों की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के गठन के बाद विधानसभा क्षेत्र में करोड़ों रुपये के विकास के कार्य स्वीकृत एवं पूर्ण किए गए हैं। इसी कड़ी में आज 23 करोड़ रुपये की लागत के बारछी पहुंच मार्ग के निर्माण कार्य का भूमिपूजन भी किया गया है, जिससे क्षेत्र के लोगों को बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा, सड़क, स्वास्थ्य और अन्य मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।आयोजित कार्यक्रम में सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक और सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहे हैं। प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिनका परिणाम सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय जैसी महत्वाकांक्षी पहल के रूप में सामने आया है। उन्होंने कहा कि यह विद्यालय केवल एक भवन नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत आधारशिला है। नरसिंहपुर जिला शिक्षा के क्षेत्र में हमेशा उत्कृष्ट प्रदर्शन करता रहा है और यहां के विद्यार्थियों ने परीक्षा परिणामों में लगातार अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय जैसी आधुनिक संस्थाएं इस उत्कृष्ट परंपरा को और अधिक मजबूत करेंगी तथा विद्यार्थियों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचने का अवसर प्रदान करेंगी।

अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय लगभग 11 हजार 772 वर्गमीटर क्षेत्र में निर्मित 37.22 करोड़ रुपये लागत के इस सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय भवन में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्याधुनिक शैक्षणिक एवं खेल सुविधाएं विकसित की गई हैं। विद्यालय के भू-तल में प्राचार्य एवं उप-प्राचार्य कक्ष, प्रशासनिक एवं लेखा कक्ष, 12 स्मार्ट क्लास रूम, स्टाफ रूम, रिकॉर्ड एवं परीक्षा कक्ष, हेड मास्टर कक्ष, काउंसलर कक्ष, खेल एवं स्वास्थ्य कक्ष, 360 क्षमता वाला बहुउद्देशीय सभागार, मिड-डे मील किचन, कला एवं शिल्प कक्ष, डांस एवं म्यूजिक रूम, विद्युत एवं सर्वर रूम तथा दिव्यांगजनों के लिए रैम्प की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। प्रथम तल (मिडिल सेक्शन) में 18 स्मार्ट क्लास रूम, आधुनिक ई-लाइब्रेरी, कंप्यूटर लैब, स्टेम लैब, साइंस लैब, वोकेशनल लैब, मैथ्स लैब, पृथक स्टाफ रूम एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं विकसित की गई हैं। द्वितीय तल (हायर सेकेंडरी सेक्शन) में 18 स्मार्ट क्लास रूम के साथ भौतिकी, रसायन एवं जीव विज्ञान की अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं, कंप्यूटर लैब, कॉमन रूम, स्टाफ रूम एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं। विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों के शारीरिक विकास के लिए वॉलीबॉल एवं बास्केटबॉल कोर्ट, स्कूल बसों के लिए पार्किंग, सीसीटीवी निगरानी प्रणाली, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, फायर डिटेक्शन एवं फायर फाइटिंग सिस्टम, 200 केवीए ट्रांसफार्मर, 200 केवीए डीजी सेट, कैंपस स्ट्रीट लाइटिंग तथा आधुनिक विद्युत व्यवस्था भी विकसित की गई है। इन सभी अत्याधुनिक सुविधाओं के माध्यम से क्षेत्र के विद्यार्थियों को सुरक्षित, आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षण वातावरण उपलब्ध होगा, जिससे वे अपने शैक्षणिक, बौद्धिक और खेल कौशल का समग्र विकास कर सकेंगे। कार्यक्रम में पूर्व विधायक नरेश पाठक, सांईखेड़ा नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति सचिन अग्रवाल, नगर पालिका अध्यक्ष गाडरवारा शिवाकांत मिश्रा, मिनेंद्र डागा, ठाकुर राजीव सिंह, गोविंद सिंह पटेल सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि, स्कूली छात्र-छात्राएं, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद थे । साईंखेड़ा में नवनिर्मित जिले के प्रथम सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय के नवीन भवन परिसर में एक पेड़ माँ के नामज्जअभियान के अंतर्गत पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण तथा जिले के प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह, सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी एवं अन्य अतिथियों ने पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

विद्यार्थी निजी विद्यालयों से निकलकर शासकीय सांदीपनि विद्यालयों में प्रवेश ले रहे हैं : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने झिंझरी और बहोरीबंद सांदीपनि विद्यालयों का किया लोकार्पण

कटनी (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सनातन संस्कृति सभी के प्रति मैत्री और कल्याण का भाव रखने का संदेश देती है। कृष्ण-सुदामा का प्रसंग भी हमें मैत्री के भाव को पूर्ण गरिमा और आत्मीयता के साथ निभाने का संदेश देता है। यह प्रसंग हमें अमीर-गरीब का भेद मिटाकर समरसता का संदेश भी देता है। भगवान कृष्ण का शिक्षा के लिए सांदीपनि आश्रम उज्जैन आगमन और शिक्षा ग्रहण कर उनका 64 कलाओं 14 विद्याओं में पारंगत होना हमें शिक्षा का महत्व बताता है। राज्य सरकार बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए सांदीपनि विद्यालयों की सौगात दे रही हैं। प्रदेश के सांदीपनि विद्यालय सर्वसुविधा युक्त गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा का माध्यम बन रहे है। इसी का परिणाम है कि विद्यार्थी निजी विद्यालयों से निकलकर शासकीय सांदीपनि विद्यालयों में प्रवेश ले रहे हैं। शासकीय शालाओं में बच्चों को नि:शुल्क पुस्तकें और साइकिलें प्रदान की जा रही है। बोर्ड परीक्षाओं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने पर मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप और अगर कोई विद्यार्थी स्कूल में टॉप करता है तो उसे स्कूटी दी जा रही है। राज्य में गुरुपूर्णिमा महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। गुरु हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते हैं, इसीलिए विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के लिए कुलगुरु संबोधन की

परंपरा शुरू की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्लीमनाबाद कटनी में सांदीपनि विद्यालयों के लोकार्पण अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज क्षेत्रवासियों को झिंझरी और बहोरीबंद सांदीपनि विद्यालयों की सौगात दी। झिंझरी का सांदीपनि विद्यालय 38 करोड़ 61 लाख रुपए तथा बहोरीबंद का सांदीपनि विद्यालय 35 करोड़ 63 लाख रुपए से अधिक लागत से बनकर तैयार हुआ। यहां उपलब्ध सुविधाएं गुरुकुल की गरिमा और डिजिटल युग की दक्षता का समन्वय प्रस्तुत करती हैं।

स्लीमनाबाद टनल किसान कल्याण वर्ष में किसानों के लिए बड़ी सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत में कई असंभव कार्यों को पूरा कर विश्व में अपनी अलग पहचान बनाई है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार विभिन्न विकास परक और कल्याणकारी कार्यों को आगे बढ़ा रही है।

इसी क्रम में स्लीमनाबाद टनल परियोजना बघेलखंड और बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है, यह क्षेत्र भविष्य में पंजाब और हरियाणा को भी पीछे छोड़ देगा। इस परियोजना से रीवा, सतना, मैहर, पन्ना और कटनी में सिंचाई और पेयजल की पर्याप्त उपलब्धता रहेगी। किसान कल्याण वर्ष में राज्य सरकार की ओर से इस क्षेत्र के किसानों के लिए यह बड़ी सौगात है। किसानों की समृद्धि के लिए राज्य सरकार ने टनल परियोजना के लिए लगभग 1400 करोड़ रुपए मंजूर किए थे। इसी प्रकार केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना से बुंदेलखंड के दमोह, सागर, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़, विदिशा सहित अन्य जिलों के किसान लाभान्वित होंगे। पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) परियोजना से चंबल और मालवा क्षेत्र के जिलों को सिंचाई और पेयजल के लिए पानी उपलबध होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शीघ्र ही कटनी में भव्य कार्यक्रम आयोजित कर स्लीमनाबाद टनल परियोजना का लोकार्पण किया जाएगा।

जगदीशपुर में होगी मंत्रिपरिषद की बैठक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीराम के आशीर्वाद से मध्यप्रदेश एक देश, एक विधान, एक निशान और एक कानून लागू करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। विधानसभा के आगामी वर्षाकालीन सत्र में प्रदेश में सभी धर्मावलंबियों के लिए समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लायी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल के पास जगदीशपुर स्थित है, इसका नाम विदेशी आक्रांताओं ने बदलकर इस्लामनगर कर दिया था। विधानसभा के वर्षाकालीन सत्र से पहले जगदीशपुर में मंत्रिपरिषद की बैठक कर समान नागरिक संहिता के ड्राफ्ट को अनुमोदन प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रक्षाबंधन से एक बार फिर मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत 1500 रुपए की राशि बैंक खातों में अंतरित की जाएगी।

निगम का नवाचार : अब एक ही नंबर पर दर्ज होगी हर शिकायत

जनसुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए नगर निगम की नई पहल

कटनी (स्वतंत्र मत)। नगर पालिक निगम ने नागरिक सुविधाओं को अधिक प्रभावी और सुगम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण नवाचार किया है। अब शहरवासी जलापूर्ति, सफाई, सीवर, स्ट्रीट लाइट, कचरा संग्रहण, सड़कों सहित निगम से जुड़ी विभिन्न समस्याओं की शिकायत एक ही माध्यम से दर्ज करा सकेंगे। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य शिकायतों के समाधान की प्रक्रिया को तेज, पारदर्शी और जवाबदेह बनाना है। शिकायत प्राप्त होते ही उसे संबंधित शाखा को भेजा जाएगा और उसके निराकरण की नियमित मॉनिटरिंग भी की जाएगी, जिससे नागरिकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। नगर निगम का मानना है कि तकनीक आधारित इस व्यवस्था से आम लोगों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित होगा और शहर में बेहतर नागरिक सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। साथ ही अधिकारियों की जवाबदेही भी बढ़ेगी और शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता में सुधार आएगा। निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे नगर की किसी भी समस्या की जानकारी इस व्यवस्था के माध्यम से दें, ताकि संबंधित विभाग तत्काल कार्रवाई कर सके और शहर को स्वच्छ, व्यवस्थित एवं सुविधायुक्त बनाने के प्रयासों को और गति मिल सके।

सांदीपनि विद्यालय झिंझरी और बहोरीबंद का किया निरीक्षण

कटनी (स्वतंत्र मत)। सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झिंझरी और बहोरीबंद पहुंचकर जिला पंचायत सीईओ हर सिमरन प्रीत कौर ने लोकार्पण कार्यक्रम के पूर्व बैठक व्यवस्था, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा एवं प्रदर्शित की जाने वाली विज्ञान प्रदर्शनी के संबंध में परिसर और कक्षों का औचक निरीक्षण कर जायजा लिया। इस दौरान नगर निगम आयुक्त तपस्या परिहार भी मौजूद रहीं। इस दौरान उन्होंने प्राचार्य एवं शिक्षकों से तैयारी एवं आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली तथा आवश्यक निर्देश दिए। विद्यालय के बाद जिला

पंचायत सीईओ ने जनपद पंचायत बहोरीबंद के स्लीमनाबाद पहुंचकर मुख्यमंत्री के प्रस्तावित आगमन को लेकर कार्यक्रम स्थल पर की गई तैयारी एवं व्यवस्थाओं का अवलोकन किया तथा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

राम मनोहर लोहिया वार्ड को मिली 59.41 लाख रुपये के विकास कार्यों की सौगात

कटनी (स्वतंत्रमत)। नगर पालिक निगम कटनी द्वारा शहर के सभी वार्डों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार कर संतुलित एवं समग्र विकास सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निरंतर विकास कार्य कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में गुरुवार को राम मनोहर लोहिया वार्ड क्रमांक- 5 में लगभग 59.41 लाख रुपये की लागत से विभिन्न जनहितैषी विकास कार्यों का भूमिपूजन संपन्न हुआ। महापौर प्रीति संजीव सूरी, क्षेत्रीय पार्षद उमेंद्र अहिरवार सहित जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति में वार्ड के वरिष्ठ नागरिकों के करकमलों से भूमिपूजन कराया गया। इस अवसर पर मेयर इन काउंसिल सदस्य डॉ रमेश सोनी, सुभाष साहू, सुरेंद्र गुप्ता, पार्षद सीमा श्रीवास्तव, मंडल अध्यक्ष संजू गर्ग सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं स्थानीय नागरिकों कि मौजूदगी रही।

महापौर, क्षेत्रीय पार्षद सहित जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में वार्ड के वरिष्ठ नागरिकों के करकमलों से हुआ भूमिपूजन

इन विकास कार्यो से वार्ड नागरिकों मिलेगा सीधा लाभ

विकास कार्यों में राममनोहर लोहिया वार्ड अंतर्गत लगभग 46.41 लाख रुपये की लागत से शिशिर गुप्ता के मकान से हनुमान मंदिर तक सी.सी. नाली निर्माण कार्य, रचना नगर में सी.सी. नाली निर्माण कार्य किया जाएगा वहीं अहमद नगर में लगभग 13 लाख रुपये की लागत से आंगनवाड़ी भवन निर्माण कार्य का शुभारंभ भी किया गया। इन विकास कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र की जल निकासी व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी, वहीं आंगनवाड़ी भवन बनने से बच्चों एवं महिलाओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

विकास के साथ जनसेवा का संकल्प: महापौर

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य केवल निर्माण कार्य कराना नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। उन्होंने कहा कि शहर का प्रत्येक वार्ड विकास की मुख्यधारा से जुड़े, इसके लिए निगम लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने अपने भावुक शब्दों में कहा, पद आज है, कल नहीं रहेगा, लेकिन जनता की सेवा का मेरा संकल्प सदैव अटूट रहेगा। मैं राजनीति में किसी पद के लिए नहीं, बल्कि जनसेवा के उद्देश्य से आई हूं। शुरुआत से ही जनता की सेविका के रूप में कार्य करती आई हूं और आगे भी बिना किसी भेदभाव के पूरे समर्पण, ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ शहरवासियों की सेवा करती रहूंगी। जनता का विश्वास और स्नेह ही मेरी सबसे बड़ी शक्ति है, जो मुझे निरंतर विकास और सेवा के कार्यों के लिए प्रेरित करता है। क्षेत्रीय पार्षद उमेंद्र अहिरवार ने कहा कि वार्डवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांगों को प्राथमिकता देते हुए इन विकास कार्यों को स्वीकृति दिलाई गई है। उन्होंने महापौर एवं नगर निगम प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं का समाधान होगा तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि वार्ड के विकास के लिए आगे भी इसी प्रकार निरंतर प्रयास किए जाते रहेंगे।

मातृशक्तियों ने विकास कार्यों पर व्यक्त किया हर्ष, जताया आभार

इस दौरान वार्ड की मातृशक्तियों ने महापौर का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। महिलाओं ने वार्ड में प्रारंभ हुए विकास कार्यों के लिए महापौर एवं नगर निगम प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन कार्यों से क्षेत्र की वर्षों पुरानी आवश्यकताएं पूरी होंगी और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

बारिश की बौछार के बीच निकली जगन्नाथ रथ यात्रा

जय जय जगन्नाथ से गूंज उठा शहर, सुसज्जित रथ पर सवार होकर निकलें भगवान जगन्नाथ स्वामी

कटनी (स्वतंत्रमत)। भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी जी का 144 वां रथयात्रा महोत्सव शहर में धूमधाम के साथ मनाया गया। जगन्नाथ चौक स्थित श्री जगदीश स्वामी मंदिर से बारिश कि बौछारो के बीच भव्य और विशाल रथयात्रा निकाली गयी। सुसजिज्त रथ पर सवार हो कर जगन्नाथ महाप्रभु अपने भक्तों को दर्शन देने निकले इसके पहले बुधवार की शाम विशाल वाहन रैली निकाली गई थी वाहन रैली जगन्नाथ स्वामी मंदिर से प्रारंभहोकर घंटाघर, शहीद द्वार, स्टेशन रोड होते हुए शेर चौक, आजाद चौक से वापस जगन्नाथ मंदिर पर आकर सम्पन्न हुई। वाहन रैली में यूथ कटनी, नारी शक्ति, श्री काल भैरव समिति, शिव शक्ति महिला मंडल समेत शहर गणमान्य लोग मौजूद रहे। मिलन ग्रुप एवं महिला मंडल, बजरंग बाल रामायण समाज परिवार का विशेष सहयोग रहा। गुरूवार की सुबह सरावगी परिवार की ओर से भगवान श्री को पोशाक भेंट की गई व महाआरती कर प्रसाद का भोग चढ़ाया गया। लोक नृत्य एवं केरल

के भक्ति बैंड रहेंगे आकर्षण का केन्द्र रथयात्रा में छत्तीसगढ़ का आदिवासी लोक नृत्य एवं केरल के भक्ति बैंड आकर्षण का केंद्र रहें। भगवान जगन्नाथ जी का 1100 दीपों से महाआरती की गयी। उसके बाद स्थयात्रा शुरू हुयी, जो आजाद चैक, शेर चौक, सुक्खन चौक, झंडा बाजार, सुभाष चौक होते हुए सब्जी मंडी स्थित श्री राधाकृष्ण मंदिर पहुंचकर समाप्त होगी।

स्थयात्रा में बागेश्वर धाम शिष्य मंडल द्वारा महाआरती - स्थ यात्रा महोत्सव में बागेश्वर धाम शिष्य मंडल द्वारा आजाद चौक में महा आरती की गयी इसी तरह वापसी रथ यात्रा पर भी आजाद चैक में जगनाथ स्वामी जी की महा आरती उतारी जाएगी। शिष्य मंडल की ओर से बताया गया कि इसी दिन बागेश्वर धाम पीठाधीश धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री महाराज का जन्मोत्सव है। बागेश्वर धाम शिष्य मंडल ने स्थ यात्रा महोत्सव के दिन और वापसी के दिन आयोजित महा आरती में श्रद्धालुओं से पहुंचने की अपील की है। रथयात्रा के दौरान महापौर प्रीति संजीव सूरी, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक सोनी टण्डन, विधायक संदीप जायसवाल, नगर निगम अध्यक्ष मनीष पाठक, राम रतन पायल, रवि खरे, प्रमोद सरावगी, विजय ठाकुर, शिव सोनी, आशीष गुप्ता, कॉंग्रेस नेता वरिष्ठ पार्षद मिथलेश जैन, रमेश सोनी, ब्राह्मण समाज अध्यक्ष राजू शर्मा, अधिवक्ता संघ अध्यक्ष अमित शुक्ला, मृदुल द्विवेदी, सुनील उपाध्याय, शशांक श्रीवास्तव, रजनी वर्मा, निशा मिश्रा, अन्नू श्रीवास्तव, मंजूषा गौतम, गीता पाठक, नीतू गुप्ता, महेश शुक्ला, रौनक खण्डेलवाल, ललित सोनी, पार्षद अवकाश जायसवाल, रुपेश खूबचनदानी, मनीष गेई, राजा जगवानी, रोहित सेन सहित शहर के गणमान्य जन उपस्थित।

श्री जगन्नाथ यात्रा का भव्य स्वागत - मध्य प्रदेश अग्रवाल महासभा अग्रवाल समाज द्वारा इस वर्ष भी श्री जगन्नाथ यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। 16 जुलाई गुरुवार को सायं 5 बजे से आजाद चौक स्थित अग्रवाल समाज के पंच बद्री प्रसाद अग्रवाल के प्रतिष्ठान शारदा मिष्ठान गृह के बाहर यात्रा का पूजन, स्वागत एवं प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश अग्रवाल महासभा, महिला महासभा, युवा महासभा, अग्रवाल समाज, अग्रवाल पंच परिषद, अग्रवाल नवयुवक मंडल एवं अग्रवाल महिला मंडल के सभी पदाधिकारियों एवं समाज के सदस्यों से सपरिवार समय पर पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए मध्य प्रदेश अग्रवाल महासभा के जिला अध्यक्ष एवं अग्रवाल समाज कटनी के अध्यक्ष पवन मित्तल ने कहा कि जय अग्रसेन, जय अग्रोहा, जय जय जगन्नाथ के जयकारों के साथ यात्रा का स्वागत किया जाएगा। उन्होंने कहा जगन्नाथ के भात को जगत पसारे हाथ की भावना के साथ सभी समाज बंधुओं से प्रसाद वितरण में सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजजनों की उपस्थिति रही।

प्रशासनिक सख्ती और नियम पालन का सकारात्मक परिणाम

शासकीय भूमि अतिक्रमण मुक्त होते ही बरही के क्रेशर उद्योग को मिली राहत

कटनी (स्वतंत्र मत)।

जिला प्रशासन की सख्ती, पारदर्शिता और संवाद आधारित कार्यप्रणाली का सकारात्मक परिणाम बरही क्षेत्र में देखने को मिला है। शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए दिए गए निर्देशों का क्रेशर संचालकों द्वारा निर्धारित समयसीमा में पालन किए जाने के बाद प्रशासन ने बरही क्षेत्र के स्टोन क्रेशरों पर लगाई गई अस्थायी रोक हटा दी है। अब संबंधित इकाइयों को पूर्व की भांति केवल स्वीकृत और वैधानिक क्षेत्र में संचालन की अनुमति प्रदान कर दी गई है। कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर जिला प्रशासन ने शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की कार्रवाई के बाद मौके पर पहुंचकर भौतिक सत्यापन कराया। निरीक्षण में यह पाया गया कि संबंधित क्रेशर संचालकों ने स्वयं आगे बढ़कर शासकीय भूमि से कन्वेयर बेल्ट, मशीनरी से संबंधित ढांचे तथा अन्य सामग्री को हटा लिया है।

संयुक्त टीम ने किया स्थलीय निरीक्षण

एसडीएम विजयराघवगढ़ विवेक गुप्ता के नेतृत्व में राजस्व, खनिज एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने बरही तहसील के ग्राम कन्नौर स्थित खदानों एवं स्टोन क्रेशर इकाइयों का विस्तृत निरीक्षण किया। टीम ने शासकीय भूमि खसरा क्रमांक 681 का भी परीक्षण किया, जहां पूर्व में प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई थी। निरीक्षण के दौरान यह सुनिश्चित किया गया कि शासकीय भूमि पूरी तरह खाली हो चुकी है और भविष्य में किसी भी प्रकार का संचालन केवल स्वीकृत अनुज्ञप्ति क्षेत्र के भीतर ही किया जाएगा।

क्रेशर संचालकों ने दिखाई जिम्मेदारी

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि जिन इकाइयों की कन्वेयर बेल्ट अथवा अन्य संरचनाएं शासकीय भूमि तक पहुंच गई थीं, वहां संचालकों ने प्रशासन के निर्देशों का पालन करते हुए स्वयं संरचनाओं को हटाया और भूमि को अतिक्रमण मुक्त किया। प्रशासन ने इसे सकारात्मक सहयोग और नियमों के प्रति जिम्मेदार व्यवहार बताते हुए संचालन पर लगी अस्थायी रोक समाप्त कर दी। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि भविष्य में किसी भी प्रकार के विस्तार अथवा निर्माण कार्य के लिए वैधानिक स्वीकृतियां प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

कलेक्टर की पहल पर समयसीमा में निर्देशों का पालन, अस्थायी रोक हटाकर पुन: शुरू हुआ संचालन

तीन दशक से क्षेत्र की अर्थव्यवस्था का आधार है क्रेशर उद्योग

बरही, विचपुरा और कन्नौर क्षेत्र पिछले लगभग 30 वर्षों से गिट्टी एवं स्टोन क्रेशर उद्योग के प्रमुख केंद्र रहे हैं। इन उद्योगों ने न केवल क्षेत्रीय विकास में योगदान दिया है, बल्कि हजारों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार भी उपलब्ध कराया है। ग्राम कन्नौर में वर्ष 2004 से केशव प्रसाद अवस्थी द्वारा विधिवत स्वीकृत खदान एवं क्रेशर संचालन किया जा रहा है, जबकि वर्ष 2014 से त्रिलोक ग्रोवर द्वारा महालक्ष्मी फर्म के माध्यम से खदान और क्रेशर इकाइयों का संचालन किया जा रहा है। उत्पादन क्षमता बढ़ने के साथ कुछ संरचनाएं स्वीकृत क्षेत्र से बाहर चली गई थीं, जिसके कारण प्रशासन को कार्रवाई करनी पड़ी।

लीज अवधि समाप्त होने के बाद शुरू हुई प्रक्रिया

जानकारी के अनुसार संबंधित खदानों के लिए स्वीकृत सब्सिडियरी पर्पज़ लीज की अवधि समाप्त होने के बाद उसका नवीनीकरण नहीं हो सका था। इसके बाद कलेक्टर न्यायालय के निर्देशों के तहत तहसीलदार बरही द्वारा सीमांकन कर शासकीय भूमि से सामग्री हटाने के आदेश जारी किए गए थे। नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने एहतियातन संबंधित क्रेशर इकाइयों के संचालन पर अस्थायी रोक लगा दी थी। अब सभी निर्देशों का पालन और अतिक्रमण हटने के बाद संयुक्त टीम ने संतोष व्यक्त करते हुए संचालन को पुन: बहाल कर दिया है।

कानून का सम्मान और उद्योगों का संरक्षण- दोनों साथ

बरही की यह कार्रवाई इस बात का उदाहरण है कि जिला प्रशासन जहां एक ओर शासकीय भूमि और सार्वजनिक संसाधनों की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है, वहीं दूसरी ओर नियमों का पालन करने वाले उद्योगों और निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए भी संवेदनशील है। प्रशासन की यह पहल विकास और वैधानिक व्यवस्था के बीच संतुलन स्थापित करने का एक सकारात्मक मॉडल बनकर सामने आई है। निरीक्षण एवं कार्रवाई के दौरान एसडीएम विवेक गुप्ता, उप संचालक खनिज रत्नेश दीक्षित, सहायक खनिज अधिकारी पवन कुशवाहा एवं कमलाकांत परस्ते, राजस्व विभाग के अधिकारी तथा बरही थाना पुलिस का अमला उपस्थित रहा।

नोटिस पर नोटिस, समाधान अब भी अधूरा

बैठकों के बाद भी नही निकल रहा कोई रास्ता, वार्डवासी परेशानी

बालाघाट (स्वतंत्र मत)।

नगर के वार्ड क्रमांक 23 स्थित पावर हाउस परिसर में वर्षों से रह रहे झुग्गी-झोपड़ी एवं कच्चे-पक्के मकानों के रहवासियों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। प्रशासन द्वारा नवीन तहसील कार्यालय एवं अन्य शासकीय निर्माण कार्यों के लिए क्षेत्र खाली कराने की प्रक्रिया शुरू किए जाने के बाद प्रभावित परिवार अपने पुनर्वास की मांग को लेकर लगातार संघर्ष कर रहे हैं।

रहवासियों का कहना है कि उन्होंने कई बार आवेदन, ज्ञापन और अधिकारियों से मुलाकात कर अपनी बात रखी, लेकिन जब कहीं सुनवाई नहीं हुई तो मामला हाईकोर्ट पहुंचा। न्यायालय ने प्रशासन को निर्देश दिए कि प्रभावित परिवारों के पुनर्वास को लेकर बैठक कर सकारात्मक समाधान निकाला जाए, इसके बाद ही मकान खाली कराए जाएं। इसी क्रम में तहसील कार्यालय से 13 जुलाई को बैठक के लिए नोटिस जारी किया गया था। रहवासियों का आरोप है कि वे तय समय पर बैठक में शामिल हुए और अधिकारियों से चर्चा भी की, लेकिन कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। इतना ही नहीं, बाद में जारी किए गए नोटिस में उन्हें अनुपस्थित दर्शाते हुए 17 जुलाई को फिर से बुला लिया गया। 17 जुलाई को हुई बैठक में भी कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आया। इससे नाराज रहवासियों का कहना है कि प्रशासन केवल नोटिस जारी कर औपचारिकताएं पूरी कर रहा है, जबकि उनकी मूल समस्या जस की तस बनी हुई है।

प्रभावित परिवारों का कहना है कि वे प्रशासनिक कार्यों में सहयोग करने और अपना कब्जा छोड़ने को तैयार हैं, लेकिन पहले उनके रहने की वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उनकी मांग है कि उन्हें निःशुल्क प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराए जाएं या फिर आवास निर्माण के लिए भूखंड आवंटित किया जाए, ताकि वे अपने परिवार के साथ सम्मानपूर्वक जीवनयापन कर सकें।

हॉकी इंडिया ने घोषित की एफआईएच महिला विश्व कप-2026 के लिए भारतीय टीम

स्टार मिडफील्डर सलीमा टेटे को सौंपी गयी टीम की कप्तानी

नई दिल्ली।

हॉकी इंडिया ने एफआईएच महिला विश्व कप 2026 के लिए 20 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम घोषित कर दी है। स्टार मिडफील्डर सलीमा टेटे को इस टीम की कप्तानी सौंपी गयी है। एफआईएच महिला विश्व कप टूर्नामेंट 15 से 30 अगस्त, 2026 तक बेल्जियम और नीदरलैंड्स में संयुक्त रूप से खेला जाएगा। हॉकी इंडिया वही टीम चयनित की है जिससे जापान में होने वाले आगामी एशियाई खेलों के लिए चुना गया था। भारतीय टीम का लक्ष्य एफआईएच मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन कर विश्व मंच पर अपनी छाप छोड़ना रहेगा। कप्तान सलीमा ने पिछले कुछ वर्षों में भारतीय टीम के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन

किया है और वह युवा खिलाड़ियों के लिए एक प्रेरणा स्रोत रही हैं। इस टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और प्रतिभाशाली युवाओं का एक मजबूत मिश्रण है, जो पिछले कुछ समय से शानदार प्रदर्शन कर रही है और विश्व कप में एक मजबूत चुनौती पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है। टीम का चयन खिलाड़ियों के मौजूदा फॉर्म, फिटनेस स्तर, रणनीतिक बहुमुखी प्रतिभा और बड़े मैचों में दबाव को संभालने की क्षमता को ध्यान में रखकर किया गया है। कोचिंग स्टाफ को इस टीम से बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद है। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम को पूल डी में रखा गया है, जहां उसे चीन, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका जैसी मजबूत और अनुभवी टीमों का सामना करना होगा। अगले दौर में पहुंचने के लिए हर मैच और अंक महत्वपूर्ण होगा। भारतीय टीम अपने सभी पूल मैच नीदरलैंड के एमस्टेलवीन में स्थित ऐतिहासिक वैगनर हॉकी स्टेडियम में खेलेगी। पूल डी में प्रतिद्वंद्विता कड़ी होगी, लेकिन भारतीय टीम को अपनी रणनीति, बेहतरीन तालमेल और टीम वर्क पर पूरा भरोसा है।

टूर्नामेंट में भारतीय महिला हॉकी टीम अपने अभियान की शुरुआत 16 अगस्त को पूल डी में चीन के खिलाफ करेगी। उसका अगला मुकाबला 18 अगस्त को दक्षिण अफ्रीका से होगा। । पूल चरण का अंतिम और संभवतः सबसे चुनौतीपूर्ण मैच 20 अगस्त को इंग्लैंड के खिलाफ खेला जाएगा। चार पूल में से प्रत्येक से शीर्ष दो टीमें अगले दौर में आगे बढ़ेंगी, जिससे भारत के लिए हर मैच महत्वपूर्ण हो जाता है। टीम को अगले चरण में पहुंचने के लिए अपने पूल में बेहतरीन और लगातार प्रदर्शन करना होगा।

फ्रांस में मैगसे कार्स से चालन सुर सेसोन में टूर डी फ्रांस साइकिल रेस में भाग लेते हुए प्रतियोगी।

2027 एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए कुलदीप को लगातार अवसर दें: अश्विन

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव आगामी 2027 एकदिवसीय विश्वकप में उपयोगी हो सकते हैं। ऐसे में उन्हें अधिक से अधिक अवसर दिये जाने की जरुरत है। अश्विन ने स्पष्ट किया कि 2027 विश्व कप के संयोजन में अंगुली के दो ऑलराउंडर फिट नहीं बैठेंगे। ऐसे में टीम को कुलदीप की जरुरत रहेगी उन्होंने भविष्य की रणनीति को लेकर कहा, जब भी कुलदीप के लिए जगह बनेगी, और अगर तेज गेंदबाज हर्षित राणा फिट और अच्छी फॉर्म में होंगे, तो हर्षित राणा तीसरे तेज गेंदबाज बन जाएंगे। ऐसे में कुलदीप के लिए एक अवसर बन जाएगा। अश्विन ने कहा कि कुलदीप को इसलिए भी टीम में बनाये रखा जाना चाहिये क्योंकि एक मैच विजेता ले स्पिनर हैं। उन्होंने कहा कि 2023 एकदिवसयी विश्व कप में भी कुलदीप ने काफी अच्छी गेंदबाजी की थी।

फुटबॉल वर्ल्ड चैंपियन को पहली बार मिलेंगे 490 करोड़

नई दिल्ली।

इस बार फुटबॉल वर्ल्ड कप चैंपियन को 51 मिलियन डॉलर करीब 490 करोड़ रुपए मिलेंगे। पहली बार विश्व चैंपियन को इतनी बड़ी रकम मिलेगी। फीफा ने इस बार 871 मिलियन डॉलर यानी करीब 8,400 करोड़ रुपए की इनामी राशि बांटने का ऐलान किया है। वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करने वाले हर देश को कम से कम 12.5 मिलियन डॉलर यानी करीब ?120 करोड़ रुपए मिलेंगे। फाइनल मुकाबले से पहले फीफा ने ऐलान किया कि विजेता टीम के खिलाड़ियों को मेडल के साथ चैंपियनशिप रिंग भी दी जाएगी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में अंतिम चार में पहुंचने वाली टीमों को सबसे ज्यादा इनामी राशि मिलेगी। उपविजेता टीम को करीब 317 करोड़ (33 मिलियन डॉलर) मिलेंगे।तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को करीब 279 करोड़ (29 मिलियन डॉलर), चौथे स्थान पर रहने वाली टीम को करीब 259

फीफा रिकॉर्ड 8,400 करोड़ की इनामी राशि बांटेगा, इस बार मेडल के साथ चैंपियनशिप रिंग भी

करोड़ (27 मिलियन डॉलर) की पुरस्कार राशि दी जाएगी।

वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल यूरोपियन चैंपियन स्पेन और मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन अर्जेंटीना के बीच खेला जाना है। स्पेन ने सेमीफाइनल में मजबूत मानी जा रही फ्रांस की टीम को हराकर फाइनल में जगह बनाई है। वहीं, अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार और कुल सातवीं बार वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंचा है। अर्जेंटीना ने दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड को 2-1 से शिकस्त दी थी।

मेडल के साथ पहनाई जाएगी चैंपियनशिप रिंग

- वर्ल्ड कप इतिहास में पहली बार चैंपियन बनने वाली टीम के खिलाड़ियों और स्टाफ को ट्रॉफी और गोल्ड मेडल के साथ-साथ चैंपियनशिप रिंग भी दी जाएगी।
- फीफा ने कहा कि रिंग के एक तरफ वर्ल्ड कप की ट्रॉफी बनी होगी, जबकि दूसरी तरफ विजेता टीम के अनुसार खास डिजाइन तैयार किया जाएगा। हर रिंग पर अलग नंबर होगा, उसे खिलाड़ी के हिसाब से तैयार किया जाएगा। रिंग ऑफिशियल है इसका प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा।
- फाइनल के बाद विजेता टीम के कप्तान और हेड कोच को अस्थायी (टेंपरेरी) रिंग दी जाएगी। इसके बाद पूरी विजेता टीम के लिए 30 रिंग तैयार की जाएंगी। हर रिंग को खिलाड़ियों के अनुसार कस्टमाइज किया जाएगा और बाद में उन्हें सौंपा जाएगा।
- ऐसी 2,026 रिंग बनाई जाएंगी। ये लिमिटेड एडिशन होगा। इनमें से 30 रिंग वर्ल्ड चैंपियन टीम को मिलेंगी। बाकी 1,996 रिंग फुटबॉल फैंस के लिए आधिकारिक लाइसेंस के साथ बिक्री के लिए उपलब्ध होंगी।

पाकिस्तान के आबिद से भिड़ेंगे भारत के एमएमए फाइटर संग्राम सिंह

कुआलालम्पुर।

भारत के एमएमए फाइटर संग्राम सिंह रविवार को मलेशिया की राजधानी कुआलालम्पुर में होने वाले एक मुकाबले में पाकिस्तान के मोहम्मद आबिद अली से भिड़ेंगे। एशिया चैम्पियन एमएमए के तहत होने वाले इस खिताबी मुकाबले को लेकर जहां लोगों में काफी उत्साह है। वहीं मलेशियाई आयोजक समिति के अध्यक्ष इस्माइल मारज़ुकी बिन और सीईओ मोहम्मद हाकिम बिन लुकमान अब्दुल्ला की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। इनका कहना है कि इस मुकाबले के आयोजन को लेकर वे तनाव में हैं। उनका मानना है कि यह मुकाबला उनके आयोजन को सफल भी बना सकता है और ये भी हो सकता है कि इससे उनकी मुश्किलें भी बढ़ सकती हैं। इसी को देखते हुए उन्होंने सख्त सुरक्षा

इंतज़ाम किए गए हैं। कुआलालंपुर में होने वाले इस हाई-वोल्टेज आयोजन को लेकर एमएमए प्रेमियों में ज़बरदस्त उत्साह है। टिकटों की बिक्री भी तेज़ी से हो रही है, जिनकी कीमत 50 रिंगित (लगभग 1200 रुपए) से लेकर 1500 रिंगित (करीब 42 हजार रुपए) तक निर्धारित की गई है। आयोजक इस्माइल और मोहम्मद हाकिम टिकटों की बिक्री को लेकर बेहद रोमांचित हैं। यहां यह भी गौरतलब है कि मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में तकरीबन 1 लाख 60 हज़ार भारतीय रहते हैं, जबकि पाकिस्तानियों की संख्या 20 हज़ार से भी कम है। आयोजकों को पूरी उम्मीद है कि इस फाइट के दौरान एमएमए प्रशंसकों के हाथों में चारों ओर तिरंगा लहराता दिखाई देगा, जो मुकाबले में एक अलग ही जोश भर देगा।

पेशेवर कुश्ती में दोहरे हैवीवेट चैम्पियन रह चुके संग्राम सिंह मानसिक रूप से बेहद मज़बूत दिखाई दे रहे हैं। पाकिस्तान के खिलाफ उनका रिकॉर्ड भी शानदार रहा है। उनकी पहली एमएमए फाइट भी पाकिस्तानी फाइटर अली रज़ा नासिर के खिलाफ थी, जिसे उन्होंने गामा इंटरनैशनल फाइटिंग चैम्पियनशिप के अंतर्गत महज़ 90 सेकंड में जीत लिया था। इससे पहले, फरवरी 2024 में दुबई में हुई एक रेसलिंग बाउट में भी उन्होंने पाकिस्तान के ही मोहम्मद सईद को 18 मिनट चले मुकाबले में हराया था। यह संग्राम सिंह की चौथी एमएमए फाइट है। अपनी पिछली फाइट में उन्होंने ब्यूनस आयर्स में फ्रांस के फाइटर फ्लोरियन काउडियर को महज 1 मिनट 45 सेकंड में हराकर जीत की हैट्रिक पूरी की थी।

तेजी के साथ बंद शेयर बाजार

सेंसेक्स 965, निफ्टी भी 261 अंक उछला

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीदारी हावी होने से आई है। आज दिग्गज कंपनी रिलायंस के शेयरों में भारी तेजी रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 964.58 अंक बढ़कर 78,151.45 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 261.55 अंक ऊपर आकर 24,334.30 अंक पर बंद हुआ। आज सबसे ज्यादा तेजी रिलायंस के शेयर में आई ओर से 1326.50 रुपये पर बंद हुआ।

आज सेंसेक्स के 30 में से 25 शेयर तेजी के साथ बंद हुए। टेक महिंद्रा में सबसे ज्यादा उछाल आया। इसके अलावा कोटक

महिंद्रा, टीसीएस, रिलायंस, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एक्सिस बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फाइनेंस के शेयरों में भी भारी तेजी रही। दूसरी ओर, ट्रेंट, भारती एयरटेल, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंडिगो और एनटीपीसी के शेयरों में गिरावट रही।

इससे पहले आज सुबह तेजी के साथ खुला। सेंसेक्स ने 77,800 का स्तर पार करते हुए 627.98 अंक की बढ़त दर्ज की, जबकि निफ्टी 50 भी 166.55 अंक चढ़कर 24,239.30 के स्तर पर पहुंच गया। इस दमदार शुरुआत ने निवेशकों का उत्साह बढ़ाया।

त्योहारों से पहले महंगाई का वार गेहूं और खाद्य तेलों के दाम बढ़े

घरेलू उत्पादन में गिरावट और कमजोर रुपये से कीमतें उछलने की आशंका

नई दिल्ली।

त्योहारी सीजन से ठीक पहले आम आदमी की जेब पर महंगाई का अतिरिक्त बोझ पड़ने वाला है। गेहूं और खाद्य तेलों की कीमतों में तेज बढ़ोतरी की आशंका है, जिससे रसोई का बजट बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधानों के साथ-साथ घरेलू मौसम संबंधी चुनौतियां भी इस मूल्य वृद्धि को हवा दे रही हैं। पिछले एक माह में घरेलू बाजार में गेहूं के दाम 8 फीसदी से ज्यादा बढ़ चुके हैं। काला सागर क्षेत्र में आपूर्ति जोखिमों और यूक्रेन के बंदरगाहों पर हमलों के कारण वैश्विक बाजार

में गेहूं के दाम उछले हैं, जिससे शिकागो वायदा दो महीने के उच्चतम स्तर पर है। इसका असर भारतीय मंडियों पर भी दिखा है, जहां इंदौर में 8.44 फीसदी, जबकि दिल्ली, कानपुर और कोटा में औसतन 3.5-4 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। घरेलू स्तर पर भी बढ़ता तापमान और बेमौसम बारिश गेहूं उत्पादन के अनुमान को घटा रहे हैं, जिससे भविष्य में कीमतें और बढ़ सकती हैं। खाद्य तेलों की कीमतों में भी तेजी आने की पूरी आशंका है। इस साल सोयाबीन की खेती में 6 फीसदी की कमी और अपर्याप्त बारिश से प्रति हेक्टेयर उत्पादन घटने की संभावना है। वैश्विक स्तर पर पाम तेल की कमी और बायोफ्यूल में इसके बढ़ते इस्तेमाल ने सोया व सूरजमुखी तेल को महंगा किया है। भारत ने फिलहाल आयात कम किया है, जो भविष्य में घरेलू स्टॉक पर दबाव बढ़ाएगा। कमजोर रुपया भी आयात लागत बढ़ा रहा है। अगस्त के पहले पखवाड़े से शुरू होने वाली त्योहारी मांग इन कीमतों को और ऊपर धकेल सकती है, जिससे उपभोक्ताओं पर सीधा असर पड़ेगा।

कारों के कंप्यूटरीकरण ने बदली ऑटो कंपनियों की भर्ती रणनीति

नई दिल्ली। वाहनों के बढ़ते कंप्यूटरीकरण और डेटा-केंद्रित संचालन के कारण भारतीय वाहन उद्योग अपनी भर्ती रणनीति में एक मौलिक बदलाव देख रहा है। पारंपरिक मैकेनिकल इंजीनियरों के बजाय, अब कंपनियां तेजी से इलेक्ट्रॉनिक्स, सॉफ्टवेयर, डेटा वैज्ञानिक और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) विशेषज्ञों की तलाश कर रही हैं। यह बदलाव लगभग पांच साल पहले शुरू हुआ और अब रफ्तार पकड़ चुका है। वाहन उद्योग अब कारों द्वारा उत्पन्न और संसाधित किए जा रहे हर क्षण के डेटा पर केंद्रित हो गया है। इस

मैकेनिकल की जगह अब इलेक्ट्रॉनिक्स, सॉफ्टवेयर, डेटा और एआई विशेषज्ञों की मांग

तकनीकी क्रांति के कारण वाहन निर्माता अब इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरों, कोडर्स, डेटा वैज्ञानिकों, साइबर सुरक्षा और एआई विशेषज्ञों को प्राथमिकता दे रहे हैं, जो पहले मैकेनिकल इंजीनियरों और विनिर्माण विशेषज्ञों को दी जाती थी। यह बदलाव न केवल भर्ती पैटर्न को बदल रहा है बल्कि वाहन कंपनियों में महिलाओं की संख्या भी बढ़ा रहा है, जिससे केवल महिलाओं द्वारा संचालित उत्पादन क्षेत्रों का मार्ग भी प्रशस्त हो रहा है। टाटा मोटर्स में, 60 प्रतिशत से अधिक इंजीनियरिंग भर्ती अब विद्युत, इलेक्ट्रॉनिक्स, सॉफ्टवेयर और एम्बेडेड सिस्टम जैसे क्षेत्रों से होती है। कंपनी के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी सीताराम कांडी के अनुसार, यह पारंपरिक ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग और डिजिटल तकनीकों के बीच बढ़ते संगम को दर्शाता है।

होंडा की कारें अगस्त महीने में हो जाएगी महंगी

नई दिल्ली।

अगले महीने अगस्त से होंडा कार्स इंडिया की कारों की कीमतें महंगी हो जाएगी। कंपनी कई मॉडल्स में बढ़ोतरी कर सकती है। नई मूल्य सूची अगले महीने से लागू की जा सकती है। हालांकि अभी तक संशोधित कीमतों की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन माना जा रहा है कि अलग-अलग मॉडलों और उनके वैरिएंट के अनुसार कीमतों में बदलाव होगा। तब तक मौजूदा कीमतें ही प्रभावी रहेंगी। सूत्रों के अनुसार, कंपनी की लोकप्रिय सेडान अमेज की कीमत में अन्य मॉडलों की तुलना में अधिक बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। जानकारी के मुताबिक, सभी मॉडलों पर एक समान मूल्य वृद्धि नहीं होगी। प्रत्येक मॉडल और उसके वैरिएंट के आधार पर कीमतों में अलग-अलग संशोधन किया जाएगा। कंपनी की आधिकारिक घोषणा के बाद अधिकृत डीलरशिप ग्राहकों को नई कीमतों की जानकारी उपलब्ध कराएंगी। वाहन उद्योग से जुड़े जानकारों का मानना है कि कच्चे माल, परिवहन, उत्पादन और परिचालन लागत में लगातार वृद्धि के कारण वाहन निर्माताओं पर लागत का दबाव बढ़ा है।

इसी वजह से कई कंपनियां समय-समय पर अपने वाहनों की कीमतों में संशोधन कर रही हैं और होंडा का संभावित फैसला भी इसी क्रम का हिस्सा माना जा रहा है। यदि कोई ग्राहक होंडा की नई कार खरीदने की योजना बना रहा है, तो नई कीमतें लागू होने से पहले खरीदारी करना फायदेमंद हो सकता है। वहीं, जिन ग्राहकों ने पहले ही वाहन बुक करा लिया है, उन्हें कंपनी की मूल्य सुरक्षा नीति का लाभ मिल सकता है। वर्तमान में होंडा कार्स इंडिया भारतीय बाजार में अमेज, सिटी और एलिवेट की बिक्री कर रही है। कंपनी भविष्य में इलेक्ट्रिक वाहन श्रेणी में भी अपने पोर्टफोलियो का विस्तार करने की तैयारी कर रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि एक्स-शोरूम कीमतों में बढ़ोतरी होती है तो इसका असर वाहनों की ऑन-रोड कीमत पर भी पड़ेगा।

मैकलॉयड रसेल बेचेगा चाय बागान ऋण पुनर्गठन से मिली हरी झंडी

एनएआरसीएल ने वापस ली दिवालियापन अर्जी, 2029 तक चुकाना होगा कर्ज

नई दिल्ली। मैकलॉयड रसेल इंडिया अब अपने चाय बागानों की बिक्री शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। नेशनल ऐसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (एनएआरसीएल) ने राष्ट्रीय कंपनी कानून पंचाट (एनसीएलटी) से कंपनी के खिलाफ दायर अपनी दिवालियापन की अर्जी औपचारिक रूप से वापस ले ली है, जिससे कंपनी के लिए यह रास्ता साफ हो गया है। एनसीएलटी के कोलकाता पीठ ने एनएआरसीएल की वकील इंडिया डेट रिजॉल्यूशन कंपनी लिमिटेड के माध्यम से दायर अर्जी को वापस लिया हुआ मानकर खारिज कर दिया। हालांकि, पीठ ने शर्त रखी कि पुनर्गठन प्रक्रिया विफल होने पर अर्जी फिर से शुरू की जा सकती है। यह घटनाक्रम 2 अप्रैल, 2026 को एनएआरसीएल द्वारा कंपनी के ऋणों के पुनर्गठन के लिए अनुमति पत्र जारी करने के बाद हुआ। एनएआरसीएल, जो 31 दिसंबर, 2025 तक कुल ऋणदाताओं के 75.02 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है, मूल रूप से एचडीएफसी बैंक के लगभग 444.55 करोड़ रुपये के ऋण का अधिकार प्राप्त करने वाली बन गई थी। इस अनुमति पत्र के तहत, मैकलॉयड रसेल को 15 फरवरी, 2029 तक एनएआरसीएल को 1,050 करोड़ रुपये चुकाने होंगे।

चीन ने रेयर अर्थ रोके तो 6.5 ट्रिलियन डॉलर का उत्पादन प्रभावित होगा : आईईए

स्मार्टफोन, ईवी से लेकर लड़ाकू विमान तक के निर्माण पर पड़ेगा असर

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) की ग्लोबल क्रिटिकल मिनरल्स आउटलुक 2026 रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि यदि चीन रेयर अर्थ के निर्यात पर प्रतिबंध लगाता है, तो चीन से बाहर 6.5 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 6.5 लाख करोड़ डॉलर) का वैश्विक औद्योगिक उत्पादन सालाना प्रभावित होगा। इसका गहरा असर टेक्नोलॉजी, ऑटोमोबाइल, रक्षा, ऊर्जा और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर पड़ने की आशंका है। रेयर अर्थ 17 महत्वपूर्ण खनिजों का समूह है, जो स्मार्टफोन, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और लड़ाकू विमान जैसे हाई-टेक उपकरणों के निर्माण में आवश्यक हैं। आईईए के एक अधिकारी ने चेताया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था कुछ चुनिंदा क्रिटिकल मिनरल्स पर अत्यधिक निर्भर है, जिनकी आपूर्ति सीमित देशों में केंद्रित है। चीन ने अक्टूबर 2025 में निर्यात के लिए लाइसेंस नियम सख्त किए थे, जिसका पूर्ण कार्यान्वयन नवंबर 2026 तक टला है, पर वैश्विक उद्योगों में अनिश्चितता बनी हुई है। रिपोर्ट में देशों को मिलकर

क्रिटिकल मिनरल्स का बहुपक्षीय रणनीतिक भंडार बनाने की सलाह दी गई है। आईईए ने 11 उच्च-जोखिम वाले मिनरल्स के लिए शुरुआती 9.2 बिलियन डॉलर और वार्षिक 900 मिलियन डॉलर रखरखाव खर्च का अनुमान लगाया है, जो संभावित 6.5 ट्रिलियन डॉलर के आर्थिक नुकसान से कहीं कम है। दुनिया के कई देश चीन पर निर्भरता कम करने के लिए निवेश बढ़ा रहे हैं, जिससे 2035 तक रेयर अर्थ रिफाइनिंग में चीन की हिस्सेदारी 90 से घटकर 70 फीसदी रह सकती है। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि चीन की मौजूदा बढ़त खत्म होने में वर्षों लगेंगे, और आपूर्ति बाधित होने पर अमेरिका व यूरोप के औद्योगिक क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित होंगे।

बुंदेलखंड अब बदल रहा है, केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना से आएगी हरियाली: मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री ने जालंधर से देश के 20 राज्यों के 75 अमृत भारत रेलवे स्टेशन का किया वर्चुअल शुभारंभ

भोपाल (स्वतंत्र मत)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पंजाब के जालंधर छावनी रेलवे स्टेशन से देश के 20 राज्यों में विकसित किए गए 75 अमृत भारत रेलवे स्टेशनों का शुभारंभ किया। इनमें मध्यप्रदेश के पुनर्विकसित टीकमगढ़, छतरपुर, खजुराहो के प्रवेश द्वार तरिचर, हरपालपुर, सांची, अशोकनगर, बालाघाट, ब्यौहारी, छिंदवाड़ा, जुन्नारदेव, नैनपुर जंक्शन, विदिशा, शिवपुरी एवं भिंड कुल 13 अमृत भारत रेलवे स्टेशन शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने टीकमगढ़ रेलवे स्टेशन से अमृत भारत स्टेशनों के लोकार्पण कार्यक्रम में सहभागिता की। मुख्यमंत्री ने प्रदेश को 13 अमृत भारत स्टेशन के रूप में ऐतिहासिक सौगात देने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार व्यक्त कर कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना प्रदेश के आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी। उन्होंने कहा कि 75 अमृत भारत स्टेशनों का एक साथ शुभारंभ भारतीय रेल के आधुनिकीकरण और विकसित भारत के संकल्प की ऐतिहासिक उपलब्धि है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित पुनर्विकसित टीकमगढ़ रेलवे स्टेशन क्षेत्र के विकास, पर्यटन और जनसुविधाओं का नया केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि नए अमृत भारत स्टेशन मध्यप्रदेश को नई पहचान, नया सम्मान और विकास की नई दिशा देंगे। हमारे लिए ये स्टेशन समृद्ध और गौरवशाली विरासत का प्रतिबिंब हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में हमारा देश और प्रदेश बदल रहा है। बुंदेलखंड ने अब तेजी से विकास और बदलाव की नई इबारत लिखी है। बुंदेलखंड की धरती आध्यात्मिकता और बहुमूल्य खनिज संपदा से संपन्न है। यहां रामराजा सरकार और बुंदेली संस्कृति के कई प्रतिमान जुड़े हैं। पहले बुंदेलखंड जल की कमी के लिए जाना जाता था।

बुन्देलखंड में खुलेंगे समृद्धि के नवीन द्वार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुन्देलखंड की भूमि अपना विकास करने में सक्षम है लेकिन प्राकृतिक कारणों से इतिहास में यहां से पलायन होता रहा है। उन्होंने कहा कि केन-बेतबा नदी जोड़ो अभियान के तहत बुन्देलखंड में समृद्धि के नवीन द्वार खुलेंगे और यहां विकास की गंगा बहेगी। एक लाख करोड़ रुपए की योजना से बुन्देलखंड पूरा बदल जाएगा। पेयजल की उपलब्धता होगी। कृषि, उद्योग, पर्यटन, शिक्षा के साथ-साथ सभी क्षेत्रों में विकास होगा। इसलिए यहा रेल यातायात को तेजी से बढावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश नक्सलवाद को खत्म करने वाला और लाल सलाम को आखिरी सलाम करने वाला देश पहला राज्य है। उन्होंने कहा बुन्देलखंड की गौरवशाली विरासत का अपना अलग इतिहास है। यह वीरों और महावीरों की भूमि है। बुन्देलखंड अपने अंदर गौरवशाली इतिहास, धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को संजोए हुए है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारतीय रेल अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। भारतीय रेलवे का नेटवर्क इतना बड़ा है कि कई देशों की आबादी के बराबर यात्री प्रतिदिन हमारी ट्रेनों में सफर करते हैं। कोयले और भाप के इंजन से शुरू हुई रेल यात्रा अब स्वच्छ, पर्यावरण-अनुकूल हाइड्रोजन तकनीक तक पहुंच चुकी है, जिससे भारत अब विश्व के उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है जो भविष्य की इस अत्याधुनिक तकनीक पर सफलतापूर्वक कार्य कर रहे हैं।

प्रदेश के 13 स्टेशनों का कायाकल्प कर जनता को समर्पित किया

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के लिए गर्व का विषय है कि अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चयनित 80 स्टेशनों में से पहले चरण में प्रदेश के 13 स्टेशनों का कायाकल्प कर जनता को समर्पित किया गया है। ये अमृत भारत स्टेशन प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, पर्यटन, व्यापार और क्षेत्रीय विकास को नई गति देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भारतीय रेल के इतिहास का युगांतरकारी दिन है। यह केवल रेलवे स्टेशनों का लोकार्पण ही नहीं, भारत की विरासत, आधुनिकता और आत्मनिर्भरता का त्रिवेणी संगम है। अमृतकाल में हमारे वैज्ञानिकों, रेलवे इंजीनियरों और कर्मयोगियों ने अकल्पनीय कार्य किया है। भारतीय रेलवे के 173 वर्षों के इतिहास में पहले कोयला, डीजल और बिजली से ट्रेन चलती थी। आज प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सोनीपत स्टेशन से देश में पहली बार हाइड्रोजन ट्रेन को झंडी दिखाकर रवाना किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विधानसभा के वर्षाकालीन सत्र में हमारी सरकार एक देश, एक विधान, एक प्रधान और एक निशान के संकल्प को पूरा करेगी। सभी धर्मों के लोगों के लिए एक समान कानून लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के लिए उच्च स्तरीय समिति ने प्रदेशभर के करीब 10 लाख लोगों से सुझाव प्राप्त किये।

बाल संरक्षण तंत्र को मजबूत करने के लिए भोपाल में राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित

सभी 55 जिलों की बाल कल्याण समितियों के अध्यक्ष हुए शामिल

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग, भोपाल द्वारा दिनांक 17 जुलाई, 2026 को मध्यप्रदेश काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी भोपाल में लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (पॉक्सो अधिनियम) एवं किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 के प्रभावी क्रियान्वयन में बाल कल्याण समिति की भूमिका विषय पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम रामेन्द्र सिंह, महासचिव, भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, मध्यप्रदेश। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. अनिल कोठारी, महानिदेशक, मध्यप्रदेश काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी , भोपाल तथा श्रीमती सुधा विजय सिंह भदौरिया, सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी, जिला न्यायालय, भोपाल, आयोग की सदस्य श्रीमती सोनम निनामा एवं श्रीमती अर्चना गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य प्रदेश की समस्त बाल कल्याण समितियों की कार्यप्रणाली में एकरूपता स्थापित करना, सदस्यों की विधिक एवं प्रक्रियागत दक्षता का संवर्धन करना, विभिन्न जिलों के अनुभवों एवं श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों का आदान-प्रदान सुनिश्चित करना तथा राज्य की वाल संरक्षण व्यवस्था को अधिक प्रभावी, उत्तरदायी एवं बालहित सर्वोपरि के सिद्धांत के अनुरूप सुदृढ़ बनाना था। इस प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला में प्रदेश के समस्त जिलों की बाल कल्याण समितियों के अध्यक्षों एवं सदस्यों को लैंगिक अपराधों से चालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (पॉक्सो अधिनियम) तथा किशोर न्याय (वालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 के प्रभावी क्रियान्वयन से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में वाल संरक्षण संबंधी वैधानिक प्रावधानों, प्रक्रियात्मक कार्यवाही, वालहित सर्वोपरि के सिद्धांत, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन, विभागीय समन्वय, बाल कल्याण समिति की भूमिका, प्रकरण प्रबंधन अभिलेख संधारण, आयोग की रिपोर्टिंग प्रणाली तथा संवेदनशील प्रकरणों के प्रभावी एवं समयबद्ध निराकरण जैसे महत्वपूर्ण विपयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

टीकमगढ़ में बनेगा सर्व सुविधायुक्त मेडिकल कॉलेज

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टीकमगढ़ जिले के लिए 189 करोड़ के 72 विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमि-पूजन

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार बुंदेलखंड क्षेत्र के समग्र विकास के लिए लगातार काम कर रही है। बुंदेलखंड एक नए निवेश केंद्र के रूप में उभर रहा है। यहां शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल और आधारभूत सुविधाओं से जुड़े विकास कार्य इस क्षेत्र की प्रगति को नई गति दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुंदेलखंड अब बदल रहा है। बुंदेलखंड के किसानों ने पानी के अभाव में गरीबी झेली और कई कठिनाइयां उठाईं। रोजगार की भारी कमी का दंश भी झेला। लेकिन अब हम केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के जरिए बुंदेलखंड को समृद्ध बनाने के लिए पुरजोर प्रयास कर रहे हैं। केन-बेतवा राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना पूरी होने पर यह क्षेत्र खेती के मामले में पंजाब और हरियाणा को भी पीछे छोड़ेगा। उन्होंने कहा कि इस विशाल परियोजना से टीकमगढ़ जिले की हजारों हेक्टेयर कृषि भूमि सिंचित होगी, जिससे किसानों के खेतों में पर्याप्त पानी पहुंचेगा और उनकी आय में ऐतिहासिक वृद्धि होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को टीकमगढ़ जिले के खरगापुर में विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने टीकमगढ़ जिले को 189 करोढ़ रुपए से अधिक की लागत के 72 विकास कार्यों की सौगात दी। इसमें 102.45 करोड़ रूपए के 33 कामों का लोकार्पण और 86.66 करोढ़ रुपए के 39 कामों का भूमिपूजन शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिले के लिए महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि टीकमगढ़ में सर्वसुविधायुक्त भव्य मेडिकल कॉलेज बनाया जाएगा। इसका भूमिपूजन भी शीघ्र ही किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न शासकीय योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज टीकमढ़ जिले को अमृत भारत रेलवे स्टेशन की बड़ी सुविधा मिली है। इसके साथ-साथ जतारा और बड़ागांव धसान में सर्वसुविधायुक्त सांदीपनि विद्यालय भवनों और सोलह विद्यालयों में विभिन्न श्रेणी के नव-निर्माण कार्यों का उपहार भी मिला है। इतना ही नहीं, हमारे युवाओं और खिलाड़ियों के लिए हॉकी सिंथेटिक एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम और बास्केटबॉल कोर्ट का भी लोकार्पण हुआ है। खरगापुर में 40 करोड़ रूपए से बनने वाले नए सांदीपनि विद्यालय भवन का भूमिपूजन भी आज हो गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बदलते समय की जरूरतों के मुताबिक प्रदेश के बच्चों को सांदीपनि विद्यालयों के जरिए संस्कारों के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है। हमारे ये विद्यालय भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की अमर मित्रता के पर्याय बने हैं। भविष्य में युवा पीढ़ी को पढ़ने और आगे बढ़ने के लिए जैसे विद्यालय चाहिए, आज उन्हें वैसे ही विद्यालय उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में वर्ष 2002-03 तक सिंचाई का रकबा मात्र 7.50 लाख हेक्टेयर था। हमारी सरकार में प्रदेश की सिंचित भूमि का रकबा बढ़कर अब 65 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गया है। हम एक करोड़ हेक्टेयर भूमि को सिंचित करने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार लाड़ली बहनों को आर्थिक सशक्तिकरण के लिए निरंतर सौगात दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश विवाह, तलाक और वसीयत के लिए समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश के सभी देवस्थानों को भव्य स्वरूप में विकसित कर रही है। समान भाव से कार्य करते हुए सभी धर्मों, सभी समाज के लोगों के कल्याण के लिए काम कर रही है। लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत अगर रानी को हर माह 1500 रुपए मिल रहे हैं तो रुखसाना को भी इस योजना का पूरा लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसान कल्याण वर्ष में राज्य सरकार किसानों की समृद्धि के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। प्रदेश में दूध का उत्पादन बढ़ाने के लिए डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना और अन्य योजनाओं के जरिए पशुपालकों को अनुदान और अन्य मदद भी दी जा रही है। गौशाला खोलने पर प्रति गौमाता 40 रुपए की आर्थिक/अनुदान सहायता दी जा रही है। उन्होंने बताया कि अब नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के माध्यम से प्रदेश के दुग्ध उत्पादकों को उत्पादित दूध का समुचित दाम भी मिलने लगा है। हमारे मछुआरें भाई-बहनों की समृद्धि के लिए राज्य सरकार मत्स्य उत्पादन को भी प्रोत्साहित कर रही है।

सांदीपनि विद्यालय में 21 विद्यार्थियों को नि:शुल्क साइकिलें वितरित

हटा (स्वतंत्र मत)। नगर के सांदीपनि विद्यालय में नि:शुल्क साइकिल प्रदाय योजना के अंतर्गत 21 पात्र छात्र-छात्राओं को नि:शुल्क साइकिलों का वितरण किया गया। साइकिल प्राप्त करते ही विद्यार्थियों के चेहरों पर खुशी झलक उठी। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विधायक उमादेवी खटीक रहीं। इस अवसर पर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष सौरभ नेमा सहित विद्यालय का स्टाफ एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। योजना के तहत कक्षा 9वीं में अध्ययनरत 21 विद्यार्थियों को साइकिलें वितरित की गईं। लाभान्वित विद्यार्थियों में अनुराग मिश्रा, शिवम शर्मा, राकेश साहू, दुर्गेश राजपाल, प्रियांशु कुर्मी, खेमचंद साहू, सोमनाथ पाठक, यासीन, राजेश पटेल, अंश पांडे, अमन शर्मा, रानी, शिवि कुर्मी, सौम्या यादव सहित अन्य छात्र-छात्राएं शामिल रहीं। संचालन पीएन खेमारिया एवं एसएस राजपूत ने किया। इस दौरान शासन के एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत मुख्य अतिथि ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

भारतीय स्टेट बैंक
तुलाराम चौक शाखा, जबलपुर
[नियम 8 (1) देखें]
कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिये)

जबकि
निम्न हस्ताक्षरकर्ता भारतीय स्टेट बैंक के अधिकृत अधिकारी के रूप में, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत और धारा 13 (12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 9 के साथ पठित, ऋणी मेसर्स सुरेश ड्रेसेस (प्रो. श्री सुरेश चंद जैन पिता श्री हेम चंद जैन) एवं गारन्टर स्व. श्रीमति आशारानी जैन के कानूनी वारिसों श्री सुरेश चंद जैन पिता श्री हेम चंद जैन, विनय जैन पिता श्री सुरेश चंद जैन, श्रीमति रेनुका जैन पिता श्री सुरेश चंद जैन एवं श्रीमति सृजुला जैन पिता श्री सुरेश चंद जैन पर मांग सूचना दिनाँक 10.04.2026 पर उस सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर रू. 24,54,800/- (अंकन चौबीस लाख चौवन हजार आठ सौ रूपये) सूचना में उल्लेखित राशि का पुर्नभुगतान करनें के लिये मांग सूचना को जारी किया।
ऋणी द्वारा सम्पूर्ण राशि का पुर्नभुगतान करनें में असफल होनें पर, एतद् द्वारा सूचना ऋणी और मृतका गारन्टर के कानूनी वारिसों और आम जनता को दी जाती है कि, निम्न हस्ताक्षरकर्ता नें दिनाँक 07.07.2026 को उस अधिनियम की धारा 13 (4) के अंतर्गत, उस नियम 9 के साथ पठित उस पर प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में एवं एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्ति के कब्जे को ले लिया है।
ऋणी। मृतका गारन्टर के कानूनी वारिसों को विशेष या आम जनता के साथ एतद् द्वारा सम्पत्ति के साथ कार्य नहीं करनें की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ किया गया कोई कार्य रूपये 24,54,800/- (अंकन चौबीस लाख चौवन हजार आठ सौ रूपये) की राशि और उस पर ब्याज के लिये भारतीस स्टेट बैंक के प्रभार के अनुसार होगा।

अचल सम्पत्ति का विवरण
स्व. श्रीमति आशारानी जैन पत्नि श्री सुरेश चंद जैन (कानूनी वारिसों सुरेश चंद जैन, विनय जैन, श्रीमति रेनुका जैन एवं श्रीमति सृजुला जैन) का प्लॉट नंबर 22, खसरा नंबर 152/1, ऐरिया 40 फुट x 60 फुट कुल रकवा 2400 वर्गफुट, शीट पंबर 660, पटवारी हल्का नंबर 25, माढोताल, मनमोहन नगर के पास, तहसील व जिला जबलपुर सम्पत्ति के चारों ओर की सीमाएँ - उत्तर में - प्लॉट नं. 23, दक्षिण में - प्लॉट नं.- 21, पूर्व में - 25 फुट चौड़ा रोड एवं पश्चिम में -प्लाट नं.- 32

दिनांक: 17 जुलाई, 2026
स्थान: जबलपुर

अधिकृत अधिकारी, भारतीय स्टेट बैंक
तुलाराम चौक शाखा, जबलपुर

रेलवे परियोजनाओं का सांसद लोधी ने किया निरीक्षण

दमोह (स्वतंत्र मत)

प्रधानमंत्री के अमृत भारत संकल्प के तहत जिले में रेलवे अधोसंरचना के आधुनिकीकरण के लिए संचालित परियोजनाओं की प्रगति का निरीक्षण करने सांसद राहुल सिंह लोधी ने रेलवे स्टेशन चौराहा बांदकपुरए करैया रेलवे स्टेशन, आनू फाटक, दमोह हिंडोरिया पटेरा मार्ग पर निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज तथा नवनिर्मित लोडिंग अनलोडिंग रेक प्वाइंट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ निर्माण कार्यों की समीक्षा कर गुणवत्ता एवं समय सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। सांसद राहुल सिंह लोधी ने कहा जिले में लगभग 100 करोड़ रुपये की लागत से तीन रेलवे ओवरब्रिज तथा लोडिंग-अनलोडिंग रेक प्वाइंट का निर्माण कार्य प्रगति पर है। उन्होंने अधिकारियों से कहा सभी परियोजनाओं का कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर और निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूर्ण किया जाए ताकि इनका लाभ शीघ्र ही आम नागरिकों को मिल सके। निरीक्षण के दौरान सांसद ने कहा लंबे समय से शहर के भीतर स्थित रेक प्वाइंट के कारण यातायात सहित विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। शहर से लगभग 550 से 600 मीटर दूर करैया क्षेत्र में विकसित किया जा रहा है। लगभग 20 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रही इस सुविधा के शुरू होने पर शहर में यातायात का दबाव कम होगा तथा नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

पर्यावरण संरक्षण गौसंवर्धन और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा : मंत्री पटेल

दमोह (स्वतंत्र मत)

यह तीन दिन गौ अभ्यारण और क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक एवं गौरवपूर्ण है। दादा गुरु के 2100 निराहार दिवस पूर्ण होने के अवसर पर 2100 देववृक्षों की स्थापना की जा रही है जो पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है पिछले वर्ष दादा गुरु के 1705 निराहार दिवस पूर्ण होने पर 1705 पौधों का रोपण किया गया था। वह सभी पौधे आज सुरक्षित एवं विकसित है, यह जनसहभागिता और सेवा भावना का परिणाम है। इस आशय के विचार पंचायत एवं ग्रामीण एवं श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल ने जरारूधाम गौ अभ्यारण्य में दादा गुरू के सानिध्य में आयोजित 2100 देववृक्षों की स्थापना, रक्तदान शिविर, सत्संग संवाद तथा प्रसादी कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए। मंत्री श्री पटेल ने कहा मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों से आए श्रद्धालुओं ने सीमित संसाधनों के बावजूद जरारूधाम में रात्रि विश्राम कर संस्थान का सम्मान बढ़ाया है। इस अनुभव के आधार पर आगामी वर्ष बेहतर आवास एवं अन्य सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा ताकि परिवार सहित आने वाले श्रद्धालुओं को अधिक सुविधाजनक व्यवस्था उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने कहा कार्यक्रम के दौरान श्रमंथन अतिथि गृह का लोकार्पण किया गया, जहां पूज्य दादा गुरु एवं उनके सहयोगियों के ठहरने की व्यवस्था रहेगी। इसके साथ ही गौ अभ्यारण में इस सप्ताह से जैविक खाद उत्पादन प्रारंभ किया जाएगा जो रासायनिक उर्वरक डीएपी का विकल्प बनने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। उन्होंने कहा संस्थान पूज्य दादा गुरु के आशीर्वाद से पर्यावरण संरक्षणए गौसंवर्धन और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा तथा भविष्य में भी जनहित की ऐसी पहलें जारी रहेंगी। उन्होंने नर्मदा खंड सेवा संस्थान के पदाधिकारियों, स्वयंसेवकों तथा बिना किसी औपचारिक आमंत्रण के सेवा देने पहुंचे श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11
नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 17/7/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती भारती रजक पति श्री अजय रजक ने वार्ड क्रमांक 65 वार्ड नाम सुभाष चंद्र बैनर्जी के भवन क्रमांक 527 से 538 प्लाट नं. 13/1 k-1 हाउसिंग बोर्ड कालोनी संपत्ति के पिन क्रमांक 2000095099 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 424 व.फु. जिस पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम में दर्ज मेसर्स समदड़िया बिल्डर्स प्रा. लिमिटेड श्री किशोर समदड़िया का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर,
जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण / नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पुरवा कॉलोनी जबलपुर में भवन कमांक LIG - 181 श्रीमति ज्योति नामदेव पति श्री संतोष कुमार नामदेव के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 20.06.2024 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्रीमति ज्योति नामदेव पति श्री संतोष कुमार नामदेव ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 24.06.2026 के माध्यम से श्री नीरज जैन पिता श्री जितेन्द्र कुमार जैन एवं श्री निकलेश जैन पिता श्री जितेन्द्र कुमार जैन को विक्रय किया है। अतः श्री नीरज जैन पिता श्री जितेन्द्र कुमार जैन एवं श्री निकलेश जैन पिता श्री जितेन्द्र कुमार जैन द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन/भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

ज्वेलर्स की दुकान पर चोरों की सेंध

पथरिया (स्वतंत्र मत)। पथरिया नगर में उस वक्त हड़कंप का माहौल मच गया जब सुबह सुबह लोगों को पता लगा कि मुखर्जी मार्केट में प्रकाशचंद सराफ ज्वेलर्स की दुकान पर दीवार में छेद कर वहां से लाखो की चांदी चोर ले उड़े। दरअसल यह चौरी प्रकाशचंद सराफ की दुकान पर पहली चौरी नहीं है। उन्होंने बताया लगभग 10 वर्षों में मेरी दुकान पर 6 बार ऐसी वारदातें हो चुकी है। जिसका खुलासा अबतक पुलिस द्वारा नहीं किया गया। इस बार भी सुबह मेरे पास स्थानीय लोगों का फोन आया और उनके द्वारा बताया गया कि मेरी दुकान के पीछे दीवार में सुराग कर चोर दुकान का सामान ले उड़े है। मौके पर जब में दुकान पहुंचा तो वहां बताई गई स्थिति यथावत थी इसके उपरांत पथरिया थाना में इसकी सूचना दी जिसके बाद पुलिस ने आकर शटर खोल जायजा लिया जिसमें दुकान से लाखों की चांदी और कई अन्य कीमती सामान गायब था।

कार्यालय नगर पालिक निगम, जबलपुर (म.प्र.)
द्वितीय निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आर्मंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत लाख में	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविद की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	PRO-393 DATE 17/7/2026 2026_UAD_522200_1	संभाग क्रमांक 16 ठक्करग्राम वार्ड अंतर्गत किलकारी मैदान में सामुदयिक भवन का निर्माण कार्य। (पार्षद अनुशंसा)	4 माह 29.65	5,000/- 22244/-	30/7/2026

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाईट https://mptender.gov.in पर ही किया जावेगा पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

संभागीय यंत्री/कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम जबलपुर

मझगवां थाना क्षेत्र की घटना, जांच में जुटी पुलिस

घरेलू विवाद पर युवक ने खाया जहर, मौत

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। मझगवां थाना क्षेत्र के ग्राम बुधुआ निवासी 38 वर्षीय सुमित दुबे ने घरेलू विवाद के चलते दो डिब्बी सल्फास जहर का सेवन कर लिया। निजी वाहन से उसे सिहोरा के शासकीय सिविल अस्पताल लाया गया जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने हालत नाजुक होने के कारण उसे जबलपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि जिला अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

सिहोरा मंडी उड़नदस्ता की कार्यवाही

309 क्विंटल गेहूं से भरा ट्रक पकड़ा

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। मंडी बोर्ड के निर्देश पर शुक्रवार को कृषि उपज मंडी समिति सिहोरा के उड़नदस्ता दल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 309 क्विंटल गेहूं से भरे एक ट्रक को पकड़ा। जांच के दौरान वाहन क्रमांक यूपी 70 एफटी-8485 में प्रयागराज से कर्नाटक ले जाया जा रहा गेहूं बिना आवश्यक अनुज्ञा पत्र के परिवहन करते हुए मिला। अधिकारियों ने इसे मंडी शुल्क की अपवंचना का मामला मानते हुए कार्रवाई की। मंडी उड़नदस्ता दल प्रभारी शिवलाल कुलेश एवं सहायक ग्रेड-3 नरेंद्र गर्ग ने वाहन की जांच की।

11 महीने बाद पकड़ा गया खितौला बैंक डकैती का मास्टरमाइंड

कई राज्यों में दर्ज हैं गंभीर मामले, 750 ग्राम सोना बरामद

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

खितौला स्थित ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक में 11 अगस्त 2025 को हुई करोड़ों की बैंक डकैती मामले में पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। शुक्रवार को पुलिस ने खुलासा किया है कि बिहार के गया जिले से मुख्य डकैत सुनील पासवान और उसके साथी चंचल पासवान को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों के पास से डकैती का लगभग 750 ग्राम सोना बरामद किया है, जिसकी बाजार कीमत लगभग सवा करोड़ रुपए है। बताया जा रहा है कि सुनील पासवान चार राज्यों में वांछित था।

ये है पूरा मामला

जानकारी मुताबिक यह डकैती 11 अगस्त 2025 को खितौला स्थित ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक में हुई थी। जहां पर 5 नकाबपोश बदमाशों ने हथियारों के बल पर लगभग 14 किलो 800 ग्राम सोने के आभूषण और 5 लाख रुपए नकद लूटे थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए आईजी प्रमोद वर्मा, डीआईजी अतुल सिंह और एसपी संपत उपाध्याय ने घटनास्थल का दौरा किया था। आईजी जबलपुर ने मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी पर 30 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया था। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में गठित क्राइम ब्रांच और पुलिस की विशेष टीम ने बिहार के गया जिले में डेरा डाला। बिहार एसटीएफ के सहयोग से तिलैया गांव में घेराबंदी कर एक किराए के मकान में छिपे सुनील पासवान को गिरफ्तार किया गया।

45 लाख रुपये में बेचे थे जेवर

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि डकैती में उसे मिले डेढ़ किलो सोने में से 750 ग्राम सोना उसने अपने परिचित चंचल पासवान को 45 लाख रुपये में बेचा था। सुनील की निशानदेही पर चंचल पासवान को भी गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार डकैत सुनील पासवान मध्य प्रदेश के जबलपुर के अलावा बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ राज्यों में बैंक डकैती व लूट के कई मामलों में लंबे समय से वांछित था। उसके खिलाफ विभिन्न राज्यों के थानों में लूट और डकैती के 9 गंभीर मामले दर्ज हैं। पुलिस अब शेष बचे सोने की बरामदगी और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य सुनारों की तलाश के लिए आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है।

चार राज्यों में दर्ज हैं 9 मामले

पुलिस के मुताबिक आरोपी सुनील पासवान के खिलाफ मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ में बैंक डकैती और लूट के नौ गंभीर मामले दर्ज हैं। पुलिस अब शेष सोने की बरामदगी, गिरोह के अन्य सदस्यों और चोरी का सोना खरीदने वाले सुनारों की तलाश में बिहार और झारखंड में लगातार कार्यवाही कर रही है। वहीं इस मामले में इससे पहले गैंग के सरगना राजेश दास उर्फ आकाश दास समेत 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस उनके कब्जे से करीब साढ़े तीन किलो सोना बरामद कर चुकी है। वहीं स्थानीय सहयोगी बबलू उर्फ बाबू सिंह लोधी को भी गिरफ्तार कर उसके पास से 40 हजार रुपए नकद जब्त किए गए थे। अब तक इस मामले में कुल 13 आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं।

पूर्व मंत्री बाबू चंद्रमोहन के जन्म दिवस पर होंगे विविध आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र शासन के पूर्व मंत्री एवं उद्योगपति बाबू चन्द्रमोहन का 77वां जन्मोत्सव आगामी 24 जुलाई को शहीद स्मारक प्रेक्षागृह में विभिन्न कार्यक्रमों के बीच मनाया जायेगा। संयोजक जादूगर एसके निगम ने बताया कि शुक्रवार 24 जुलाई को सर्वप्रथम अपरान्ह 12 बजे ज्ञान गंगा कॉलेज के डायरेक्टर रजनीश जैन के मुख्य आतिथ्य में औषधीय पौधों को शहीद स्मारक परिसर में रोपित कर मिष्ठान वितरण होगा। 22 जुलाई को संध्या 4.30 बजे साउथ एवेन्यू मॉल में हितकारिणी डेंटल कॉलेज द्वारा नि:शुल्क दंत चिकित्सा व दवा वितरण सेवानिवृत्त पुलिस अधीक्षक गोपाल खांडेल के मुख्य आतिथ्य में होगा। 24 जुलाई को सायं 7 बजे से आयोजित रंगारंग कार्यक्रम में त्रिविधा डांस अकादमी द्वारा कथक गुरु नीलांगी के निर्देशन में गणेश वंदना नृत्य के पश्चात बेमिसाल संगीत निर्देशक बबलू मैथ्यूज व मुन्ना गूजर के निर्देशन में नगर की चुनी हुई प्रतिभाओं का गायन ज्वेल्स ऑफ वॉइस में गायक-गायिकाएं अपने सु-मधुर गीत प्रस्तुत करेंगे।

इस अवसर पर संभागीय बाल भवन के राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त बच्चों को सम्मानित किया जायेगा। कार्यक्रम में बाबू चन्द्रमोहन के व्यक्तित्व-कृतित्व पर पूर्व विधायक नित्यनिरंजन खम्परिया, वरिष्ठ नेता मदन तिवारी, डॉ. राजेश धीरावणी, इंदिरा पाठक, पूर्व न्यायाधीश मीना भट्ट प्रकाश डालेंगे।

सांस्कृतिक संस्थाओं ने की उपस्थिति की अपील

सेम सीनियर सिटीजन क्लब, महाकोशल शहीद स्मारक ट्रस्ट, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ, मेलोडियस मंडेलियन संयुक्त आयोजन में आयोजन समिति के विजय जायसवाल, डॉ. पंकज शुक्ला, राजेश पाठक, आरके टेहनगुरिया, प्रतुल श्रीवास्तव, अनूप खरे, राजीव गुप्ता, योगेन्द्र भार्गव, युवराज गढ़वाल, सतीश पटेल, विंग कमांडर चंदन शर्मा आदि ने सभी कार्यक्रमों में उपस्थिति की अपील की है।

जिले की स्वास्थ्य संस्थाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कायाकल्प अभियान 2025-26 के अंतर्गत जिला जबलपुर की स्वास्थ्य संस्थाओं ने प्रदेश स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इस उपलब्धि पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जबलपुर डॉ. नवीन कोठारी ने सभी संबंधित संस्थाओं के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं।

कबाड़ी दबाकर रखा था 11 केवी लाइन का 341 किलो तार

बेलखेड़ा क्षेत्र में विद्युत विभाग की दबिश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। बेलखेड़ा क्षेत्र में विद्युत विभाग ने बिजली चोरी एवं अवैध विद्युत सामग्री के विरुद्ध विशेष अभियान चलाते हुए बड़ी कार्यवाही की है। विभाग की टीम ने ग्राम बेलखेड़ा के भाईजान मोहल्ले में दबिश देकर एक मकान से 11 केवी लाइन का लगभग 341 किलोग्राम विद्युत तार बरामद कर जब्त किया है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक विद्युत विभाग की टीम ने उप संभागीय अभियंता नवनीत राठौर एवं सहायक अभियंता पाटन कौशल किशोर के संयुक्त नेतृत्व में ग्राम बेलखेड़ा के भाईजान मोहल्ले स्थित उस्मान भाईजान कबाड़ी के घर पर दबिश दी। टीम ने मकान की घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान अधिकारियों को मौके से 11 केवी लाइन का 341 किलोग्राम विद्युत तार बरामद हुआ, जिसे विभाग ने तत्काल जब्त कर लिया। प्रारंभिक जांच में उक्त तार अवैध रूप से रखा जाना पाया गया।

नीट परीक्षा: ऑल इंडिया 46वीं रैंक के साथ मप्र में प्रथम आए शहर के आर्यमन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) 2026 के घोषित परिणामों में जबलपुर के आर्यमन सोलंकी ने मप्र में पहला स्थान हासिल किया है। उन्होंने 692 अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया रैंक 46 हासिल की है। इस उपलब्धि के साथ आर्यमन ने प्रदेश और शहर का नाम रोशन किया है। अब उनका लक्ष्य देश के प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान एम्स दिल्ली में प्रवेश लेना है। बता दें कि इस वर्ष नीट-यूजी परीक्षा में करीब 20 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे, जिनमें से 11.21 लाख से अधिक छात्र-छात्राएं सफल हुए हैं। ऐसे कड़े मुकाबले में आर्यमन की ऑल इंडिया 46वीं रैंक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। अपनी सफलता का श्रेय आर्यमन ने विषयों के प्रति रुचि और नियमित अध्ययन को दिया। आर्यमान के पिता डॉ. फरिंद्र सिंह सोलंकी शहर के वरिष्ठ यूरोलॉजिस्ट हैं और जबलपुर के पहले अंगदान अभियान के मेडिकल दल का हिस्सा रह चुके हैं। उनकी मां डॉ. अनुपमा सोलंकी स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ (गायनाकोलॉजिस्ट) हैं, जबकि उनकी बहन भी मेडिकल की पढ़ाई कर रही हैं।

अनुज दुबे ने नीट परीक्षा में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

जबलपुर । एपीएन हायर सेकेण्डरी शाला के मेधावी छात्र अनुज दुबे ने नीट 2026 की परीक्षा में 23063 रेंक प्राप्त कर शाला को गौरवान्वित किया है। अनुज तिलहरी निवासी जितेन्द्र दुबे, निशा दुबे के पुत्र हैं। अनुज द्वारा पूर्व में जेईई मेन्स में 95.80 परशेन्टाइल एवं 12वीं में 93.64 प्रतिशत अंक हासिल कर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है।

हृदय रोग से ग्रसित 8 माह के मासूम को मिला नया जीवन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम और आयुष्मान भारत योजना एक बार फिर किसी जरूरतमंद परिवार के लिए संकटमोचक साबित हुई है। जबलपुर के तिलहरी निवासी 8 माह के मासूम शिवांग चौधरी को जन्मजात हृदय रोग से मुक्ति दिलाते हुए डॉक्टरों ने उसे नया जीवन प्रदान किया है। इस पूरी प्रक्रिया में स्वास्थ्य विभाग की तत्परता और योजना की पारदर्शी व्यवस्था की बदौलत बालक की जटिल सर्जरी मुंबई के अस्पताल में पूर्णत: नि:शुल्क संपन्न हुई। आरबीएसके टीम के डॉ. विकास झारिया एवं डॉ. गौतमी चौधरी ने दुर्गावती नगर (वार्ड 67) में स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान पाया कि भरत चौधरी का 8 माह का बेटा शिवांग गंभीर हृदय रोग से पीड़ित है। टीम ने अविलंब इसकी सूचना जिला प्रबंधक सुभाष शुक्ला को दी। इसके बाद जिला अस्पताल के विशेषज्ञों से जांच करवाकर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और सिविल सर्जन डॉ. नवीन कोठारी से बालक के उपचार के लिए अनुशंसा प्राप्त की गई।

देश के उज्ज्वल भविष्य की सोच के साथ जीते थे पं. विश्वनाथ दुबे

87वीं जयंती पर उनकी प्रतिमा के समक्ष हुए विविध आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

पूर्व महापौर स्व. पं. विश्वनाथ दुबे की 87वीं जयंती के अवसर पर शुक्रवार को नगर निगम मुख्यालय के सामने नेहरू उद्यान में उनकी प्रतिमा के समक्ष विविध आयोजन हुए। सभा को संबोधित करते हुए उनके पुत्र दामाद सुमित कालिया और गौरा दुबे कालिया ने कहा कि उनके पिता ने राजनीति का उपयोग अपने व्यवसाय के लिए न करके बल्कि अपने व्यवसाय से सामाज कल्याण के कार्य किए। उसी प्रकार फिनेक्स ग्रुप सदैव निरंतर उनके बताए मार्ग पर चलकर समाज कल्याण के कार्य करता रहेगा। अन्य वक्ताओं ने कहा कि आज के युग में पूर्व महापौर स्व. पं. विश्वनाथ दुबे जैसे ईमानदार, निष्ठावान, निश्चल, निरअभिमान, निष्कलंक राजनेता, विरले ही होते है, जो दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सिर्फ सामाज, शहर, प्रदेश और देश के उज्जवल भविष्य की सोच के साथ जीते है। ऐसे महान पुरूष पूर्व महापौर स्व. पं. विश्वनाथ दुबे का सानिध्य हम सब को मिला यह हमारा सौभाग्य है। जिस प्रकार महापौर रहते हुए नगर निगम जबलपुर से एक पैसा भी मानदेय नहीं लिया उनके कार्यकाल में बनाई गई मॉडल रोड़ उच्च्च गुणवता की एक मिसाल है, एवं उनके कार्यकाल में उनके ऊपर कोई दोषारोपण नहीं कर सकता, कि कहीं पर भी भ्रष्टाचार हुआ था, उनके द्वारा एशियाई विकास बैंक से जबलपुर के लिए लोन के कारण आज जबलपुर महानगर की श्रेणी में खड़ा हुआ है। समारोह में प्रमुख रूप से पूर्व महापौर स्व. पं. विश्वनाथ दुबे के दामाद सुमित कालिया, पुत्री गौरा दुबे कालिया, कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ शर्मा, शेखर दुबे, डॉ. अन्नू दुबे, पूर्व वित्त मंत्री तरूण भनोत, पं. राममूर्ति मिश्रा, दिनेश यादव, डॉ. आलोक चंसौरिया, डॉ. आलोक मिश्रा, विनय सक्सेना, संजय यादव, राधेश्याम चौबे, मदन तिवारी, विजय कांडा, राजेन्द्र चौधरी, सौरभ शर्मा, झल्लेलाल जैन, मुकेश राठौर, लक्ष्मी बेन, तेज कुमार भगत, अमरीश मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

मेयर-इन-काउंसिल के गठन पर उठे सवाल

कांग्रेस सेवादल ने कमिश्नर को ज्ञापन सौंप निष्पक्ष जांच की उठाई मांग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

नगर निगम की महापौर-परिषद के गठन की वैधानिकता को लेकर सियासत गरमा गई है। शहर कांग्रेस सेवादल ने शुक्रवार को संभागीय कमिश्नर को ज्ञापन सौंपकर एमआईसी के गठन और उसके द्वारा लिए गए निर्णयों की निष्पक्ष वैधानिक जांच कराने की मांग की है। कांग्रेसजनों का आरोप है कि नगर निगम का वर्तमान कार्य संचालन नियमों को ताक पर रखकर किया जा रहा है, जिससे प्रशासनिक पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ज्ञापन में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि यदि महापौर-परिषद का गठन विधि एवं तय नियमों के अनुरूप नहीं हुआ है, तो इसके कार्यकाल में लिए गए सभी प्रशासनिक व वित्तीय निर्णयों की सूक्ष्मता से जांच की जानी चाहिए। सेवादल ने मांग की है कि जांच में दोषी पाए जाने वाले जिम्मेदारों पर कड़ी वैधानिक कार्यवाही की जाए और नगर निगम के दैनंदिन कार्यों का संचालन पूरी तरह से संविधान और नियमों के दायरे में सुनिश्चित किया जाए। शहर कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष सतीश तिवारी के नेतृत्व में सौंपे गए इस ज्ञापन के दौरान बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

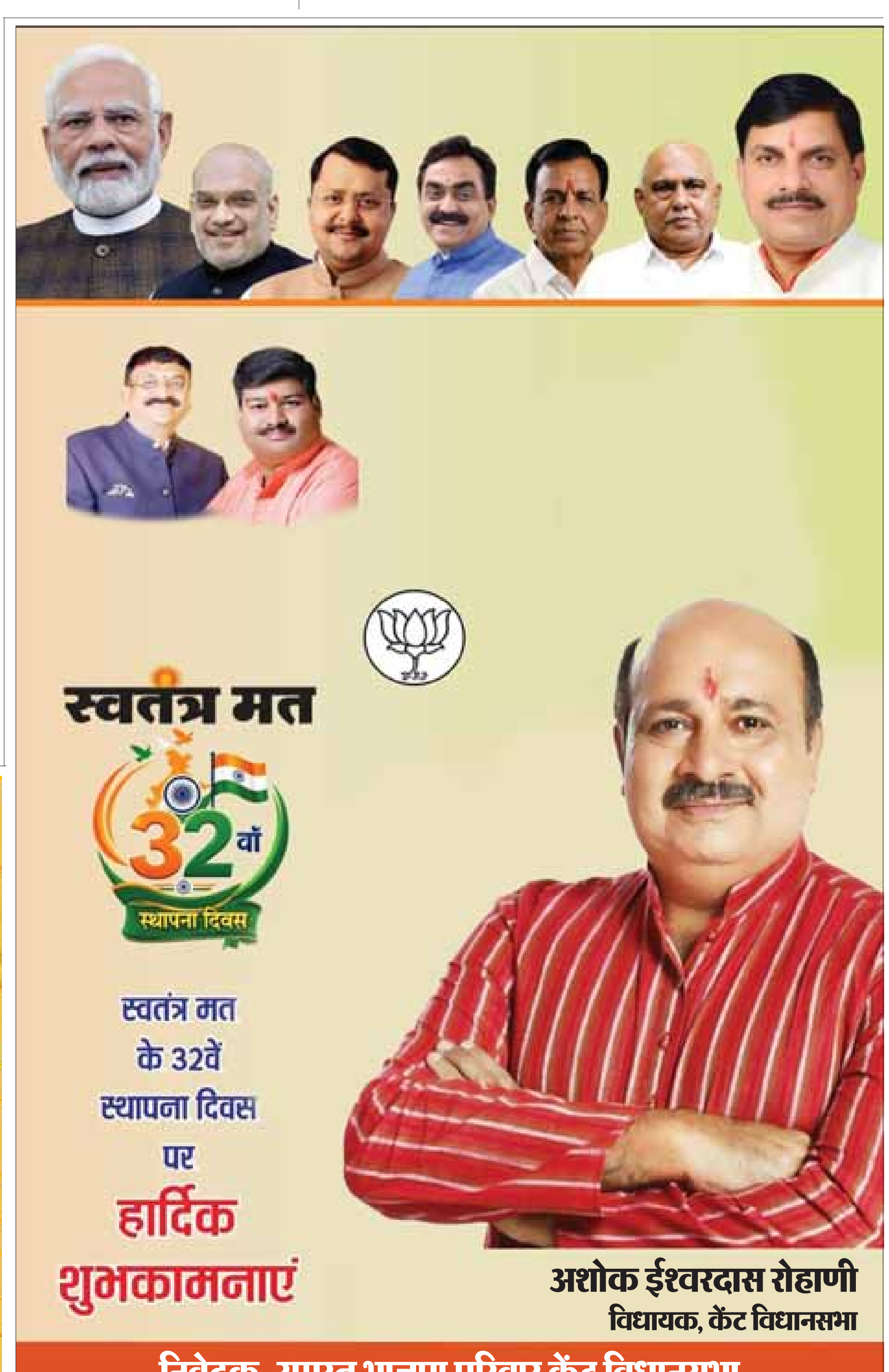

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**